@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 27 मार्च 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 141 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पश्चिम एशिया संकट

•पीएम मोदी आज करेंगे मुख्यमंत्रियों के साथ ऑनलाइन बैठक

राज्यों की तैयारियों की होगी समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार की शाम राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बातचीत करेंगे। इस बैठक में पश्चिम एशिया में बदलते हालात की समीक्षा की जाएगी और इसके भारत पर पड़ने वाले असर का आकलन किया जाएगा, खासकर तरल प्राकृतिक गैस (एलपीजी) और तेल आपूर्ति से मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

बैठक में तैयारियों पर फोकस किया जाएगा, जिसमें आपूर्ति श्रृंखला, ऊर्जा सुरक्षा और विदेश में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा जैसे मुद्दे शामिल हैं। प्रधानमंत्री बैठक में 'टीम इंडिया' की भावना के तहत सामूहिक प्रतिक्रिया के महत्व पर प्रकाश डाल सकते हैं, ताकि केंद्र और राज्यों के बीच तालमेल बना रहे। बैठक में वैश्विक अनिश्चितता

के बीच देश में स्थिरता बनाए रखने के उपायों पर भी चर्चा हो सकती है। जिन राज्यों में फिलहाल चुनाव चल रहे हैं, वे आचार संहिता के कारण इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह कैबिनेट सचिवालय के जरिये उनके मुख्य सचिवों के साथ अलग से बैठक की जाएगी, ताकि योजनाओं और प्रतिक्रिया की प्रक्रिया जारी रहे। यह बैठक इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि भारत इस समय एलपीजी की कमी का सामना कर रहा है।

भारत के पास 60 दिन का ईंधन: सरकार

इससे पहले सरकार ने आज नागरिकों को आश्वस्त किया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बावजूद कोई तात्कालिक खतरा नहीं है। सरकार ने बताया कि देश के पास 60 दिनों का ईंधन उपलब्ध है। लोगों से ईंधन की कमी से जुड़ी अटकलों पर ध्यान न देने की अपील की गई। सरकार ने पुष्टि की कि देश की ऊर्जा आपूर्ति स्थिर और अच्छी तरह प्रबंधित है और मौजूदा मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, कच्चे तेल की आपूर्ति अगले लगभग दो महीने के लिए पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल बाजार कंपनियों ने पहले से ही आयात की व्यवस्था कर ली है, जिससे आपूर्ति में निरंतरता बनी रहे। होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधाओं के बावजूद भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल खरीद रहा है, जिससे किसी एक मार्ग या क्षेत्र पर निर्भरता कम हो जाती है।

न्यायिक निर्णय प्रक्रिया में जिन लोगों के नाम हटेंगे, तृणमूल उन्हें कानूनी सहायता देगी : सीएम ममता बनर्जी

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस उन मतदाताओं को कानूनी सहायता प्रदान करेगी, जिनके नाम चल रही न्यायिक प्रक्रिया के दौरान हटा दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बुधवार दोपहर पश्चिम बर्दवान जिले के पांडवेश्वर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'जिन वोटरों के नाम न्यायिक प्रक्रिया में हटा दिए जाएंगे, उन्हें तृणमूल कांग्रेस की तरफ से कानूनी मदद दी जाएगी। हम उनके लिए वकीलों का इंतजाम करेंगे।' उनकी यह घोषणा भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) की उस जानकारी के एक दिन बाद आई है, जिसमें बुधवार शाम को बताया गया था कि न्यायिक प्रक्रिया के लिए भेजे गए 60 लाख मामलों में से, मंगलवार रात तक 32 लाख मामलों की प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी, और उन 32 लाख मामलों में से लगभग 40 प्रतिशत मामले ऐसे पाए गए जिन्हें हटाया जा सकता है। हालांकि,

न्यायिक प्रक्रिया से हटाए गए इन वोटरों को, इस काम के लिए बनाए गए 19 अपीलीय ट्रिब्यूनलों में से किसी एक के पास जाने का मौका मिलेगा। इस मौके पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने एक बार फिर कहा कि पश्चिम बंगाल की महिलाओं को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मुकाबला करने के लिए खास पहल करनी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा, 'वे हम पर चाहे जैसे भी हमले करें, लेकिन आखिर में जीत तृणमूल कांग्रेस की ही होगी। इस प्रक्रिया में महिलाओं को आगे बढ़कर मुख्य भूमिका निभानी होगी।'

उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा चुनावी धांधली के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। उन्होंने कहा, 'वे लॉकडाउन का सहारा भी ले सकते हैं, जैसा कि कोविड-19 महामारी के दौरान किया गया था। लेकिन हमें लड़ना आता है। अगर हम महामारी के दौरान लड़ पाए थे, तो हम अब भी लड़ पाएंगे।' उन्होंने पश्चिम बंगाल में होने वाले दो चरणों के विधानसभा चुनावों को 'कुरुक्षेत्र का महायुद्ध' भी बताया, जिसमें तृणमूल कांग्रेस पांडवों का और भाजपा कौरवों का प्रतिनिधित्व करती है।

एलपीजी बुकिंग के नियमों को लेकर केंद्र सरकार पर भी हमला बोला

कहा, 'कल मैंने सुना कि गैस बुकिंग की अवधि घटाकर 25 दिन कर दी गई है। मुझे नहीं पता कि यह सच है या नहीं; मुझे उन पर भरोसा नहीं है। आप 25 दिन से पहले बुकिंग नहीं कर सकते! अगर लोगों की गैस खत्म हो गई तो वे क्या करेंगे?'

'कुछ दिनों के लिए पेट्रोल पंप बंद कर दिए जाएंगे', लंबी कतारें देख उमर का सख्त एलान

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लोगों से पेट्रोल पंपों के बाहर डेरा डालना बंद करने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी है कि ऐसा न करने पर वे अगले कुछ दिनों के लिए सभी पेट्रोल पंप बंद कर देंगे।अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार की बात कोई नहीं सुनता। इसके बजाय, हर कोई अफवाहों पर विश्वास करता है। उन्होंने बताया कि हाल ही में हुई एक समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया था। बैठक में पाया गया कि डीजल, पेट्रोल या एलपीजी सिलिंडरों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने जोर दिया कि कुछ दिनों बाद भी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। कहीं भी उपयोग कम करने का कोई निर्देश नहीं दिया गया है। मुख्यमंत्री ने उन लोगों से अपील की है जो सोशल मीडिया अफवाहों के आधार पर कतार में लग रहे हैं। उन्होंने उनसे ऐसा न करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की बात पर ध्यान नहीं दिया जाता। लोग सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर अधिक भरोसा कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि तेल और गैस की कोई वास्तविक कमी नहीं है। यह जानकारी पिछली समीक्षा बैठक में भी सामने आई थी। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की।

संक्षिप्त समाचार

अमरावती को राजधानी का कानूनी दर्जा दिलाने के लिए प्रस्ताव को मंजूरी

•विधानसभा में होगी चर्चा

एजेंसी

अमरावती। आंध्र प्रदेश की कैबिनेट ने गुरुवार को एक अहम फैसला लेते हुए अमरावती को राज्य की राजधानी के रूप में कानूनी मान्यता (लीगल सैंक्टिटी) दिलाने के लिए प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह प्रस्ताव 28 मार्च को विधानसभा के विशेष सत्र में पेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में तय किया गया कि इस प्रस्ताव पर विधानसभा में करीब चार घंटे तक चर्चा कराई जाएगी। इस प्रस्ताव के जरिए केंद्र सरकार से आग्रह किया जाएगा कि आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 की धारा-5 में संशोधन कर अमरावती को आधिकारिक तौर पर राज्य की राजधानी घोषित किया जाए। कैबिनेट ने यह भी फैसला लिया है कि कैपिटल रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (सीआरडीए) एक्ट में 'न्यू स्टेट कैपिटल' की जगह 'अमरावती' शब्द जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू पहले ही केंद्र से अमरावती को कानूनी दर्जा देने की मांग कर चुके हैं। केंद्र सरकार ने राज्य से इस संबंध में विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर भेजने को कहा था, ताकि भविष्य में किसी भी तकनीकी या कानूनी जटिलता से बचा जा सके।

गैस संकट पर अखिलेश यादव का तंज 'एक कचौड़ी, एक समोसा

•अब गैस पर न रहा भरोसा'

एजेंसी

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एलपीजी संकट पर केंद्र सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने मजाकिए अंदाज में कहा कि 'एक कचौड़ी, एक समोसा, अब गैस पर न रहा भरोसा'। लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अखिलेश यादव ने एलपीजी को लापता गैस बताते हुए कहा कि भाजपा ने अपने हर फैसले में हमें सिर्फ लाइन दी है। लाइन के अलावा जनता को कुछ नहीं दिया और अब लोग पेट्रोल के लिए भी कतारों में लगे हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने एलपीजी संकट को लेकर कोई तैयारी नहीं की और अब 14 किलोग्राम वाले सिलेंडर में 10 किलोग्राम गैस मिल रही है। गैस संकट को लेकर अपनी तैयारियों के बारे में सपा प्रमुख ने कहा कि मैंने अपने घर में मिट्टी के दो चूल्हे मंगवा लिए हैं। अगर यह जंग आगे भी जारी रही तो हमें ऐसे ही खाना पकवाने के लिए काम करना होगा। भाजपा के लोगों ने एक आदमी को पकड़कर सिर्फ हमारी पार्टी पर आरोप लगाया, लेकिन जनता लाइन में परेशान हो रही है, उसके लिए कुछ नहीं किया। अखिलेश यादव ने सपा से निष्कासित विधायक पूजा पाल के सीएम योगी को धुरंधर कहे जाने पर कहा कि पूजा पाल योगी को समझ नहीं पाई हैं। वे तो धुरंधर से भी बड़े धुरंधर हैं। उन्होंने कहा कि ये फिल्म ये लोग इसलिए बनाते हैं क्योंकि इनको कोई फाइनेंस कर रहा है। फिल्म के किरदार काल्पनिक है, यह तो फिल्म की शुरुआत में ये लिखा भी होता है। ऐसे में फिल्म में दिखाई गई चीज सच कैसे हो सकती है।

यौन उत्पीड़न के चलते छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिरीक्षक निलंबित

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) रतन लाल डांगी पर आज सरकार ने कड़ी कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है । सोशल मीडिया पर रतनलाल डांगी के आपत्तिजनक फोटो वायरल होने पर गृह विभाग ने यह कार्रवाई की है। गृह विभाग द्वारा जारी आदेश में सेवा नियमों के उल्लंघन और पद की गरिमा के प्रतिकूल आचरण का उल्लेख किया गया है। आदेश में कहा गया है कि सोशल मीडिया में आपत्तिजनक फोटो वायरल होने से पुलिस विभाग की छवि पर नकारात्मक असर पड़ा है। इस आधार पर उनके खिलाफ अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियम 1968 के तहत कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। फिलहाल आईपीएस रतन लाल डांगी को निलंबित कर विभागीय जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आईजी रतन लाल डांगी पर आरोप है कि उन्होंने गरिमापूर्ण पद पर रहते हुए आचरण के अनुरूप प्रदर्शन नहीं किया।

•एलपीजी संकट पर बोले सीएम योगी

लाइन लगाने की जरूरत नहीं, घर पहुंचेगा गैस सिलेंडर

एजेंसी

गोरखपुर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की जनता को आश्वस्त करते हुए कहा कि रसोई गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी के बाहर लाइन लगाने की आवश्यकता नहीं है, निर्धारित समय पर बुकिंग कराएं, सिलेंडर आपके घर पहुंच जाएगा। इसी तरह आवश्यकता होने पर ही पेट्रोल-डीजल लेने जाएं, फिलिंग सेंटरों पर लाइन लगाने की कोई जरूरत नहीं है। कुछ लोग अफवाह फैला कर राज्य का माहौल खराब करना चाहते हैं, अव्यवस्था फैलाना चाह रहे हैं। लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। सीएम योगी ने गुरुवार को गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र (गीडा) में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि गल्फ वॉर के पहले अगर किसी के घर रसोई गैस का सिलेंडर एक महीने चलता था तो वह आज पांचवें या छठवें दिन ही सिलेंडर लेने क्यों पहुंच रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्धारित समय पर ही बुकिंग कराएं, आपकी बारी आने पर रसोई गैस आपके घर तक पहुंच जाएगी। सरकार ने सभी जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। जैसे पहले गैस सिलेंडरों की होम डिलीवरी होती थी, वैसे ही अब भी होगी। इसके लिए एजेंसी के बाहर लाइन लगाने की कोई जरूरत नहीं है। पेट्रोल-डीजल लेने तभी जाएं, जब आवश्यकता हो,

• जब आपत्ति या चुनौती आती है तो उसका मुकाबला करने के लिए हर व्यक्ति को सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना ।

लाइन लगाने की आवश्यकता नहीं है। कुछ लोगों द्वारा साजिश के तहत फैलाई जा रही अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर हम उतावलेपन में आकर किसी अफवाह या दुष्प्रचार के चक्कर में पड़ते हैं तो हमारी राष्ट्रभक्ति पर लोग संदेह करेंगे। हमको यह सतर्कता रखनी होगी। हमें अपने राष्ट्रीय नेतृत्व पर विश्वास रखकर धन्यवाद देना चाहिए कि भारत में सबकुछ अच्छा है। उत्साहपूर्वक उत्सव मनाए जा रहे हैं। नवरात्र के कार्यक्रम हो रहे हैं। शुक्रवार को रामनवमी है और 12 बजे रामजन्मभूमि पर सूर्य भगवान भी भगवान श्रीराम का राजतिलक करेंगे। उन्होंने कहा कि आज ईरान-अमेरिका/इजराइल युद्ध से पूरी दुनिया प्रभावित है। दुनिया में हाहाकार, अराजकता, अव्यवस्था है, लेकिन भारत के अंदर हम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बेखौफ व सुरक्षित हैं, विकास यात्रा को भी बढ़ा रहे हैं, लेकिन यह युद्ध लंबा खिंचा तो हर व्यक्ति प्रभावित होगा। हमको भी मानसिक रूप से तैयार होना होगा।

एक साथ टेक ऑफ और लैंडिंग की सुविधा वाला तीसरा होगा नोएडा एयरपोर्ट

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन का काउंट डाउन शुरू हो गया है। 28 मार्च को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे। उन्होंने ही 4 वर्ष पूर्व इसका शिलान्यास किया था। एयरपोर्ट निर्माण का पहला चरण पूरा होने के बाद यहां 3.9 किलोमीटर का रन वे बनकर तैयार है। इस विशाल रन वे पर विमान समानांतर रूप से एक साथ उड़ान भर सकेंगे और लैंडिंग भी कर सकेंगे। 45 मीटर चौड़ाई वाले रन वे में आईएलएस तकनीकी के अत्याधुनिक सिस्टम कैट थ्री का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे समानांतर उड़ानों में कोई परेशानी नहीं आएगी। यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के एसीईओ और एयरपोर्ट के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि देश में इस समय सिर्फ मुंबई और दिल्ली एयरपोर्ट पर ही समानांतर उड़ान की सुविधा है। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर चार रन वे हैं, जो एक साथ कई उड़ानें और लैंडिंग संभालने में सक्षम हैं।

श्रीराम जन्मभूमि स्थित सूर्य मन्दिर में हुआ ध्वजारोहण

•सूर्य मंदिर के शिखर पर संतों के द्वारा ध्वजारोहण किया गय

एजेंसी

अयोध्या। नवरात्रि की अष्टमी पर गुरुवार को श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर परिसर में स्थित सूर्य मन्दिर के शिखर पर विधि-विधान पूर्वक ध्वजारोहण किया गया। मन्दिर के प्रवेश द्वार से बाएं परकोटा के नैऋत्य कोण पर स्थित सूर्य मन्दिर के उन्नीस फिट सात इंच ऊंचे ध्वज दंड पर 9 फिट तीन इंच लंबाई (लहर) वाले ध्वज की चौड़ाई (लपेट) चार फिट सात इंच है। भगवा रंग की ध्वजा पर 'ऊं' अंकित किया गया है।

शानदार चार साल, भगवंत मान दे नाल: आप ने भगवंत मान सरकार की उपलब्धियों को पंजाब के हर घर तक पहुंचाया

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 26 मार्च। पंजाब में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार के चार साल पूरे होने के मौके पर पार्टी ने बुधवार को शानदार 4 साल, भगवंत मान दे नाल नाम से एक बड़ा राज्यव्यापी जनसंपर्क अभियान शुरू किया, जिसके जरिए सरकार अपने कामकाज का रिकॉर्ड सीधे गांवों और शहरी वार्डों में जाकर लोगों तक पहुंचा रही है। इस अभियान के तहत मंत्रियों, विधायकों और हलका प्रभारियों ने एक ही दिन में करीब 1,000 गांवों और वार्डों में पहुंचकर लोगों से संवाद किया और पंजाब सरकार की प्रमुख उपलब्धियों के बारे में बताया। इस अभियान में जनता की जबरदस्त भागीदारी देखी गई और लोगों ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह

मान के नेतृत्व में शासन और कल्याणकारी योजनाओं की डिलीवरी पर संतोष जताया। शाम चौरासी में लोगों से बातचीत करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने कहा, आज पंजाब के सरकारी स्कूलों की चर्चा पूरे देश में हो रही है। यहां तक कि भारत सरकार द्वारा कराए गए सर्वे में भी माना गया है कि पंजाब के स्कूल नंबर वन बन गए हैं।

शेष पृष्ठ 3 पर

रेल पटरी पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं पर लगेगी रोक!

•12 घंटे में बनेंगी पुलिया : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर में रेल पटरी पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए रेलवे अब मिशन मोड में काम करेगा। इस दिशा में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को नई दिल्ली में अधिकारियों के साथ एक कार्यशाला आयोजित कर व्यापक निर्देश जारी किए। रेल मंत्री ने कहा कि जहां रेलवे ट्रैक के एक ओर बस्ती और दूसरी ओर खेत, स्कूल, श्मशान या अन्य आवश्यक स्थान हैं, वहां लोगों की सुविधा के लिए विशेष प्रकार की रेल पुलियाएं (सबवे) बनाई जाएंगी। इन पुलियाओं का उद्देश्य आम लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन उपलब्ध कराना है। वैष्णव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुलियाओं का डिज़ाइन ऐसा हो जिससे लोग बिना हिचकिचाहट के

उनका उपयोग कर सकें। इनका निर्माण इस प्रकार किया जाएगा कि लोग साइकिल, मोटरसाइकिल और अन्य आवश्यक सामान के साथ आसानी से आ-जा सकें। यह पहल देश की बड़ी आबादी के लिए जीवनदायिनी साबित होगी। रेलवे की योजना के अनुसार पुलियाओं का ढांचा पहले से तैयार किया जाएगा और बाद में साइट पर लाकर स्थापित किया जाएगा। स्थापना के दौरान रेलवे ट्रैक पर 'ब्लॉक' लिया जाएगा, जिसके भीतर मात्र 12 घंटे में पटरी काटकर पुलिया फिट कर दी जाएगी और उसे उपयोग के लिए खोल दिया जाएगा। रेल मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि पुलियाओं का डिज़ाइन ऐसा हो जिससे जलभराव जैसी समस्याएं प्रभावित न करें। साथ ही यह व्यवस्था लंबे समय तक प्रभावी बनी रहे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अगले 5-6 वर्षों में इस समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

कांग्रेस समेत चार राष्ट्रीय दलों के कुल चंदे से 1000 फीसदी ज्यादा बीजेपी को मिला

•भाजपा और कांग्रेस एक बार फिर सबसे ज्यादा चंदा पाने वाले राष्ट्रीय दल रहे।

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 में देश के प्रमुख राजनीतिक दलों की चंदे से हुई कमाई के आंकड़े सामने आ चुके हैं। भाजपा एक बार फिर देश में सबसे ज्यादा चंदा पाने वाली पार्टी के तौर पर उभरी है। वहीं, दूसरा नंबर कांग्रेस का है। चौंकाने वाली बात यह है कि भारत के पहले नंबर के राजनीतिक दल और दूसरे नंबर के राजनीतिक दल के तरफ से जुटाए गए चंदे के बीच का दायरा करीब 12 गुना से ज्यादा है। यह आंकड़ा इसलिए भी आश्चर्य में

डालने वाला है, क्योंकि भाजपा के पास कांग्रेस के मुकाबले सिर्फ दोगुने दानकर्ता ही हैं। यानी साफ तौर पर भाजपा को मिलने वाला चंदा बड़ी राशियों का है। भाजपा और कांग्रेस के अलावा कई और पार्टियों ने भी 2024-25 में मिले दान की राशि का खुलासा किया है। नियमों के मुताबिक, राष्ट्रीय दलों को 20 हजार रुपये से अधिक के चंदे का रिकॉर्ड दिखाना होता है और यह पूरा रिकॉर्ड 30 सितंबर 2025 तक चुनाव आयोग के पास भेजना होता है।

2024-25 में अलग-अलग पार्टियों को कितना चंदा मिला?

सभी राष्ट्रीय राजनीतिक दलों को कुल मिलाकर 11,343 दानकर्ताओं की तरफ से 6648.563 करोड़ रुपये का चंदा मिला।

● **भारतीय जनता पार्टी (भाजपा):** देशभर में राजनीतिक दलों को जितना चंदा मिला, उसकी कुल राशि में 91 फीसदी से ज्यादा भाजपा को ही मिली। भाजपा ने 2024-25 के लिए 6074.015 करोड़ रुपये का दान दिखाया है। उसे यह दान 5522 दानदाताओं के जरिए मिला। यह राशि भाजपा के बाद चंदा जुटाने वाले चार राष्ट्रीय दलों को मिले कुल चंदे से 10 गुना से भी अधिक है।

● **कांग्रेस:** कांग्रेस ने अपना दान 517.394 करोड़ रुपये दिखाया है, जो कि उसे 2501 दानकर्ताओं से मिला है। कांग्रेस को मिली यह राशि भाजपा के मुकाबले करीब 1000 प्रतिशत कम है।

आम आदमी पार्टी (आप): आप ने 2024-25 के लिए अपनी दान की राशि 38.106 करोड़ रुपये दर्शायी है, जो कि उसे 2554 दानकर्ताओं की तरफ से मिली।

● **मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा):** माकपा को 2024-25 में 16.957 करोड़ रुपये का दान मिला, जो कि 741 दानदाताओं से जुटाया गया।

● **नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी):** पूर्वोत्तर की इस प्रमुख पार्टी ने अपना दान 2.091 करोड़ रुपये दिखाया है, जो कि उसे 25 दानकर्ताओं से मिला।

● **बहुजन समाज पार्टी (बसपा):** जिन दलों को चंदा मिला है, उनमें एक चौंकाने वाला आंकड़ा बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का है। पार्टी ने पिछले 19 साल की तरह इस बार भी यही दर्शाया है कि पार्टी को 20,000 रुपये से अधिक का कोई चंदा प्राप्त नहीं हुआ है। चुनाव आयोग को दिए गए आंकड़े में पार्टी ने 20 हजार रुपये से ज्यादा के दान को शून्य दिखाया है।

चार्ली चैपलिन की अपील : युद्ध ख़त्म करो शांति के मार्ग पर चलो

-नो वार की तख्ती और गुलाब का फूल लेकर लोगों में उत्साह जगा रहें

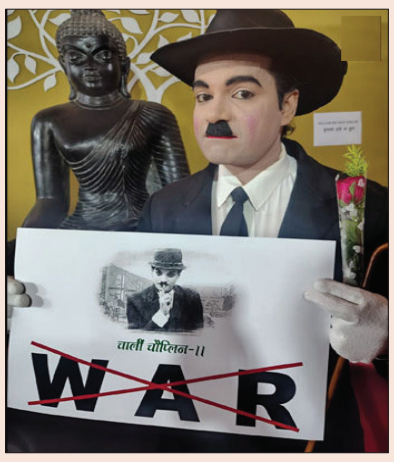

पटना (बिहार) (एजेंसी)। चार्ली चैपलिन द्वितीय हीरो राजन कुमार ने ईरान-इजरायल-अमेरिका के बीच युद्ध को रोकने की अपील की हैं। वह पटना में भगवान बुद्ध की मूर्ति के सामने खड़े होकर लोगों की समस्या को देखते हुए युद्ध को तत्काल रोकने का निवेदन कर रहे हैं ।हीरो राजन कुमार एक कलाकार के साथ - साथ एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं ।वह सदैव सामाजिक मुद्दों पर जनहित में आवाज उठाते हैं। दुनियाभर में युद्ध के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं,जिसमें 1000 से ज्यादा शहरों में प्रदर्शन हो चुके हैं। लंदन में 30,000 से ज्यादा लोगों ने सड़कों पर उतरकर युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन किया, जबकि मैड्रिड, एथेंस, एम्स्टर्डम, एडिनबर्ग, मॉन्ट्रियल, जर्मनी और ऑस्ट्रिया में भी विरोध प्रदर्शन तेज हुए हैं। चार्ली चैपलिन द्वितीय का युद्ध ख़त्म करने को लेकर अपील का अंदाज़ हाथ में नो वार की तख्ती और गुलाब का फूल लेकर लोगों में उत्साह जगा रहें हैं।

नाबालिगों के यौन शोषण मामले में फंसे बीजेपी नेता के बेटे के खिलाफ जांच तेज

-गोवा के डीजीपी ने क्राइम ब्रांच को सौंपा मामला, बोले- निष्पक्षता से होगी जांच

पणजी (एजेंसी)। गोवा पुलिस ने नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के गंभीर आरोपों में फंसे बीजेपी पार्षद के बेटे सोहम नाइक के खिलाफ अपनी जांच तेज कर दी है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अब यह मामला क्राइम ब्रांच को सौंपा गया है। गोवा के डीजीपी ने जनता और पीड़ित परिवारों को आश्वासन दिया है कि पुलिस बिना किसी दबाव के निष्पक्षता से काम कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीजीपी ने कहा कि इस मामले को क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर करने के पीछे ठोस कारण हैं। यह मामला अत्यंत संवेदनशील है और इसमें कई कड़ियों को जोड़ने के लिए गहराई से तफ्तीश की जरूरत है। स्थानीय थानों पर कानून-व्यवस्था का भारी बोझ होता है, जबकि क्राइम ब्रांच का मुख्य ध्यान केवल जांच पर केंद्रित रहता है। जटिल आपराधिक मामलों को सुलझाने के लिए क्राइम ब्रांच के पास विशेषज्ञता और ज्यादा समय उपलब्ध होता है। आरोपी के राजनीतिक रसूख को लेकर उठ रहे सवालों पर डीजीपी ने भरोसा दिलाया कि गोवा पुलिस तेजी से और निष्पक्ष जांच कर रही है। किसी के मन में कोई शक नहीं होना चाहिए। अगर कोई बड़ा डेवलपमेंट होता है, तो इसकी जानकारी दी जाएगी। फिलहाल सोहम नाइक पुलिस की गिरफ्त में है और क्राइम ब्रांच उन सभी नाबालिगों से जुड़े सबूत जुटा रही है जिनका शोषण किए जाने का आरोप है। पुलिस इस मामले में किसी भी बड़े नेटवर्क या अन्य संदिग्धों की संलिप्तता की भी जांच कर रही है।

अलग-अलग जगह से 30 लाख से ज्यादा का नशा पकड़ा, राजस्थान में 5 बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) नशे के खिलाफ एक बड़े अभियान के तहत एक ही दिन में प्रदेश के विभिन्न जिलों में पांच बड़ी कार्रवाई कर करीब 30 लाख 32 हजार रुपये के मादक पदार्थ जब्त किए। इस ऑपरेशन में कुल 4 किलो अफीम, 15 किलो गांजा और 18 किलो डोडा पोस्त बरामद किया। यह अभियान एडीजी दिनेश एमएन के मार्गदर्शन और आईजी विकास कुमार के नेतृत्व में चलाया गया। भीलवाड़ा के मांडल क्षेत्र में पुलिस ने चित्तौड़गढ़ निवासी मुकेश कुमार ढोली को 2.058 किलो अवैध अफीम के साथ गिरफ्तार किया, जो जयपुर सप्लाई करने की तैयारी में था। श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ इलाके में माणकसर ओवरब्रिज के पास योगेश कुमार अरोड़ा को 1.062 किलो अफीम और 15.04 किलो डोडा पोस्त के साथ पकड़ा गया। बाड़मेर के धनाऊ में 'श्री बजरंग बली एंटरप्राइजेज' नामक किराना दुकान से अवैध नशे का कारोबार करने वाले देराजराम जाट को बोगस ग्राहक के जरिए 690 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया गया। बारां में बीना-कोटा पैसेंजर ट्रेन से नशा ला रहे मलखान माली को रेलवे स्टेशन पर 15.282 किलो गांजे के साथ पकड़ा गया। हनुमानगढ़ के टिब्बी थाना क्षेत्र में मलखेड़ा गांव के पास एक क्रेटा कार से प्रशिक्षित स्निफर डॉग की मदद से 2.600 किलो डोडा पोस्त बरामद किया।

कोलकाता में पार्टी के दौरान दो गुटों में जबरदस्त फायरिंग, टीएमसी समर्थक ने तोड़ा दम

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में एक पार्टी के दौरान हुई हिंसक घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी। कोलकाता के वार्ड नंबर 101 में दो गुटों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि गोलाबारी शुरू हो गई। इस घटना में 36 वर्षीय राहुल दे की मौत हो गई, जबकि जीत मुखर्जी गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार, यह घटना रात करीब 12:30 बजे की है, जब एक इमारत की छत पर पार्टी चल रही थी। बताया गया कि जीत मुखर्जी ने अपने घर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसमें राहुल को भी आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद कुछ लोग छत पर बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान अचानक विवाद शुरू हुआ और देखते ही देखते फायरिंग हो गई। मौके से कई खाली कारतूस बरामद किए गए हैं, जिससे साफ है कि कई राउंड गोलियां चलाई गईं। प्राथमिक जांच में यह सामने आया है कि विवाद पैसों के बंटवारे को लेकर हुआ हो सकता है। घटना के बाद वहां मौजूद अन्य लोग डरकर भाग गए। पड़ोसियों ने गोली चलने की आवाज सुनकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस जब मौके पर पहुंची, तब तक राहुल और जीत दोनों घायल अवस्था में पड़े थे।

दुनिया के सबसे लोक्रपिय नेता बने पीएम मोदी, बीजेपी का तंज... कांग्रेस को इस बात से तकलीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व के सबसे लोकप्रिय लोकतांत्रिक नेता के रूप में शीर्ष पायदान पर कायम है। हाल ही में मॉर्निंग कंसल्ट द्वारा कराए गए वैश्विक सर्वेक्षण में उन्हें 68 प्रतिशत अनुमोदन रेटिंग प्राप्त हुई है, जो उनके निरंतर घरेलू समर्थन और बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मान्यता को दिखाता है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह भारत के लिए अत्यंत गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता बने हुए हैं। यह उनकी विश्वसनीयता को दिखाता है। यह भारत और पूरी दुनिया के लोगों के उनके नेतृत्व में विश्वास को दिखाता हैज.....प्रधानमंत्री मोदी, जो भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले राष्ट्राध्यक्ष भी हैं, सत्ता समर्थक रुख, लोकप्रियता, निर्भरता और विश्वसनीयता का प्रतीक हैं।

बीजेपी प्रवक्ता पूनावाला ने भारत की वैश्विक उपलब्धियों पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया की आलोचना कर कहा कि लेकिन दूसरी ओर, जब भी भारत को कोई वैश्विक पहचान मिलती है, तब कांग्रेस पार्टी को तकलीफ होती और वहां निराशावाद फैलाना शुरु कर देती है। यह ग्लोबल रेटिंग कांग्रेस के पूरे दावे को ध्वस्त करती है। कांग्रेस कहती है कि पीएम मोदी तानाशाह हैं, लेकिन वे सिर्फ चुनाव जीत रहे हैं और उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। 2 से 8 मार्च, 2026 के बीच एकत्रित की गई ये रेटिंग ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग ट्रैकर का हिस्सा हैं और प्रत्येक सर्वेक्षण किए गए देश में वयस्कों की राय का सात-दिवसीय मूविंग औसत को दिखाती हैं। सर्वेक्षण में पीएम मोदी को अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के नेताओं से काफी आगे दिखाया गया है। स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय पार्मेलिन और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्यंग 62 प्रतिशत अनुमोदन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। तुलनात्मक रूप से, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रेटिंग 39 प्रतिशत है, जबकि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की रेटिंग 24 प्रतिशत है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन सर्वेक्षण में शामिल नेताओं में सबसे निचले स्थान पर हैं, उनकी अनुमोदन रेटिंग 17 प्रतिशत और अस्वीकृति रेटिंग 75 प्रतिशत है।

मैंने राम मंदिर का कभी विरोध नहीं किया, निर्माण के लिए दान भी दिया

अयोध्या पहुंचे दिग्विजय सिंह हनुमान गढ़ी और राम मंदिर में किए दर्शन

अयोध्या (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह गुरुवार को अयोध्या पहुंचे। दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर में पूजा-अर्चना की और कहा कि उन्होंने मंदिर निर्माण का कभी विरोध नहीं किया, बल्कि इसके विपरीत मंदिर ट्रस्ट को दान भी दिया। दिग्विजय सिंह गुरुवार को अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचे और वहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि राम नवमी के शुभ अवसर पर मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूं। भगवान राम का आशीर्वाद सभी पर बना रहे। राहुल गांधी के अयोध्या दौरे से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से इसके बारे में पूछिए, उन्हें इस पर कोई आपत्ति नहीं है। इसके बाद दिग्विजय सिंह ने हनुमान गढ़ी और राम मंदिर में दर्शन किए। बता दें कांग्रेस पार्टी ने जनवरी 2024 में हुए प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण ठुकरा दिया था, जिसे उसने चुनावी हितों से प्रेरित एक राजनीतिक कदम बताया था। पार्टी ने यह भी कहा था कि उस समय मंदिर का निर्माण कार्य अधूरा था और यह आयोजन पूरी तरह से धार्मिक न रहकर एक पक्षपातपूर्ण रूप ले चुका था। इस मुद्दे पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए दिग्विजय सिंह ने अपनी निजी राय स्पष्ट करते हुए कहा कि मैंने इसका कभी विरोध नहीं किया। मैंने दान के माध्यम से अपना योगदान दिया। मैं यहां राजनीति करने नहीं आया हूं। दिग्विजय सिंह के अयोध्या दौरे पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज है। बीजेपी ने उनकी आलोचना करते हुए कहा कि राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए कांग्रेस नेतृत्व को पहले भी आमंत्रित किया गया था, लेकिन उन्होंने उसमें शामिल न होने का फैसला किया था। भोपाल से बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने तंज कसते हुए कहा कि मैं उनसे अनुरोध करूंगा कि राम मंदिर की अपनी यात्रा के दौरान वे कृपया उन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करें, जिन्होंने 1992 में गोलियां खाई थीं। अगर देश के राजनीतिक नेतृत्व ने इस सच्चाई को पहले ही समझ लिया होता, तो अयोध्या में राम मंदिर कई साल पहले ही बन गया होता।

बंगाल में न्यायिक जांच 32 लाख मामले निपटाए, 13 लाख नाम और हटाए

-अब तक 76 लाख वोटर्स के नाम कटे, चुनाव आयोग ने दिया नया आंकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारी ने कोलकाता में बताया कि अब तक कुल 76 लाख से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं। पहले एसआईआर यानी मतदाता सूची जांच के दौरान 58 लाख नाम हटाए गए। इससे राज्य के कुल वोटर 7.66 करोड़ से घटकर 7.08 करोड़ रह गए। अब जो नाम अंडर एडजुडिकेशन यानी न्यायिक जांच में थे। उनमें से 32 लाख मामले निपटाए गए हैं। इनमें से 40 फीसदी यानी करीब 13 लाख नाम और हटाए जा रहे हैं। दोनों मिलाकर कुल 76 लाख के करीब नाम लिस्ट से हटाए जा चुके हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभी भी 28 लाख मामले बाकी हैं। राज्य में 705 न्यायिक अधिकारी इन मामलों को निपटाने में लगे हैं। चुनाव आयोग ने सोमवार को पहली सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी की थी, जिसमें 10 लाख नाम अपलोड किए गए, लेकिन आयोग ने यह नहीं बताया कि इनमें से कितने हटाए गए जिस पर कई लोगों ने नाराजगी जताई। अगली लिस्ट हर शुक्रवार को जारी होगी। 29 लाख मामले हटाए गए थे लेकिन उनमें से सिर्फ एक तिहाई ही पहली लिस्ट में आ सके। वजह न्यायिक अधिकारियों की ई-साइन यानी डिजिटल हस्ताक्षर की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी। बाकी नाम धीरे-धीरे जारी किए जाएंगे।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कलकत्ता हाईकोर्ट में अपील की है कि उन्हें हर रोज सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी करने की इजाजत दी जाए, लेकिन कोर्ट ने कहा कि इस मामले की सुनवाई 27 मार्च के बाद होगी। 76 लाख नाम हटाना यह बहुत बड़ा आंकड़ा है। सीएम ममता बनर्जी पहले ही इसे लेकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर हमलावर हैं। आरोप है कि यह एक खास समुदाय के वोट काटने की कोशिश है। चुनाव आयोग का कहना है कि मृत, पलायन किए, डुप्लीकेट और न मिलने वाले लोगों के नाम हटाए गए हैं।

इजराइल से संबंध के आरोप पर जयशंकर का जबाव... भारत अब किसी बाहरी दबाव में नहीं झुकता

इजराइल रणनीतिक और तकनीकी सहयोग में अग्रणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की विदेश नीति ने हाल ही में एक नया आयाम प्राप्त किया है। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सर्वदलीय बैठक में बेबाकी और ठोस अंदाज में बताया कि भारत अब किसी बाहरी दबाव में नहीं झुकता और अपने राष्ट्रीय हितों के लिए हर मोर्चे पर संतुलित और आक्रामक रणनीति रखता है। उन्होंने कहा कि इजराइल ने भारत को सैन्य संघर्षों में महत्वपूर्ण मदद दी और रक्षा प्रौद्योगिकी में भरोसेमंद साझेदार साबित हुआ। यह बयान पहले छुपी हुई कूटनीतिक हकीकत को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने जैसा था। बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर ने बताया कि अमेरिका भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार और उच्च तकनीक का स्रोत है, जबकि इजराइल रणनीतिक और तकनीकी सहयोग में अग्रणी है। विपक्ष द्वारा अमेरिका और इजराइल के साथ भारत की नजदीकियों पर सवाल उठने के बावजूद, जयशंकर ने इन सवालों का जवाब तथ्यों के साथ दिया। जयशंकर ने बैठक को संबोधित कर कहा कि भारत ने कई मोर्चों पर अपनी ताकत दिखाई है। इजराइल के साथ मजबूत रक्षा संबंधों के साथ ही भारत ने ईरान के साथ भी संतुलित और स्थिर संबंध बनाए रखे। होर्मुज जलडमरूमध्य से चार भारतीय जहाजों को सुरक्षित गुजरने की अनुमति देने जैसे कदम भारत की सामरिक स्थिति की मजबूती को दिखाते हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता के निधन पर भारत ने समय पर शोक संवेदना व्यक्त कर यह संदेश दिया कि वह किसी एक पक्ष के साथ खड़ा नहीं होता।

साथ ही, खाड़ी देशों में रहने वाले अस्सी लाख भारतीयों की सुरक्षा को प्राथमिकता देकर भारत ने संतुलन बनाए रखा। ईरानी ड्रोन और मिसाइल हमलों के बीच न ईरान से दूरी बनाई और न ही खाड़ी देशों की अनदेखी की। कोच्चि बंदरगाह पर ईरानी नौसैनिक जहाज को सुरक्षित ठिकाना देने से भारत की समुद्री रणनीति और निर्णायक भूमिका भी उजागर हुई। अब भारत की यह रणनीति वैश्विक मंच पर और स्पष्ट होगी। जयशंकर जी-7 देशों की विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने फ्रांस गए हैं, जहां भारत न केवल अपनी बात रखेगा, बल्कि द्विपक्षीय वार्ता के जरिए नए समीकरण भी बनाएगा। रणनीतिक दृष्टि से भारत ने अमेरिका, इजराइल और ईरान जैसे तीन बड़े शक्ति केंद्रों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखकर यह दिखाया कि वह वैश्विक राजनीति में अपनी रणनीति समझदारी से लागू करने में सक्षम है। भारत अब वैश्विक एजेंडा तय करने वाला देश बन चुका है। वह अपने हितों को सर्वोपरि रखता है, अपनी शर्तों पर संबंध बनाता है और जरूरत पड़ने पर हर मोर्चे पर सख्त रुख अपनाता है। नया भारत न तो दबाव में आता है, न भ्रम में पड़ता है। यह देश वैश्विक राजनीति के शतरंज पर हर चाल सोच-समझकर चलाता है और हर बार खेल को अपने पक्ष में मोड़ देता है।

सिख समुदाय के खिलाफ बड़े पैमाने पर हिंसा, एक तरह से नरसंहार जैसा

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1984 दंगे से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए की सख्त टिप्पणी

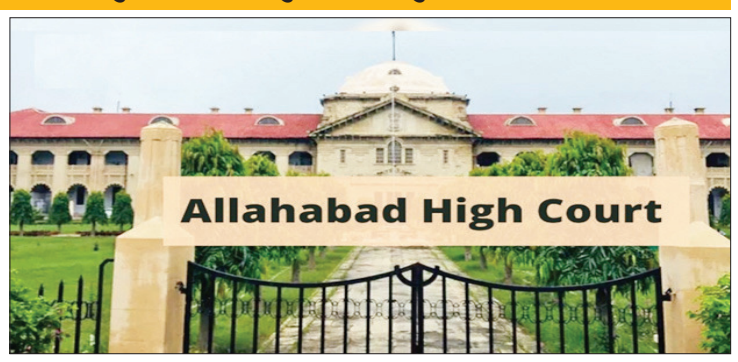

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1984 कानपुर सिख विरोधी दंगे से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए सख्त टिप्पणी की है। सिख विरोधी दंगे से जुड़े मामलों को रद्द करने वाली याचिकाओं को खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने इसे भीषण नरसंहार बताते हुए आपराधिक कार्यवाही जारी रखने का आदेश दिया है। जस्टिस अनिश कुमार गुप्ता की सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने 9 आरोपियों द्वारा दायर 7 याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि केवल देरी या मूल रिकॉर्ड के अभाव के आधार पर मुकदमा खत्म नहीं किया जा सकता।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रदीप अग्रवाल व अन्य की तरफ से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। याचिका दाखिल कर चार्जशीट एवं सीजेएम कानपुर नगर की कोर्ट में चल रही आपराधिक केस कार्यवाही को रद्द करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने कहा कि यह घटनाएं देशभर में पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सिख समुदाय के खिलाफ बड़े पैमाने पर हुई हिंसा का हिस्सा थीं, जो एक तरह से नरसंहार जैसा था। आरोपियों ने दलील दी थी कि मूल दस्तावेज जैसे एफआईआर, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आदि उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए निष्पक्ष विचारण संभव नहीं है। साथ ही उन्होंने गवाहों के बयान में देरी और पहचान पर भी सवाल उठाए थे।

कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही इन मामलों की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच दल गठित किया जा चुका है और फिर जांच के आदेश दिए, भले ही मूल रिकॉर्ड उपलब्ध न हों। प्रदेश सरकार की ओर से कहा गया कि उस समय जल्दबाजी में अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर आरोपियों को बचाने की कोशिश की गई। कोर्ट ने भी माना कि कई रिकॉर्ड नष्ट हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद गवाहों के स्पष्ट बयान और पुनर्निर्मित एफआईआर के आधार पर मामला बनता है।

कोर्ट ने कहा कि गवाहों ने आरोपियों की पहचान की है और घटनाओं का विस्तृत विवरण दिया है, जिससे प्रथम दृष्टया मामला बनता है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इतने गंभीर मामलों में केवल समय बीत जाने के आधार पर कार्यवाही खत्म नहीं की जा सकती। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व फैसलों का भी हवाला दिया गया साथ ही एक आरोपी द्वारा कहा गया कि घटना स्थल पर मौजूद न होने के तर्क को अदालत ने ट्रायल के दौरान साबित करने योग्य बताया। हाईकोर्ट ने कहा कि इस आधार पर मामला खत्म नहीं किया जा सकता है। हाइकोर्ट ने सभी याचिकाएं खारिज कर दीं और ट्रायल कोर्ट में चल रही कार्यवाही को जारी रखने का रास्ता साफ कर दिया।

शांति के लिए पहल नहीं कर रहा भारत... केंद्र के इस रुख से दुखी हुए कांग्रेस नेता शशि थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को सुलझाने के प्रयासों में पाकिस्तान की भूमिका पर निराशा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भारत को, अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा और दोनों पक्षों से संबंधों को देखकर कूटनीतिक नेतृत्व करना चाहिए था। अमेरिका और ईरान के बीच गुप्त मध्यस्थता के प्रयासों में पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र की भूमिका की खबरों पर प्रतिक्रिया देकर थरूर ने कहा कि उन्होंने पहले भारतीय सरकार के सतर्क रुख का समर्थन किया था, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि नई दिल्ली एक रचनात्मक शांति पहल करेगा। थरूर ने कहा कि मुझे यह कहते हुए खेद हो रहा है कि फिलहाल हालात अच्छे नहीं हैं। यह हम सभी के लिए थोड़ा शर्मनाक है.....मैंने ईरान युद्ध पर मोदी सरकार के संयम और चुप्पी का समर्थन इसकारण किया था क्योंकि मुझे उम्मीद थी कि केंद्र सरकार इसका इस्तेमाल शांति स्थापित करने के लिए करेगी और शांति की अगुवाई करेगी, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि भारत को करना चाहिए। उन्होंने कहा कि

मौजूदा परिणाम उन उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं।

कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि उन्होंने भारत से बार-बार आग्रह किया था कि वह अपनी राजनयिक सद्भावना का उपयोग कर संबंधित देशों के बीच सार्थक बातचीत को बढ़ावा दे। उन्होंने जोर दिया कि नई दिल्ली के संतुलित संबंध उस शांति पहल शुरू करने में एक अनूठा लाभ दे सकते थे। उन्होंने कहा कि देखिए, अगर पाकिस्तान में शांति वार्ता होती है,तब भारत का इससे कोई लेना-देना नहीं है। मैं करीब तीन सप्ताह से भारत से आग्रह कर रहा हूं कि वे दोनों पक्षों के साथ अपने अच्छे संबंधों का लाभ उठाकर शांति पहल में अग्रणी भूमिका निभाए। अब, जाहिर तौर पर, पाकिस्तान, मिस्र और तुर्की ने ऐसा कर दिया है। उन्हें शुभकामनाएं, हम सभी शांति चाहते हैं। लेकिन जब पाकिस्तान शांति वार्ता कर रहा है, तब भारत को कोई श्रेय नहीं मिल रहा है। थरूर की ये टिप्पणियां केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक के संदर्भ में आईं, जहां मोदी सरकार ने विपक्षी नेताओं को आश्वस्त किया कि पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत समान स्थिति में बना हुआ है।

ईरान और इजराइल-अमेरिका युद्ध खत्म होते ही शुरु होगा असली संकट !

-होर्मुज पर टोल सिस्टम करेगा लागू, भारत भी आ सकता है इसकी चपेट में

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजराइल-अमेरिका के युद्ध ने अभी तक जो नुकसान कराया, वह तो सिर्फ एक झलक थी। असली संकट तो अब शुरू हुआ है, क्योंकि अभी तक जो काम फ्री में हो जाता था, उसके लिए ईरान ने करोड़ों रुपये वसूलने शुरू कर दिए हैं। इसका असर दुनिया के तमाम देशों पर पड़ेगा और इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि भारत भी इसकी चपेट में आ सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध के दौरान ईरान ने जितना नुकसान मिसाइलें दागकर नहीं किया, उससे ज्यादा चपत होर्मुज जलडमरूमध्य का रास्ता बंद करके लगा दी है। यही वह वजह है, जिसने भारत समेत दुनियाभर को भारी नुकसान पहुंचाया। अब खबर है कि ईरान भले ही युद्ध खत्म होने के बाद इस रास्ते को खोल देगा लेकिन यहां से गुजरने वाले जहाजों से वह करोड़ों रुपए की फीस वसूलेगा। ईरान ने एक तरह से यहां टोल सिस्टम लागू कर दिया है, क्योंकि अब उसने हर कॉमर्शियल जहाज से फीस वसूलना शुरू कर दिया है।

ईरान के होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया का 20 फीसदी से ज्यादा तेल गुजरता है। भारत तो इस रास्ते से अपना आधे से भी ज्यादा तेज व गैस खरीदता है। अगर ईरान ने हमें छूट न दी तो निश्चित रूप से हमारे लिए भी तेल खरीदना और महंगा होने वाला है। मामले से जुड़े सूत्रों का कहना है कि ईरान ने फिलहाल हर जहाज के गुजरने पर 20 लाख डॉलर यानी करीब 18 करोड़ रुपए फीस वसूलना शुरू कर दिया है। कुछ जहाजों ने तो यह कीमत चुकाई भी है, जिससे होर्मुज पर अब एक तरह से टोल जैसा माहौल बन गया है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान यह भुगतान किस सिस्टम और करेंसी में वसूल रहा है।

ईरान यह कदम साफ बताता है कि युद्ध के बाद उसकी ताकत और बढ़ गई है। दूसरे शब्दों में कहें तो ईरान ने युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई दुनिया से करने की ठान ली है, जो दिखाता है कि होर्मुज पर उसका कितना प्रभाव है। इस रास्ते से सिर्फ तेल और गैस ही नहीं आता, बल्कि खाने-पीने के सामान और मेटल समेत अन्य कमोडिटी भी बड़ी मात्रा में गुजरती है। सूत्रों का कहना है कि फिलहाल होर्मुज पर यह टोल भुगतान चुपचाप किए जा रहे हैं और कोई भी इसके बारे में खुलकर बात नहीं कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान अभी इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों से केस बाई केस के आधार पर फीस वसूल रहा है, लेकिन युद्ध के बाद होने वाले समझौते में उसने होर्मुज पर टोल वसूलने की बात को लेकर शर्त के रूप में पेश करने का विचार भी जताया है। पिछले दिनों ईरान की संसद में भी एक प्रस्ताव दिया गया था कि होर्मुज से अन्य देशों के जहाजों को सुरक्षित गुजरने देने के लिए ईरान अनिवार्य रूप से ट्रांजिट शुल्क

वसूल सकता है। इसका सबसे ज्यादा असर खाड़ी देशों के तेल व गैस उत्पादों पर दिखेगा साथ ही यूरोप तक सामान की आवाजाही महंगी हो सकती है।

माता प्रीत मोहिनी कौर को हजारों संगतों की ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अनेक प्रमुख हस्तियों ने शोक संदेश भेजे

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 26 मार्च। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका की माता जी, माता प्रीतम मोहिनी कौर की अंतिम अरदास एवं श्रद्धांजलि समारोह गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब परिसर के भाई लख्खी शाह वंजारा हॉल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अनेक प्रमुख हस्तियों ने शोक संदेश भेजे, जबकि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, उनके कैबिनेट के सहयोगी मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा तथा अन्य मंत्री और देश-विदेश से हजारों लोग उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि माता सरदारनी प्रीत मोहिनी कौर द्वारा दी गई शिक्षाओं के कारण ही आज सरदार हरमीत सिंह कालका और उनका पूरा परिवार समाज में प्रतिष्ठित स्थान हासिल कर पाया है। उन्होंने कहा कि माता जी की शिक्षाओं के कारण परिवार में विनम्रता, सादगी और सभी के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करने के गुण विकसित हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी माताएं बहुत विरली होती हैं, जो परमात्मा से इतनी गहराई से जुड़ी होती हैं और अपने परिवार को भी उसी भक्ति से जोड़े रखती हैं। इस मौके पर मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि उनके हरमीत सिंह कालका के परिवार से घनिष्ठ संबंध हैं और वे स्वयं को भाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें अक्सर माता जी के दर्शन करने और उनसे सीखने का अवसर मिलता रहा। उन्होंने कहा कि यह माता जी का ही आशीर्वाद है कि आज हजारों लोग कालका परिवार के साथ एकजुटता प्रकट करने के लिए एकत्र हुए हैं। इस अवसर पर डेरा ब्यास के प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों सहित अन्य हस्तियों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों ने किया और अरदास गुरुद्वारा बंगला साहिब के हेड ग्रंथी ज्ञानी रणजीत सिंह ने की। विभिन्न संप्रदायों और संस्थाओं की ओर से परिवार को दस्तारें भी भेंट की गईं। इस अवसर पर संत समाज और विभिन्न संगठनों से जुड़े अनेक प्रमुख व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों, हरजिंदर सिंह धामी, बाबा अमर सिंह, बाबा जीत सिंह, बाबा बचन सिंह, बाबा प्रीतम सिंह, बाबा राजिंदर सिंह, बाबा अवतार सिंह, बाबा दिलबाग सिंह, बाबा बलबीर सिंह, बाबा बलजीत सिंह दादूवाल, प्रो. प्रेम सिंह चंदूमाजरा, तरुण चुघ, डॉ. उदित राज, डॉ. अरविंदर सिंह लवली, डॉ. जगजीत सिंह दरदी, विक्रमजीत सिंह साहनी सहित कई अन्य गणमान्य लोग शामिल थे।

गैस ब्लैक की उठी अफवाह फैलाने वालो को और काला बाजारी करने वालों पर सख्त कारवाई हो: चरणजीव मल्होत्रा

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। प्रमुख समाज सेवी गऊमाता सेवक एवं करोना योद्धा चरणजीव मल्होत्रा ने कहा कि नरेन्द्र मोदी आज विश्व के चमकते सितारे है पूरे विश्व में मोदी को मान-सम्मान से बुलाया जाता है और गैस सप्लाई को लेकर प्रमुख समाजसेवी चरणजीव मल्होत्रा ने कहा कि मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के कारण पूरे विश्व में यह समस्या आ रही है इसलिए सरकार ने यह निर्णय लिया है कि एलपीजी के स्थान पर पीएनजी के डीएक्सेलेशन उपयोग में लाए, उन्होंने कहा कि करोनाकाल में भी विपक्ष दुष्प्रचार करता रहा परन्तु भारत ने ब्राजील, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों से लेकर नेपाल और बग्लादेश तक सत्तर से अधिक देशों को कोवि? की वैक्सीन भेजी और वैक्सीन डिप्लोमेसी का एक नया आध्याय शुरू किया आज तीसरी दुनिया के देश से बदलकर भारत की तस्वीर अगर एक शक्तिशाली देश के रूप में उभरी है तो मानना होगा कि भारत की %वसुधैवकुटुम्बकम्% परम्परा का इससे ब?ा योगदान रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों पर फंसे भारतीयों नौसेना के जवानों के फंसे होने पर चिंता जताई थी आगे पीएम ने कहा कि तेल-गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए %मेड इन इंडिया' जहाजों और भंडारण की मजबूती का रोडमैप पेश करते हुए राज्य सरकारों को जमाखोरी रोकने का निर्देश दिया है। साथ ही पीएम ने डायलॉग और डिप्लोमेसी से शांति स्थापित करने का संदेश दिया और देश में ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति का भरोसा दिलाया है। करोनाकाल में विश्व में त्राहि-त्राहि मची हुई थी ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मादी ने देश की जनता को एकसूत्र में बांधे रखा, वेद, मन्त्रों के हिसाब से एक समय आया करोनाकाल में मोदी जी के कहने पर पूरे देश की जनता ने थाली बजाई और ताली बजाई और मोदी जी की बात का असर देख देश की जनता पर ब? से ब? देशों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रशंसा की मोदी जी ने करोनाकाल में गरीबों के प्रति फ्री राशन दिया तो कहीं पका हुआ भोजन उपलब्ध कराया गया ऐसी भयंकर स्थिति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में किसी बात कि कमी नहीं आने दी आज मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के कारण पूरे देश में गैस की सप्लाई पर विश्व स्तर पर आ रही समस्या से निजात पाने के लिए सहयोग की भावना से कार्य करना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा लोगों को पीएनजी से जो?ने लिए प्रेरित करना चाहिए और उन्होंने कहा कि सोलर चूल्हा, इलेक्ट्रानिक प्लेट व चूल्हा आदि वैकल्पिक उपयोग के तौर पर इस्तेमाल करना चाहिए और प्रमुख समाजसेवी चरणजीव मल्होत्रा ने पुरजोर मांग की गैस ब्लैक की उठी अफवाह फैलाने वालो को और काला बाजारी करने वालों पर सख्त कारवाई हो।

पिछले साल बंद कर दिया था फुटओवर ब्रिज, फिर भी होता रहा इस्तेमाल; हादसे से कुछ देर पहले गुजरे थे बच्चे

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के रूप नगर इलाके में मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। नजफगढ़ ड्रेन (नाले) पर बना 33 साल पुराना लोहे का पुल अचानक भरभराकर गिर गया। पुल गिरते ही उसके बीचों-बीच उस पर बैठी 60 साल की एक बुजुर्ग महिला नाले में जा गिरी। लोगों ने आनन-फानन में मामले की सूचना पुलिस व रेस्क्यू टीम को दी। खबर मिलते ही पुलिस के अलावा दमकल विभाग, एनडीआरएफ, बोट क्लब व अन्य एजेंसियां मौके पर पहुंचीं, राहत और बचाव कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद महिला को नाले से निकालकर नजदीकी अस्पताल भेजा गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। फिलहाल उसकी पहचान नहीं हो पाई है। जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि बुजुर्ग महिला पुल के बीच में बैठकर भीख मांगती थी। हादसे के समय उसे भागने का मौका नहीं मिला। उसका शव कब्जे में लेकर मोर्चरी भेज दिया गया है। पुलिस उसकी पहचान करने का प्रयास कर रही है। रूम नगर थाना पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसा मंगलवार सुबह करीब 9.25 बजे रूप नगर ब्लॉक-3 में हुआ। यहां करीब सात दशक पहले से नजफगढ़ ड्रेन पर लोहे का एक पतला-संकरा और छोटा पुल बना हुआ है। इसका इस्तेमाल पैदल गुजरने वाले राहगीर और कभी-कभार बाइक या स्कूटी वाले भी कर लेते थे। सूत्रों ने बताया कि नाला सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग का है और उसकी देखरेख का जिम्मा भी इसी विभाग का है। काफी पुराना होने के कारण यह जर्जर हो चुका था। पुल कई जगह से गल भी चुका था। इसका ध्यान में रखते हुए पिछले साल से ही पुल को बैरिकेड लगाकर बंद कर दिया गया था। लेकिन गुड़ मंडी-राजपुरा से रूप नगर जाने वाले लोग लगातार इस पुल का इस्तेमाल कर रहे थे। वहीं पुल पर अक्सर एक बुजुर्ग महिला बैठकर भीख मांगती थी। एक प्रत्यक्षदर्शी संजू नामक युवती ने बताया कि वह गुड़मंडी से रूप नगर जा रही थी। अचानक पुल गिरने लगा। वह भागकर सुरक्षित पहुंच गई, लेकिन पुल पर बैठी वह बुजुर्ग महिला नाले में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे बोट क्लब की टीम ने कई घंटों की मशक्कत के बाद बुजुर्ग महिला का शव नाले से निकाला। अब रूप नगर थाना पुलिस मामला दर्ज कर छानबीन कर रही है। इस बात का पता लगाया जा रहा है कि हादसे की क्या वजह थी। क्राइम टीम व एफएसएल ने भी मौके का मुआयना किया है। गुड़मंडी में रहने वाले बुजुर्ग श्याम प्रसाद ने बताया कि रूप नगर में कई सरकारी स्कूल हैं। गुड़मंडी, राजपुरा और आसपास की कई कालोनियों से भारी मात्रा में बच्चे स्कूल जाते हैं। अक्सर बच्चों की भीड़ पुल को क्रॉस करती है। ऐसे में यदि बच्चों के आने या जाने के समय हादसा हुआ होता तो बड़ा हो सकता है। दूसरी ओर रूप नगर के कुछ लोग पुल गिरने को सही बता रहे थे, उनका कहना था कि गुड़-मंडी-राजपुरा की ओर से कई असामाजिक तत्व आकर चोरी या दूसरी वारदातों को अंजाम देते हैं। पुल गिरने से उनके यहां वारदातों में कमी आएगी। स्थानीय लोगों ने बताया कि गुड़-मंडी, राजपुरा और आसपास की कई कालोनियों से भारी मात्रा में छात्रा के अलावा काम करने वाली महिलाएं व दूसरे लोग भी इस पुल का इस्तेमाल कर रहे थे। दरअसल यह पुल गुड़मंडी और रूप नगर को जोड़ने के लिए शॉर्ट कट था। पुल न होने की वजह से अब उनको कई किलोमीटर का चक्कर काटकर आना होगा। रूप नगर के नजफगढ़ नाले पर मंगलवार सुबह जो हुआ, वह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि एक फिर प्रशासनिक उदासीनता का जीता-जागता सबूत है। जब सिस्टम केवल फाइलों में प्रतिबंध लगाकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है, तो जमीन पर उसका अंजाम एक बेगुनाह की मौत के रूप में सामने आता है। पुल 8 महीने पहले ही डेड घोषित हो चुका था, तो उसे किलर बनने के लिए बीच रास्ते में क्यों छोड़ दिया गया। प्रशासन का दावा है कि मार्च 2025 में पुल असुरक्षित पाया गया और जुलाई में इसे जानता के लिए बंद कर दिया गया। लेकिन हकीकत कुछ और ही बयां करती है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि इस पुल के अलावा और कोई दूसरा विकल्प नहीं है। यदि है भी तो वह काफी दूर है। स्थानीय लोगों ने कहा कि जब प्रशासन ने इसे असुरक्षित घोषित कर रखा तो इसे तोड़ कर दूसरा क्यों नहीं बनाया। गुड़ मंडी को रूप नगर से जोड़ने वाला यह पुल छात्रों के लिए 30 मिनट का समय और करीब एक किलोमीटर की दूरी कम करता था। अधिकारियों का दावा है कि पुल को पहले ही असुरक्षित घोषित कर बैरिकेड्स लगा दिए गए थे, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन ने आवाजाही का कोई सुविधाजनक वैकल्पिक रास्ता नहीं दिया, जिससे लोग और छात्र जान जोखिम में डालकर इसी शॉर्टकट का इस्तेमाल करने को मजबूर थे। आठवीं कक्षा की छात्रा जोया और उसके साथियों ने बताया कि पुल लंबे समय से एक तरफ झुक चुका था। छात्र जब इस पर चलते थे, तो यह थरथराने लगता था। रेलिंग की जालियां टूटी हुई थीं, जिससे डर के कारण बच्चे उसे पकड़ने से भी कतराते थे। रूप नगर की ओर से रास्ता इतना संकरा था कि एक समय में केवल दो-तीन बच्चे ही निकल पाते थे, जिससे वहां अक्सर भीड़ जमा रहती थी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने लोहे का पुल टूटने के कारण उसमें गिरकर महिला की मौत पर चिंता व्यक्त करते हुए महिला की दर्दनाक मौत के लिए सीधे तौर पर भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार को जिम्मेदार ठहराया और दिल्ली सरकार से मृत महिला के परिवार वालों को 50 लाख का मुआवजा देने कि मांग की।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री अशोक कुमार पुत्र श्री अंगद सिंह, निवासी ग्राम खोदना कलां, श्यौराजपुर, दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर,उत्तर प्रदेश 203207, एक आवासीय प्लाट संख्या 14, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, खसरा संख्या 434, स्थित महादेवपुरम-2, ग्राम खोदना कलां, परगना व तहसील दादरी , जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1427-1432 द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्विकल कथित सम्पत्ति को श्रीमती पूनम देवी और पिंटू सिंह को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा निठारी, सेक्टर 31, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 14 लाख की ठगी करने के तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। आउटर जिला की साइबर पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिनमें बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले और गिरोह का सरगना शामिल हैं। आरोपियों के पास से बरामद बैंक खाते से 2.20 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेनदेन का पता चला है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आंध्र प्रदेश निवासी शशिंदर राम, उत्तर प्रदेश के कैराना निवासी मोहम्मद कैफ और सहारनपुर निवासी मोनिश के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पश्चिम विहार निवासी सत्यपाल गुप्ता ने 21 फरवरी को शिकायत दी थी कि उन्हें एक अनजान नंबर से व्हाट्सएप कॉल आया था। कॉलर ने खुद को सीनियर पुलिस ऑफिसर बताकर बैंक खाते से मनी लॉन्ड्रिंग की गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हुए गिरफ्तारी का डर दिखाया था। इसके बाद पीड़ित ने जालसाज द्वारा दिए गए खाते में 14,20,000 रुपये ट्रांसफर कर दिए। बाद में ठगी का अहसास होने पर साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद डीसीपी (आउटर) विक्रम सिंह के निर्देश और एसीपी वीरेंद्र दलाल की देखरेख में एसएचओ गजे सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम ने लाभार्थी बैंक खाते की पहचान रेणुदार सर्विसेज एंड सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से की। इसके बाद तकनीकी सर्विलांस की मदद से पुलिस ने कश्मीरी गेट आईएसबीटी से कंपनी के निदेशक शशिंदर राम को गिरफ्तार किया। वह आंध्र प्रदेश का रहने वाला है। उससे पूछताछ के बाद पुलिस ने उत्तर प्रदेश के कैराना और सहारनपुर में छापेमारी कर मोहम्मद कैफ और मोनिश को गिरफ्तार किया।

शानदार चार साल, भगवंत मान दे नाल: आप ने भगवंत मान सरकार की उपलब्धियों को पंजाब के हर घर तक पहुंचाया

प्रथम पृष्ठ का शेष

28,000 से अधिक शिक्षकों की पारदर्शी भर्ती और उन्हें फिनलैंड तथा सिंगापुर में प्रशिक्षण देने का नतीजा है कि पंजाब के छात्र अब जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो रहे हैं। लुधियाना पश्चिम में बिजली क्षेत्र के सुधारों पर प्रकाश डालते हुए बिजली मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा, मान सरकार ने पंजाब के 90 प्रतिशत घरों के बिजली बिल शून्य करके इतिहास रच दिया है। पहले लोगों को भारी बिलों का डर सताता था, लेकिन आज उन्हें 24 घंटे बिना रुकावट बिजली आपूर्ति के साथ-साथ बड़ी राहत मिल रही है। भोआ में बोलते हुए मंत्री लाल चंद कटारूचक ने पंजाब सरकार के नशे के खिलाफ अभियान को रेखांकित करते हुए कहा, भगवंत मान सरकार ने नशे के खिलाफ निर्णायक जंग छेड़ी है, जिसके तहत 92,000 से अधिक तस्करों को सलाखों के पीछे भेजा गया है। इसके साथ ही 65,000 सरकारी नौकरियां पूरी तरह योग्यता के आधार पर दी गई हैं, वो भी बिना किसी रिश्वत या सिफारिश के। जंडियाला में मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने स्वास्थ्य क्षेत्र में बदलाव पर प्रकाश डालते हुए कहा, पंजाब में 985 आम आदमी क्लीनिक सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं, जहां 5 करोड़ से अधिक लोगों का मुफ्त इलाज हो चुका है। अब हर परिवार को 10 लाख रुपये तक का मुफ्त कैशलेस इलाज मिल रहा है, जिससे गरीबों को इलाज के लिए कर्ज लेने की जरूरत नहीं रही। मलोट में लोगों को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने महिला-केंद्रित पहलों के बारे में बात करते हुए कहा, माता दी सत्कार योजना के तहत हर महिला को 1,000 रुपये प्रति माह और अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को बैसाखी से 1,500 रुपये प्रति माह मिलेंगे। इसके साथ ही बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा ने महिलाओं को सशक्त बनाया है। जालंधर पश्चिम में मंत्री मोहिंदर भगत ने कृषि सहायता पर जोर देते हुए कहा, केवल मान सरकार ही किसानों की सच्ची हितैषी है। आज किसानों को दिन के समय मुफ्त बिजली मिल रही है और दशकों बाद नहर का पानी खेतों की आखिरी सिरे तक पहुंचा है। फसल का भुगतान अब सिर्फ 24 घंटे के अंदर सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजा जा रहा है। लहरागागा में बोलते हुए मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने कल्याणकारी और बुनियादी ढांचा पहलों पर प्रकाश डालते हुए कहा, सरकार वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुफ्त तीर्थ यात्रा की सुविधा दे रही है। इसके अलावा देश के लिए अपनी जान देने वाले सैनिकों के परिवारों को 1 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि दी जा रही है, जो देश में सबसे अधिक है। सड़क सुरक्षा फोर्स के गठन से सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में 50 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने आगे कहा, पिछले चार सालों में वह काम हुआ है जो आजादी के बाद से नहीं हो पाया था। 40,000 किलोमीटर सड़कों, 9,000 खेल मैदानों और 6,000 जिम के निर्माण के साथ रंगला पंजाब को फिर से बहाल करने का सपना साकार हो रहा है। इस जनसंपर्क अभियान के दौरान पार्टी नेताओं ने दोहराया कि आप सरकार का ध्यान सिर्फ नीतिगत घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि शासन के लाभों को पंजाब के हर घर तक पहुंचाना और अंतिम छोर तक डिलीवरी सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है।

NAME CHANGE

I Nidhi Garg W/o Ankur Garg R/o FLAT NO. 11/002, ANSAL SUNSHINE COUNTY, KUNDLI, BADHKHALSA, Badh Khalsa (41), PO: P.s.rai, DIST: Sonipat, Haryana-131029 have changed my name to Nidhi Singhal for all future purposes.

NAME CHANGE

I Wajid S/o MD YUNUS, R/o KH NO-392, GROUND FLOOR, KUSHAK ROAD, STREET NO-1,J-BLOCK, SWAROOP NAGAR, Siras Pur, PO:Siras Pur, DIST: North West Delhi, Delhi, 110042 have changed my name to MD Wajid for all future purposes.

NAME CHANGE

I Mushyada W/O Md Wajid, R/o KH NO-392, GROUND FLOOR, KUSHAK, ROAD, STREET NO-1,J-BLOCK, SWAROOP NAGAR, Siras Pur, PO:Siras Pur, DIST:North West Delhi, Delhi, 110042 have changed my name to Musaida for all future purposes.

NAME CHANGE

I,Mohd Ekramuddin S/O Samsuddin R/O h.no-E332 new seemapuri delhi 110095, Changed my name to Ikramuddin.

NAME CHANGE

I, Mussrat W/O Ikramuddin R/O h.no-E332 new seemapuri delhi 110095, Changed my name to Mussarat Jhan.

Public Notice

It is for general information that I Mohd Bilal S/O Alizan Khan, R/O E-11 F/f Kh No 654, Main 60 Ft Road, Shri Ram Colony Rajeev Nagar, Karawal Nagar, North East Delhi, Delhi 110094, declare that name of my wife has been wrongly written as Heena Begum in my passport no Z 6493836.The actual name of my wife is Hina Kausar,respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, SHAILENDRA KUMAR s/o SHRI RAMA SHANKAR SINGH r/o Plot no. 254 & 255, 2nd Floor, Front side, Gali no. 19-A, Uttam Nagar, PO DK Mohan Garden, Uttam Nagar, New Delhi-110059 have changed my minor daughter's name from TANISHQ SINGH to PRAGATI SINGH Adhar No. 5352 7159 8685. for all future purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I RAVI THAKUR S/o BIJENDER SINGH R/o 45 G Pocket A - 1 , Mayur Vihar , Phase - 3 , East Delhi , Delhi - 110096 declare that the name of mine and my minor son has been wrongly written as RAVI KUMAR and AARAV THAKUR in my minor son namely AARYAV THAKUR aged 8 years in his School Record. The actual name of mine and my minor son are RAVI THAKUR and AARYAV THAKUR , Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I RAVI THAKUR S/o BIJENDER SINGH R/o 45 G Pocket A - 1 , Mayur Vihar , Phase - 3 , East Delhi , Delhi - 110096 declare that the name of mine and my wife has been wrongly written as RAVI KUMAR and REKHA in my minor daughter namely ARADHYA THAKUR aged 13 years in her School Record. The actual name of mine and my wife are RAVI THAKUR and REKHA BHANDARI , Which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I,Anshu Shrotrya W/O Sachin Shrotriya R/O A-131, Lajpat Nagar, Sahibabad , Ghaziabad, Paswada,PO: Pasonda, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201005, declare that name of mine and my minor daughter have been wrongly written as Saloni Shrotriya and Pihu in my minor daughter namely Pihu Shrotriya aged 13 years in her Birth Certificate No 023973. The actual name of mine and my minor daughter are Anshu Shrotrya and Pihu Shrotriya

NAME CHANGE

I hitherto Known as G MOHAN KUMARI alias CHERKURU BHASKAR MOHAN KUMARI D/o CHERKURU BHASKAR NAIDU, W/o G MADHU , Residing at E-15 , Sector -34 , Dist. Gautam Buddha Nagar , Uttar Pradesh - 201307 have changed my name and shall hereafter be known as CHERKURU BHASKAR MOHAN KUMARI.

NAME CHANGE

I, LATA, is legally mother of Army No. 2808049Y, Rank – Hav, Name – SHREENATH HUDDAR, presently residing at Vill– Shahapur, Post – Shahapur, Teh – Belgaum, Dist – Belgaum, State – Karnataka – 590003, have changed my name from LATA to HEMLATA KALLAPPA HUDDAR and my date of birth from 02/08/1978 to 12/08/1965 for all future purposes. Vide affidavit dated 25/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, KALLAPPA, is legally father of Army No. 2808049Y, Rank – Hav, Name – SHREENATH HUDDAR, presently residing at Vill – Shahapur, Post – Shahapur, Teh – Belgaum, Dist – Belgaum, State – Karnataka – 590003, have changed my name from KALLAPPA to KALLAPPA SOMANATH HUDDAR and my date of birth from 05/04/1967 to 01/07/1962 for all future purposes. Vide affidavit dated 25/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, MUGUTRAO, is legally father of JC No. 461839P, Rank – Sub, Name – MHAISAGAR GAJENDRA MUGUTRAO, presently residing at Vill– Pimpalkhuta Bu, Post – Nimkhed, Teh– Nandura, Dist – Buldhana, State – Maharashtra – 443101, have changed my name from MUGUTRAO to MUGUTRAO WAMANRAO MHAISAGAR and my date of birth from 16/08/1952 to 14/01/1951 for all future purposes. Vide affidavit dated 25/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, GOUKARNA, is legally mother of JC No. 461839P, Rank – Sub, Name – MHAISAGAR GAJENDRA MUGUTRAO, presently residing at At – Pimpalkhuta Bu, Post – Nimkhed, Teh– Nandura, Dist – Buldhana, State – Maharashtra – 443101, have changed my name from GOUKARNA to GAUKARNA MUGUTRAO MHAISAGAR and my date of birth from 16/08/1958 to 01/07/1949 for all future purposes. Vide affidavit dated 25/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, No-15481403X Rank-DFR Name-SUNIL KUMAR Father of VIRAT Resident of VILL-RATUPURA, PO-SIMBHAOLI, TEHSIL-GARHMUKTESHWAR, DIST-HAPUR, UTTAR PRADESH-245207, have changed my minor son's name from VIRAT to VIRAT SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 26/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-17020017N Rank-HAV Name-V HEMA SEKHAR Father of N NILAN Resident of 35-60, KRISHNA SWAMY STREET, 75 DODDIPALLI, CHITTOOR, ANDHRA PRADESH-517127, have changed my minor son's name from N NILAN to H NILAN for all future purposes vide Affidavit dated 26/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Arvind Kumar Arora S/o Sham Kumar Gangwani R/o H No. 101 Block D 14, Sector 7, Rohini Sector -7, Narela North West Delhi, Delhi - 110085, have changed the name of my minor son Ekagrah Arora aged 11 years and he shall hereafter be known as Viaan Arora

NAME CHANGE

I, No-15481403X Rank-DFR Name-SUNIL KUMAR Father of APRJITA Resident of VILL-RATUPURA, PO-SIMBHAOLI, TEHSIL-GARHMUKTESHWAR, DIST-HAPUR, UTTAR PRADESH-245207, have changed my minor daughter's name from APRJITA to APRJITA SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 26/03/2026 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती नीतू निगम, प्लॉट संख्या 47 (आंशिक), क्षेत्रफल 600 वर्ग फुट (अर्थात 55.762 वर्ग मीटर), जो गाटा संख्या 966, 998 एवं 929 में से स्थित है, ग्राम मड़ियाव, परगना महोना, तहसील बख्शी का तालाब, जनपद लखनऊ, उत्तर प्रदेश स्थित आवासीय मकान की स्वामिनी हैं। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी राजस्व अभिलेखों के अनुसार श्री पचू थे, जिन्होंने दिनांक 12.07.2005 के विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती उर्मिला वर्मा को विक्रय की थी। दुर्भाग्यवश, श्रीमती उर्मिला वर्मा का दिनांक 25.09.2020 को निधन हो गया, जिनके पश्चात उनके निम्नलिखित विधिक उत्तराधिकारी हैं- (1) श्री मिथला शरण वर्मा (पति), (2) श्री अंकुर वर्मा (पुत्र), (3) कु. अवंतिका वर्मा (पुत्री), एवं (4) कु. अंकिता वर्मा (पुत्री)। तत्पश्चात, (1) श्री मिथला शरण वर्मा, (2) श्री अंकुर वर्मा, (3) कु. अवंतिका वर्मा, एवं (4) कु. अंकिता वर्मा ने दिनांक 23.09.2025 के विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती नीतू निगम को विक्रय कर दी। अतः, श्रीमती नीतू निगम उक्त संपत्ति की पूर्ण एवं वैध स्वामिनी हैं। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, प्रभार, ऋणभार अथवा दावे से मुक्त है। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण हीरो हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा लखनऊ, उत्तर प्रदेश के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 10 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

It is for general information that I ARVIND S/o RAM LAVER , Residing at House No. E -102, Shahid Shukhdev Nagar, Wazir Pur, Ind. Area , North West Delhi, Delhi – 110052 declare that the name of mine and my minor son has been wrongly written as ARVIND KUMAR and YATENDRA in my minor son namely YATENDER KUMAR aged 14 years in his Aadhar No. 4097 1538 0233. The actual name of mine and my minor son are ARVIND and YATENDER KUMAR respectively, Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I ANJNA W/O SANDEEP KUMAR R/O 416/32 4 MARLA NEAR SHIV MANDIR SHIVAJI COLONY ROHTAK HARYANA 124001 HAVE CHANGED MY NAME TO ANJANA

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि **पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड,** जिसका शाखा कार्यालय फरीदाबाद, हरियाणा में स्थित है, श्री जगदीश लाल को मकान संख्या 60 (संपत्ति आईडी संख्या 1BKMDBB2), जिसका क्षेत्रफल 44 वर्ग गज है, जो वका, आबादी लाल डोरा अहिरवाड़ा, बल्लभगढ़, तहसील; बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद, हरियाणा में स्थित है, की जमानत के बदले वित्तीय सहायता प्रदान करने का इरादा रखता है। उक्त संपत्ति श्री उमेश कुमार बंसल के स्वामित्व में थी, जिन्होंने श्रीमती सुमित्रा देवी द्वारा निष्पादित और एसआर बल्लभगढ़ में विधिवत पंजीकृत दस्तावेज संख्या 9912 दिनांक 10.12.2012 की विक्रय विलेख के आधार पर इस पर स्वामित्व प्राप्त किया था। इसके द्वारा यह भी सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुमित्रा देवी द्वारा श्री उमेश कुमार बंसल के पक्ष में उक्त भूखंड, अर्थात् मकान संख्या 60, जिसका क्षेत्रफल 44 वर्ग गज है, के संबंध में निष्पादित मूल विक्रय विलेख... गज (Yds.) की संपत्ति, जिसका दस्तावेज संख्या 9912, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 1/46, पृष्ठ संख्या 182/88 से 90 दिनांक 10.12.2012 को उप रजिस्ट्रार बल्लभगढ़ में विधिवत पंजीकृत है, गुम/खो गई है और उसका पता नहीं चल पा रहा है। इस संबंध में दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा में एलआर संख्या 187546/2026, दिनांक 24.03.2026 के तहत विधिवत रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। तदनुसार, उपर्युक्त संपत्ति के संबंध में या पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के पक्ष में प्रस्तावित बंधक के विरुद्ध किसी भी प्रकार का दावा, अधिकार, हक, हित, ग्रहणाधिकार या आपत्ति रखने वाले किसी भी व्यक्ति/व्यक्तियों को इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से सात (7) दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्तियां लिखित रूप में, सहायक दस्तावेजों सहित, अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत करने के लिए कहा जाता है। यदि कोई दावा या आपत्ति हो, तो **उसे एडवोकेट ऋषि माहेश्वरी (मोबाइल नंबर- +91-9340118309) को प्रस्तुत किया जा सकता है।** निर्धारित समयावधि के भीतर कोई उत्तर न मिलने की स्थिति में, यह मान लिया जाएगा कि उक्त संपत्ति से संबंधित कोई दावा, आपत्ति या भार नहीं है, और प्रस्तावित लेन-देन बिना किसी और संदर्भ या आपत्ति के पूर्ण कर दिया जाएगा।

ऋषि माहेश्वरी (अधिवक्ता)
कार्यालय का पता: आरजेड-29, ऊपरी भूतल, भगवती गार्डन जैन रोड,
द्वारका मोड़ के पास, नई दिल्ली 110059।
संपर्क नंबर: +91- 9340118309

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त आरोपी **शहजाद, पुत्र** नियाज, **पताः** गाँव फारुख नगर थाना टीला मोड जिला गाजियाबाद **उत्तर प्रदेश, FIR No. 40/2026, U/s: 20 NDPS Act, पुलिस थानाः नन्द नगरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शहजाद,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शहजाद,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **शहजाद, FIR No. 40/2026, U/s: 20 NDPS Act, पुलिस थानाः नन्द नगरी, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.04.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
समीर बाजपेयी
विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस मकोका एवं आरआईओटी) अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश-03
शाहदरा कमरा नंबर 58 तीसरी मंजिल
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/3684/NE/2026
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राजू, पुत्रः** जय पंडित, **निवासीः** खसरा नं. 482, न्यू विकास गार्डन, कासिम विहार फेज नं-2, इलाईचीपुर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने मुकदमा **e-FIR No. 666/2020 U/s 379/411 IPC, थानाः शास्त्री नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजू** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **e-FIR No. 666/2020 U/s 379/411 IPC, थानाः शास्त्री नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राजू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **24.06.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री श्रुति सारस्वत
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी-03
कमरा नं. 22, प्रथम तल
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/3903/NE/2026
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **फ़िरोज़ पुत्रः** अल्लाह मेहर, **पताः** जी-138, शहीद नगर, साहिबाबाद, गाज़ियाबाद (यूपी), ने **FIR No. 134/2021 U/s 392/411/34 IPC थानाः शास्त्री पार्क, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **फ़िरोज़,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **फ़िरोज़,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 134/2021 U/s 392/411/34 IPC थानाः शास्त्री पार्क, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **फ़िरोज़,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री श्रुति सारस्वत
जेएमएफसी-03, कमरा नंबर 22, पहली मंज़िल
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/3901/NE/2026
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा में आए दिन हो रहे घोटालों पर जवाब दे सरकार : हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कोटक महिंद्रा घोटाले पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा है कि भाजपा सरकार में विकास का बेशक एक भी काम न होता हो, लेकिन रोज नए-नए घोटाले जरूर होते हैं। भूपेंद्र हुड्डा ने पंचकूला नगर निगम में सामने आए 160 करोड़ रुपये के घोटाले पर प्रतिक्रिया देते हुए हुड्डा ने कहा कि यहां फर्जी एफडी कागजात जमा कर जनता के करोड़ों रुपये चट कर दिए गए। इतना बड़ा घोटाला सरकारी मिलीभगत के बिना संभव ही नहीं है। हुड्डा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में इससे पहले भी अनगिनत घोटाले हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि 590 करोड़ के आईडीएफसी घोटाले के बाद अब पंचकूला नगर निगम में भी ऐसा ही घोटाला सामने आया है। हुड्डा ने जोर देकर कहा कि इन सभी घोटालों की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए ताकि जनता के पैसे की लूट रुके और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जा सके।

हरियाणा में नहीं बढ़ेंगी बिजली दरें, एचईआरसी ने यथावत रखा टैरिफ

हिसार। हरियाणा के लाखों बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग (एचईआरसी) ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए बिजली दरों को यथावत रखने का निर्णय लिया है। इस फैसले से प्रदेश के 83 हजार 79 हजार 739 उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। नया टैरिफ एक अप्रैल 2026 से लागू होगा। आयोग ने यह निर्णय उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएनएल) और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएनएल) द्वारा दायर वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) याचिकाओं पर विस्तृत सुनवाई के बाद लिया उल्लेखनीय है कि दोनों डिस्कॉम्स ने लगभग 4484.71 करोड़ रुपये के राजस्व घाटे का अनुमान प्रस्तुत किया था, इसके बावजूद आयोग ने उपभोक्ताओं पर किसी भी प्रकार का अतिरिक्त बोझ नहीं डालने का फैसला किया। जनसुनवाई के दौरान सभी श्रेणियों के उपभोक्ताओं ने एक स्वर में बिजली दरों में किसी प्रकार की वृद्धि नहीं करने की बात कही। इसी के मद्देनजर आयोग ने राजस्व संग्रह में सुधार, बकाया प्रबंधन, बिजली खरीद के अनुकूलन तथा हानियों में कमी पर जोर देते हुए एआरआर को राजस्व-न्यूट्रल रखा है। एचईआरसी के अध्यक्ष नंदलाल लाल शर्मा, सदस्य मुकेश गर्ग व शिव कुमार ने बुधवार को इस टैरिफ आदेश पर हस्ताक्षर किए। आदेश जारी करने से पहले आयोग ने व्यापक परामर्श प्रक्रिया अपनाई।

नारनौल में यातायात नियम तोड़ने वालों पर सख्ती, दो माह में दो करोड़ का जुर्माना, 2919 बिना हेलमेट चालान

नारनौल। नारनौल स्थित लघु सचिवालय के मीटिंग हॉल में जिला सड़क सुरक्षा समिति और सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावारिया ने की, जिसमें सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने को लेकर अहम निर्देश जारी किए गए। एडीसी ने बताया कि जिला पुलिस और आरटीए विभाग द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। जनवरी और फरवरी के दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले दो हजार 919 चालकों के चालान किए गए। इसके अलावा ओवरस्पीडिंग के एक हजार 482 मामलों और गलत दिशा में वाहन चलाने वाले 349 लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई अमल में लाई गई। उन्होंने बताया कि यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों से इस अवधि में लगभग दो करोड़ दस लाख रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया है, जो लोगों को नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए एक सख्त संदेश है। विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने कहा कि सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी को जिले में सख्ती से लागू किया जा रहा है। फरवरी माह के दौरान आरटीए विभाग, पुलिस और उपमंडल स्तर की कमिटियों द्वारा 270 से अधिक स्कूल बसों की जांच की गई। इस दौरान मानकों का उल्लंघन करने वाली 24 बसों के चालान किए गए।

ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र एवं संतुलित विकास के लिए किए निरंतर प्रयास कर रही सरकार : डा. कृष्ण मिड्ढा

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा है कि वर्तमान प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र एवं संतुलित विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। डिप्टी स्पीकर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों के दौरे के दौरान ग्रामीणों को पांच अप्रैल को जींद में आयोजित होने वाली मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की प्रस्तावित विकास एवं धन्यवाद रैली में शामिल होने का निमंत्रण दे रहे थे। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित रैली के अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा क्षेत्र के लिए करोड़ों रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात दी जाएगी। इससे पूर्व डा. मिड्ढा ने जींद रेलवे स्टेशन पर वातानुकूलित प्रतीक्षा कक्ष का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इस सुविधा के आरंभ होने से यात्रियों को विशेष राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जनता के विश्वास और समर्थन से भारतीय जनता पार्टी की सरकार तीसरी बार बनी है तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। गांव हैबतपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान डा. मिड्ढा ने कहा कि राज्य सरकार ने ग्रामीण विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी है।

केंद्रीय योजनाओं की राशि का समयबद्ध उपयोग सुनिश्चित करें अधिकारी : नायब सैनी

मुख्यमंत्री ने की केंद्र प्रायोजित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में केंद्र सरकार से प्राप्त अनुदानों को लेकर विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित योजनाओं की समीक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा केंद्र प्रायोजित योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त धनराशि के उपयोग, प्रगति एवं लंबित कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं में स्वीकृत बजट का समयबद्ध एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि प्रदेश के नागरिकों को इन योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार

द्वारा प्रदान किए जा रहे अनुदानों का पूर्ण और पारदर्शी उपयोग राज्य के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विभागों को निर्देशित किया कि उपयोगिता प्रमाण पत्र समय पर प्रस्तुत किए जाएं, ताकि आगामी किस्तों की स्वीकृति में कोई बाधा न आए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि जिन योजनाओं में प्रगति अपेक्षाकृत धीमी है, उनमें तेजी लाई जाए और उनका त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने और निगरानी तंत्र को मजबूत करने पर भी जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी प्रशासनिक अधिकारी अपने- अपने विभागों में नोडल अधिकारी नामित करें जो निरंतर केंद्र सरकार के विभागों से समन्वय स्थापित करते रहें ताकि अनुदान राशि स्वीकृत और जारी होने में देरी न हो।

मुख्यमंत्री दौरे से पहले उपायुक्त ने की तैयारियों की समीक्षा

एजेंसी

सोनीपत। गोहाना विधानसभा क्षेत्र में 29 मार्च को प्रस्तावित मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दौरे को लेकर लघु सचिवालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त नेहा सिंह ने की। इसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ तैयारियों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में स्वास्थ्य, बिजली, शिक्षा, सिंचाई सहित अन्य विभागों से संबंधित उन परियोजनाओं की

समीक्षा की गई, जिनका लोकार्पण और शिलान्यास मुख्यमंत्री द्वारा किया जाना है। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि शिलान्यास वाली परियोजनाओं की सभी औपचारिकताएं शीघ्र पूरी कर मुख्यालय से स्वीकृति लेना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन स्थलों पर लोकार्पण होना है, वहां साफ-सफाई, सौंदर्यकरण और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं, ताकि कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हो सके। सभी विभागों को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने और किसी प्रकार की कमी न छोड़ने के निर्देश दिए गए। बैठक में कार्यक्रम से जुड़ी अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान एसडीएम सुभाष चंद्र, एसडीएम अंजली, सीटीएम डॉ. अनमोल, डीडीपीओ मनीष मलिक, डिप्टी सीएमओ डॉ. अनिता, डीईओ नवीन गुलिया सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अवैध कॉलोनियों पर सख्तीः कार्रवाई के बाद दोबारा निर्माण नहीं होगा बर्दाश्त

एजेंसी

कैथल। जिले में अवैध कॉलोनियों और अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि कार्रवाई के बाद दोबारा निर्माण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपायुक्त अपराजिता की अध्यक्षता में आयोजित जिला टास्क फोर्स कमेटी की बैठक में संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए।बैठक में अवैध कॉलोनियों, अनधिकृत निर्माण और सड़कों पर अतिक्रमण हटाने को लेकर चल रही कार्रवाई की समीक्षा की गई। डीसी ने कहा कि जिन स्थानों से अतिक्रमण हटाया गया है, वहां दोबारा कब्जा न हो, यह सुनिश्चित करना संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। उन्होंने एसडीएम को स्वयं क्षेत्र का निरीक्षण करने के निर्देश दिए।डीसी ने स्पष्ट किया कि बिना बिल्डिंग प्लान मंजूरी के निर्माण करना म्युनिसिपल बायलॉज का उल्लंघन है और ऐसे मामलों में नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही एनफोर्समेंट पुलिस और डीटीपी विभाग को पिछले और वर्तमान वर्ष में दर्ज एफआईआर व चालानों का रिकॉर्ड व्यवस्थित रखने और नियमित अपडेट करने के निर्देश दिए गए।नगर परिषद और सभी नगर पालिकाओं को भी अवैध निर्माण से संबंधित कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। डीसी ने निर्देश दिए कि किसी भी नोटिस या एफआईआर की प्रति संबंधित एसडीएम को अनिवार्य रूप से भेजी जाए, ताकि कार्रवाई में समन्वय बना रहे।इसके अलावा एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी और मार्केट कमेटी को अपनी-अपनी सड़कों से अवैध निर्माण हटाने के निर्देश दिए गए।

तोशाम में 31 मार्च को 'उन्नत सिंचाई उत्सव डीसी ने तैयारियों का लिया जायजा

एजेंसी

तोशाम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के 31 मार्च को प्रस्तावित तोशाम कार्यक्रम को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। डीसी साहिल गुप्ता ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और तैयारियों को सुव्यवस्थित ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। प्रदेश की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी के मार्गदर्शन में मी-काढ़ा विभाग और ईरीगेशन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में 31 मार्च से 1 अप्रैल तक 'उन्नत सिंचाई उत्सव' का आयोजन किया जा रहा है।

इसमें सूक्ष्म सिंचाई उपकरणों की लगभग 90 स्टॉल लगाई जाएंगी। डीसी ने निर्देश दिए कि बारिश की संभावना को देखते हुए पूरा पंडाल वाटर प्रूफ बनाया जाए और महिलाओं के बैठने के लिए विशेष सेक्टर सुनिश्चित किए जाएं। साथ ही, उन्होंने मुख्य मार्गों पर पार्किंग, मोबाइल टॉयलेट और हेलीपैड स्थल पर सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के आदेश दिए। निरीक्षण के दौरान कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी के प्रतिनिधि एडवोकेट हरिसिंह सांगवान, प्रदीप गोलागढ़, सीईओ जिला परिषद

अजय चोपड़ा, एसडीएम महेश कुमार, सीएमओ रघुवीर शांडिल्य, सिंचाई विभाग के अधीक्षक अभियंता ओपी बिश्नोई, डीडीपीओ सोमबीर कादयान, जीएम रोडवेज दीपक कुंडू, कृषि विभाग के उप निदेशक डॉ. विनोद फोगाट, नायब तहसीलदार अशोक कुमार, कार्यकारी अभियंता मनीष देशवाल, संजय रंगा, लोकेश डागर, एसडीओ चेतन, मार्केट कमेटी सचिव सुदेश श्योराण, तोशाम सरपंच राजेश कुमार, सुखबीर चेयरमैन, वाइस चेयरमैन सुनील भारीवास, ओमपाल पंघाल, सत्यनारायण शर्मा सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जब डीसी उतरीं गेहूं के खेतों में, खुद किया डिजिटल क्रॉप सर्वे का निरीक्षण

एजेंसी

कैथल। जिले में रबी फसलों की गिरदावरी को लेकर प्रशासन ने गंभीरता दिखाते हुए जमीनी स्तर पर निरीक्षण शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में डीसी अपराजिता खुद गेहूं के खेतों में उतरीं और डिजिटल क्रॉप सर्वे की एंट्री का मौके पर निरीक्षण किया। इतना ही नहीं, उन्होंने स्वयं कई एकड़ की एंट्री कर ऐप पर डेटा भी अपलोड किया।डीसी ने गांव कुलतारन और उझाना का दौरा कर राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ खेतों में जाकर फसल की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पटवारियों द्वारा की जा रही गिरदावरी की जांच करते हुए किल्ला नंबर के अनुसार की गई एंट्री को परखा। इस दौरान सजरा और टैब में दर्ज आंकड़ों का मिलान भी किया गया, जो सही पाया गया।कुलतारन में निरीक्षण के दौरान डीसी मुख्य रास्ते से आगे बढ़ते हुए खेतों में कई एकड़ तक पैदल चलीं और मौके पर ही डिजिटल सर्वे की प्रक्रिया को समझा।

इसके बाद उझाना गांव में भी गिरदावरी का निरीक्षण किया, जहां रिकॉर्ड सही पाए गए।31 मार्च तक हर हाल में पूरा करें सर्वेडीसी अपराजिता ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य निर्धारित समय सीमा 31 मार्च तक हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि सर्वे पूरी सटीकता और पारदर्शिता के साथ होना चाहिए, ताकि किसानों को योजनाओं का लाभ सही तरीके से मिल सके।केवल वास्तविक फसल ही हो दर्जडीसी ने जोर देते हुए कहा कि गिरदावरी केवल कागजी प्रक्रिया बनकर न रह जाए, बल्कि वास्तविक स्थिति के आधार पर की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खेत में जो फसल वास्तव में खड़ी है, वही दर्ज की जाए।निरीक्षण के दौरान डीसी ने यह भी देखा कि किस प्रकार पटवारी, नायब तहसीलदार और तहसीलदार की टीम खेतों में जाकर फसल का प्रकार, उसकी स्थिति और अन्य जरूरी जानकारी एक विशेष ऐप के माध्यम से दर्ज कर रही है।तकनीकी समस्याओं के समाधान के निर्देशदौरे के दौरान डीसी ने सर्वे में आ रही तकनीकी और व्यावहारिक समस्याओं की जानकारी भी ली और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस मौके पर तहसीलदार रविंद्र हुड्डा सहित राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी और पटवारी उपस्थित रहे।

हांसी में नगर परिषद ने बकाया हाउस टैक्स उपभोक्ताओं पर की कार्रवाई

एजेंसी

हांसी। नगर परिषद द्वारा बकाया हाउस टैक्स वसूलने के लिए चलाया जा अभियान जारी रहा। इस दौरान नप अधिकारियों द्वारा शहर में दो प्रॉपर्टी सील की गईं जबकि की एक प्रोपर्टी मालिक द्वारा आंशिक पेमेंट किए जाने पर उसकी प्रोपर्टी को सील नहीं किया। इस दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। नगर परिषद की टीम ने सबसे पहले आमटी झील क्षेत्र के पास स्थित एक लकड़ी के आरे पर कार्रवाई की। आरे पर करीब दो लाख 40 हजार

रुपए का हाउस टैक्स बकाया था। टीम ने आरे के गोदाम को सील कर दिया। आरा गोदाम को सील करने के बाद नप टीम श्री काली देवी मंदिर रोड पर एक प्रोपर्टी को सील करने के लिए पहुंची लेकिन यहां प्रॉपर्टी मालिक ने मौके पर 20 हजार रुपए का आंशिक भुगतान किया और बकाया राशि जल्द जमा कराने का आश्वासन दिया। इस पर टीम ने सीलिंग की कार्रवाई रोक दी। अभियान के तहत टीम ने तीसरी कार्रवाई रविदास धर्मशाला के पास स्थित एक कबाड़ के गोदाम पर की। गोदाम पर हाऊस टैक्स बकाया होने के कारण इस गोदाम को सील कर

दिया गया। बकायेदारों पर होगी कार्रवाई नगर परिषद द्वारा यह कार्रवाई नगर परिषद सचिव एंजेल वायु और हाउस टैक्स इंचार्ज सत्यवान के नेतृत्व में की गई। परिषद के अन्य कर्मचारीभी मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि हाऊस टैक्स बकायेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इसके साथ ही नप अधिकारियों ने लोगों से समय पर टैक्स जमा कराने की अपील की। इस दौरान नप अधिकारियों के साथ पुलिस भी मौजूद रही।

हरियाणा में महंगी नहीं होगी बिजली, लाखों उपभोक्ताओं को राहत

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग ने प्रदेश के लाखों उपभोक्ताओं को राहत देते हुए नए वित्त वर्ष में बिजली की दरें नहीं बढ़ाने का फैसला लिया है। प्रदेश में पहले से लागू बिजली की दरें वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान लागू रहेंगी। इस फैसले से प्रदेश के 83 लाख 79 हजार 739 उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। नया टैरिफ 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा।

आयोग ने यह निर्णय उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएनएल) और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएनएल) द्वारा दायर वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) याचिकाओं पर विस्तृत सुनवाई के बाद लिया। दोनों डिस्कॉम्स ने लगभग 4,484.71 करोड़ रुपये के राजस्व घाटे का अनुमान प्रस्तुत किया था, इसके बावजूद आयोग ने उपभोक्ताओं पर किसी भी प्रकार का अतिरिक्त बोझ नहीं डालने का फैसला किया।जनसुनवाई के दौरान सभी श्रेणियों के उपभोक्ताओं ने एक स्वर में बिजली दरों में किसी प्रकार की वृद्धि नहीं करने की बात कही। इसी के मद्देनजर आयोग ने राजस्व संग्रह में सुधार, बकाया प्रबंधन, बिजली खरीद के अनुकूलन तथा हानियों में कमी पर जोर देते हुए एआरआर को राजस्व-न्यूट्रल रखा है।

एचईआरसी के अध्यक्ष नंद लाल शर्मा तथा सदस्य मुकेश गर्ग और शिव कुमार ने 25 मार्च को इस टैरिफ आदेश पर हस्ताक्षर किए। आदेश जारी करने से पहले आयोग ने व्यापक परामर्श प्रक्रिया अपनाई। 8 जनवरी को पंचकूला स्थित एचईआरसी कोर्ट रूम में जनसुनवाई आयोजित की गई, इसके बाद गुरुग्राम, पानीपत, हिसार और यमुनानगर में फील्ड हियरिंग्स की गईं, जहां उपभोक्ताओं, उद्योग प्रतिनिधियों और अन्य हितधारकों ने अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

आयोग ने बिजली क्षेत्र में दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्देश भी जारी किए हैं। हरियाणा पावर परचेज सेंटर (एचपीपीसी) के पुनर्गठन और सुदृढ़ीकरण पर विशेष बल दिया गया है, ताकि बिजली खरीद प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और किफायती बन सके। वर्तमान में अधिकतम और न्यूनतम मांग के बीच लगभग 3,000 से 5,000 मेगावाट का अंतर है।

यूएचबीवीएनएल के वितरण नुकसान को 9.30 प्रतिशत निर्धारित किया गया है, जो प्रस्तावित 9.85 प्रतिशत से कम है। आयोग ने डिस्कॉम्स को निर्देश दिया है कि वे सर्कल स्तर के बजाय उन फीडरों पर विशेष ध्यान दें जहां एटीएंडसी लॉस अधिक है, ताकि सूक्ष्म स्तर पर सुधार सुनिश्चित किया जा सके।

आयोग ने कृषि क्षेत्र के लिए 7,870.32 करोड़ रुपये की राज्य सरकार सब्सिडी का प्रावधान रखा है। इसके तहत किसानों को 7.48 रुपये प्रति यूनिट की वास्तविक लागत के मुकाबले केवल 0.10 रुपये प्रति यूनिट का भुगतान करना होगा, जिससे कृषि उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी।

महेंद्रगढ़ के कमल टांक बने आरबीआई मैनेजर

एजेंसी

नारनौल। महेंद्रगढ़ शहर के युवा कमल टांक ने भारतीय रिजर्व बैंक में मैनेजर (ग्रेड-बी) के पद पर चयनित होकर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी की लहर है और विभिन्न सामाजिक संगठनों व गणमान्य लोगों ने उन्हें बधाई दी है। कमल टांक के पिता रमेश टांक ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि उनके बेटे ने यह सफलता एक अत्यंत कठिन प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से हासिल की है। यह परीक्षा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित की जाती है, जिसमें सीमित पदों के लिए लाखों अभ्यर्थी भाग लेते हैं। इस वर्ष कुल 75 पदों पर भर्ती की गई, जिनमें कमल ने मेरिट सूची में स्थान बनाकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। कमल टांक वर्तमान में नई दिल्ली स्थित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) के तहत नौसेना कार्यालय में सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। अब उनका चयन आरबीआई जैसे

प्रतिष्ठित संस्थान में होने से उनके करियर को नई ऊंचाई मिलेगी। उनकी सफलता पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें और उनके परिवार को बधाई दी। भारत विकास परिषद, बाल चरित्र निर्माण सभा, सैनी सभा, ब्राह्मण सभा, हैप्पी स्कूल के संचालक सुभाष चंद्र अग्रवाल, बालाजी जनसेवक मंडल, स्वामी ब्रह्मानंद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र तथा प्रजापति समाज सुधार सभा सहित अनेक संगठनों ने कमल टांक की उपलब्धि को युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया। उनकी माता सुमित्रा टांक और पिता रमेश टांक ने कहा कि बेटे की इस उपलब्धि से उन्हें गर्व महसूस हो रहा है। कमल की सफलता से महेंद्रगढ़ के युवाओं को भी नई प्रेरणा मिली है।

प्रतिष्ठानों पर तैनात करें सुरक्षा गार्ड और सीसीटीवी कैमरे लगाएं : एएसपी

एजेंसी

सिरसा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक फैसल खान ने कहा है कि पैट्रोल पंप संचालकों और स्वर्णकार अपने प्रतिष्ठानों पर गार्ड तैनात करें। इसके अलावा वे उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे स्थापित करें, ताकि किसी भी प्रकार की अपराधिक गतिविधि को रोका जा सके।

एएसपी सिरसा में पुलिस पब्लिक कमेटी के पदाधिकारियों, स्वर्णकारों तथा पेट्रोल पंप संचालकों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।एएसपी ने कहा कि पुलिस आमजन की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह सजग है, लेकिन प्रतिष्ठानों पर सतर्कता भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि थाना प्रभारियों के साथ मिलकर एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाएं और यदि आपको किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधियां नजर आए तो तुरंत सूचना पुलिस को सूचना दें ताकि समय रहते अपराध करने वाले व्यक्ति को पकड़ा जा सके। इसके साथ ही पुलिस ने पैट्रोल पंपों, बैंकों और एटीएम के आस-पास गश्त बढ़ा दी है, और पीसीआर व राइडर 24 घंटे लगातार गश्त करेंगे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित कमेटी पदाधिकारियों से कहा कि सुरक्षा

प्रबंधों में पूर्ण सतर्कता बरतें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि नजर आए तो तुरंत सूचना पुलिस को दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए पेट्रोल पंप संचालकों और स्वर्णकारों के साथ नियमित बैठकें आयोजित की जाएंगी। सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने क्षेत्रों के पेट्रोल पंप और मुख्य बाजारों में विशेष सतर्कता बरतें। एएसपी ने कहा कि पुलिस और जनता एक-दूसरे के पूरक हैं। अपराध और अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जनता का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने समाज के सभी लोगों से अपील की कि वे नशे और अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्ति करें, ताकि समाज को पूरी तरह नशा मुक्त और अपराध मुक्त बनाया जा सके। इस अवसर पर डीएसपी संजीव बल्हारा, कल्याण निरीक्षक सीमा सोढ़ी सहित पुलिस पब्लिक कमेटी के सदस्य मौजद रहे।

भाजपा सरकार बनाने में गोहाना क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान, विकास की नई रफ्तार तेज : डॉ अरविंद शर्मा

एजेंसी

सोनीपत। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा है कि गोहाना की जनता के आशीर्वाद से पहली बार कमल खिला है और भाजपा सरकार बनाने में क्षेत्र ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि जनता के इसी विश्वास के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 29 मार्च को सुबह 11 बजे नई सब्जी मंडी में आयोजित धन्यवाद एवं विकास रैली में शामिल होंगे, जहां कई विकास परियोजनाओं की घोषणा की जाएगी।मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने मदनलाल धींगड़ा पार्क व स्टेडियम तथा जवाहर लाल नेहरू पार्क में सुबह सैर के दौरान नागरिकों से संवाद किया और उन्हें रैली में शामिल होने का न्यौता दिया। इसके बाद उन्होंने शहर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेकर लोगों से अधिक संख्या में रैली में पहुंचने का आह्वान किया। कॉलेज मोड़ पर आयोजित एक कार्यक्रम में डॉ रीटा शर्मा के साथ पहुंचे मंत्री का स्वागत वरिष्ठ भाजपा नेता प्रदीप सांगवान व सुमित कक्कड़ ने किया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में गोहाना के विकास को नई दिशा मिलेगी और कई महत्वपूर्ण घोषणाएं क्षेत्र की तस्वीर बदलेंगी। उन्होंने कहा कि सरकार 36 बिरादरी की सांझी सरकार है, जिसमें हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

अंत्योदय की भावना के तहत जरूरतमंदों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है, लेकिन इसके लिए आमजन का सहयोग भी आवश्यक है। इस दौरान सुमित कक्कड़ द्वारा 2100 बेटियों को निशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण देने की पहल की सराहना करते हुए मंत्री ने अपने स्वैच्छिक कोष से 5 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बेटियों के कौशल विकास से समाज मजबूत होगा।

पंचकूला नगर निगम की एफडीआर में कथित गड़बड़ी, बैंक कर्मचारी गिरफ्तार

चंडीगढ़ ।

हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसवीएसीबी) ने पंचकूला नगर निगम की करीब 150 करोड़ रुपये की सावधि जमा रसीदों (एफडीआर) में कथित गड़बड़ी के मामले में पहली गिरफ्तारी की है। कोटक महिंद्रा बैंक के तत्कालीन ग्राहक संबंध प्रबंधक दिलीप कुमार राघव को गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि राघव ने नगर निगम को फर्जी एफडीआर रिपोर्ट भेजी और मुख्य आरोपियों के साथ मिलकर धोखाधड़ी की। नगर निगम का दावा है कि उसके रिकॉर्ड और बैंक रिकॉर्ड में करीब 150 करोड़ रुपये का अंतर है। बैंक विवरण के अनुसार 16 एफडीआर में जमा राशि 145 करोड़ रुपये से अधिक होनी चाहिए थी, जबकि खाते में शुरुआत में केवल 2.17 करोड़ रुपये और बाद में 12.85 करोड़ रुपये दिखाई दी, जो निगम के आंकड़ों से मेल नहीं खाती। बैंक ने कहा कि सभी लेनदेन बैंकिंग नियमों के तहत हुए और उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। एसवीएसीबी ने इस मामले में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, जालसाजी और आपराधिक साजिश का मामला दर्ज किया है। जांच अभी जारी है और अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है।

सुनील मित्तल एयरटेल अफ्रीका के चेयरमैन पद से होंगे रिटायर

नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के रूप में गोपाल विट्टल को किया गया नियुक्त

नई दिल्ली ।

भारत की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल की अफ्रीकी शाखा एयरटेल अफ्रीका में बड़ा नेतृत्व बदलाव होने जा रहा है। कंपनी के निदेशक मंडल ने कहा कि संस्थापक सुनील भारती मित्तल जुलाई में वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के बाद एयरटेल अफ्रीका के चेयरमैन पद से रिटायर होंगे। यह कदम कंपनी की उत्तराधिकार योजना का हिस्सा है और इसके जरिए नेतृत्व में निरंतरता सुनिश्चित की जाएगी। नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के रूप में गोपाल विट्टल को नियुक्त किया गया है। वहीं श्रावि‍न भारती मित्तल, सुनील मित्तल के बेटे, डिप्टी चेयरमैन की जिम्मेदारी संभालेंगे। कंपनी ने कहा कि श्रावि‍न मित्तल संस्थापक परिवार और अहम शेयरधारकों के बीच संपर्क का काम करेंगे और एयरटेल मनी बोर्ड तथा मुख्यालय, दुबई, के साथ बोर्ड संबंधों को बनाए रखेंगे। एयरटेल अफ्रीका की गैर-कार्यकारी निदेशक एनिका पौटियानेन भी जुलाई एजीएम के साथ सेवानिवृत्त होंगी। सुनील मित्तल ने उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने ऑडिट और जोखिम समिति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और बोर्ड की स्थिरता सुनिश्चित करने में मदद की। सुनील मित्तल ने कहा कि एयरटेल अफ्रीका के पास मजबूत रणनीति और उत्कृष्ट नेतृत्व टीम है। उन्होंने कहा, ÷यह मेरे लिए सम्मान की बात रही कि मैं कंपनी का नेतृत्व कर सका। अब समय आ गया है कि मैं चेयरमैन पद से हटूं, लेकिन जरूरत पड़ने पर कंपनी का समर्थन करता रहूंगा। एयरटेल अफ्रीका 14 अफ्रीकी देशों में सक्रिय है। कंपनी ने 2010 में जेन टेलकॉम का अधिग्रहण करके अफ्रीका में प्रवेश किया था। सुनील मित्तल 2019 में लंदन स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग के बाद से चेयरमैन पद पर थे।

सोने के भाव में तेजी, चांदी भी हुई महंगी

सोने की कीमत 1,44,100, चांदी 2,34,700 रुपए पर

नई दिल्ली ।

कमोडिटी बाजार में कीमती धातुओं ने जोरदार तेजी दिखाई है, जिससे निवेशकों का रुझान एक बार फिर सोना और चांदी की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों धातुओं के दाम में मजबूत बढ़त दर्ज की गई है। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 1,44,100 रुपये तक पहुंच गई है, जिसमें 5,188 रुपये की तेजी देखी गई। इसी तरह चांदी ने भी शानदार प्रदर्शन किया है और इसकी कीमत 2,34,700 रुपये पर पहुंच गई है, जो 10,759 रुपये की बढ़त को दर्शाती है। बाजार जानकारों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता, डॉलर में उतार-चढ़ाव और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग के चलते सोना और चांदी दोनों में खरीदारी बढ़ी है। यही वजह है कि दोनों धातुओं में इतनी तेज तेजी देखने को मिल रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर यही रुख जारी रहता है तो आने वाले दिनों में सोना और चांदी के दाम में और भी उछाल आ सकता है। ऐसे में निवेशकों के लिए यह समय रणनीति के साथ निवेश करने का हो सकता है। फिलहाल, बाजार में जारी इस तेजी ने कीमती धातुओं को फिर से सुर्खियों में ला दिया है और आने वाले सत्रों में इनकी चाल पर सबकी नजर बनी रहेगी।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर ।

गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा सामान्य ही रही। किन्तु दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे

चॉदी (9999) 227000, चॉदी (99) 226000, टंच 225500, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 147000,

कासलीवाल/पीएम/26 मार्च 2026

देशभर में पेट्रोल-डीजल की मांग में अचानक उछाल

एचपीसीएल ने आश्वासन दिया, ईंधन की कोई कमी नहीं

मुंबई ।

देशभर के पेट्रोल पंपों पर हाल के दिनों में भीड़ बढ़ने लगी है, क्योंकि पेट्रोल और डीजल की मांग में अचानक तेज़ी देखी गई है। सरकारी तेल कंपनी` हिंदुस्तान पेट्रो लियम कारपारेशन` लिमिटेड (एचपीसीएल) के अनुसार, पिछले दो दिनों में ईंधन की बिक्री में 15 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है, जबकि कुछ क्षेत्रों में यह बढ़ोतरी 50 फीसदी तक पहुंच गई है। एचपीसीएल ने साफ किया है कि यह उछाल मुख्य रूप से अचानक हुई खरीदारी और अफवाहों के कारण है, न कि किसी वास्तविक कमी की वजह से। कंपनी ने कहा कि देश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार मौजूद है और सभी सप्लाई सेंटर पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अफवाहों के कारण हुई इस अचानक मांग के उछाल को देखते हुए, जनता को सुरक्षित और संयमित खरीदारी करनी चाहिए।

होटल और रेस्तरां में एलपीजी और ईंधन चार्ज वसूली पर सीसीपीए सख्त

सीसीपीए ने किया स्पष्ट, मेन्यू में लिखी कीमत ही अंतिम

नई दिल्ली ।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने होटल और रेस्तरां संचालकों को चेतावनी दी है कि वे ग्राहकों से एलपीजी, गैस, ईंधन या अन्य परिचालन खर्चों के नाम पर अतिरिक्त शुल्क बिल में न जोड़ें। प्राधिकरण ने यह कदम उपभोक्ताओं से मिली लगातार शिकायतों और मीडिया रिपोर्ट्स के बाद उठाया है। सीसीपीए ने कहा कि मेन्यू में दर्ज कीमत ही अंतिम कीमत होनी चाहिए और इसके अलावा केवल लागू टैक्स ही बिल में अलग जोड़ा जा सकता है। सीसीपीए ने स्पष्ट किया कि एलपीजी, बिजली, गैस और अन्य परिचालन लागत व्यवसाय का हिस्सा हैं और इन्हें मेन्यू कीमत में शामिल करना ही सही तरीका है। इन खर्चों को अलग से वसूलना उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 2(47) के तहत अनुचित व्यापार व्यवहार माना जाएगा। इससे न केवल पारदर्शिता खत्म होती है बल्कि ग्राहकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ भी पड़ता है। सीसीपीए ने कहा कि कोई भी होटल या रेस्तरां ग्राहकों को किसी भी अतिरिक्त शुल्क के लिए मजबूर नहीं कर सकता। सभी शुल्क स्वैच्छिक होने चाहिए। अगर कोई रेस्तरां या होटल इन नियमों का उल्लंघन करता है, तो प्राधिकरण उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई करेगा। सीसीपीए ने यह भी स्पष्ट किया कि चाहे इन शुल्कों को किसी भी नाम से बुलाया जाए, यह सर्विस चार्ज या अतिरिक्त फीस की श्रेणी में आते हैं। बिल में डिफॉल्ट रूप से शुल्क जोड़ना 4 जुलाई, 2022 के जारी सीसीपीए दिशानिर्देशों का उल्लंघन है।

उड़ान योजना के नए चरण को मंजूरी, 10 वर्षों में 28,840 करोड़ खर्च होंगे

दूरदराज क्षेत्रों में हवाई संपर्क मजबूत करने के लिए 100 नए एयरपोर्ट का होगा विकास

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उड़ान योजना के अगले चरण को मंजूरी दे दी है। इस चरण के तहत 2026-27 से अगले 10 वर्षों में कुल 28,840 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह आवंटन पिछले दशक के मुकाबले काफी अधिक है, जब सरकार ने व्यवहार्यता अंतर निधि (वीजीएफ) और हवाई अड्डों के विकास पर करीब 9,200 करोड़ रुपये खर्च किए थे। नई योजना के तहत बंद पड़ी हवाई पट्टियों को पुनर्जीवित करते हुए 100 हवाई अड्डों का विकास किया जाएगा, जिस पर 12,159 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा, दुर्गम और दूरदराज क्षेत्रों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए

3,661 करोड़ रुपये की लागत से 200 आधुनिक हेलीपैड बनाए जाएंगे। सरकार ने यह भी स्वीकार किया है कि क्षेत्रीय हवाई अड्डे सीमित आय और उच्च संचालन एवं रखरखाव लागत की चुनौती से जूझते हैं। इसे देखते हुए अगले तीन वर्षों तक एयरपोर्ट्स को वित्तीय सहायता दी जाएगी। प्रति हवाई अड्डा 3.06 करोड़ रुपये सालाना और हेलीपोर्ट तथा वाटर एरोड्रोम के लिए 90 लाख रुपये तक की सहायता का प्रावधान किया गया है।

इस मद में 2,577 करोड़ रुपये का कुल आवंटन 441 एरोड्रोम के लिए किया गया है। वहीं गैर-लाभकारी हवाई मार्गों पर उड़ान संचालन के लिए एयरलाइंस को वीजीएफ के तहत 10 वर्षों में 10,043 करोड़ रुपये की सहायता दी जाएगी।

सरकार का मानना है कि इस योजना से देश में सस्ती हवाई यात्रा को बढ़ावा मिलेगा और भारत का विमानन क्षेत्र वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनेगा।

कोटक म हिंद्रा बैंक ने सावधि जमा धोखाधड़ी मामले में दर्ज की शिकायत

बैंक नगर निगम द्वारा संचालित जमा और संबंधित खातों का विस्तृत कर रहा मिलान

नई दिल्ली ।

पंचकुला नगर निगम से जुड़े सावधि जमा (फिक्स्ड डिपॉजिट) में कथित धोखाधड़ी के मामले के बाद कोटक महिंद्रा बैंक ने हरियाणा पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। बैंक ने कहा कि वह नगर निगम द्वारा संचालित जमा और संबंधित खातों का विस्तृत मिलान कर रहा है। बैंक प्रवक्ता ने बताया कि अब तक मिलान से पुष्टि हुई है कि खाता खोलने की प्रक्रिया, केवायसी दस्तावेज और अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता सही थे और लेन-देन बैंकिंग नियमों के अनुरूप प्रबंधित किए गए। बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन राशि का एक बड़ा हिस्सा नगर निगम के साथ मिलान हो चुका है और प्रक्रिया अब भी जारी है। बैंक ने यह भी कहा कि वह नगर निगम, सरकारी अधिकारियों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ पूरी तरह सहयोग कर रहा है। यह मामला हरियाणा सरकार की जमा राशि से जुड़ी अन्य धोखाधड़ी की घटनाओं के बीच सामने आया है। हाल ही में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्माल फाइनेंस बैंक में भी अनियमितताएं पाई गईं। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में चंडीगढ़ शाखा में 645 करोड़ रुपये की विसंगतियों का पता चला, जिसमें कर्मचारियों ने जाली

दस्तावेज़ और भुगतान निर्देशों मंजूर किए। इसमें शामिल कर्मचारियों को निलंबित किया गया और फोरेंसिक ऑडिट के लिए केपीएमजी नियुक्त किया गया। हरियाणा सरकार ने 18 फरवरी को निजी बैंकों में रखे सरकारी खातों को बंद करने का निर्देश दिया।

इसके बाद कई खातों को बंद करने के अनुरोध आए और विसंगतियाँ उजागर हुईं। कोटक महिंद्रा बैंक का मामला अभी जांचाधीन है

और बैंक ने धोखाधड़ी की राशि सार्वजनिक नहीं की है।

बांग्लादेश 56वें स्वतंत्रता दिवस पर आर्थिक और राजनीतिक दबाव में

बांग्लादेश की विकास दर वित्त वर्ष 2022 के बाद लगातार घटती जा रही

नई दिल्ली । बांग्लादेश 26 मार्च को अपना 56वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, लेकिन देश के सामने आर्थिक चुनौतियां भी हैं। वित्त वर्ष 2016 से 2019 तक देश की जीडीपी में 7 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई थी। कोविड-19 महामारी के दौरान यह विकास दर गिर गई और अर्थव्यवस्था डगमगा गई। महामारी के बाद सुधार हुआ, लेकिन वित्त वर्ष 2022 के बाद विकास दर लगातार घटती रही और वित्त वर्ष 2025 में यह केवल 3.5 फीसदी पर आ गई। मुद्रास्फीति भी लगातार बढ़ी है। वित्त वर्ष 2016 में यह 5.92 फीसदी थी और 2021 तक 6 फीसदी से नीचे रही। हाल के वर्षों में कीमतों में तेज़ी से वृद्धि हुई और वित्त वर्ष 2025 में मुद्रास्फीति 10 फीसदी से अधिक हो गई। बढ़ती महंगाई ने आम नागरिकों की जीवनशैली पर दबाव डाला है। वित्त वर्ष 2016 में व्यापार घाटा 15.78 अरब डॉलर था, जो वित्त वर्ष 2022 में 50.62 अरब डॉलर तक बढ़ गया। वित्त वर्ष 2024 में यह घटकर 27.3 अरब डॉलर हो गया, लेकिन वित्त वर्ष 2025 में निर्यात में गिरावट के कारण व्यापार घाटा दोबारा बढ़कर 38.19 अरब डॉलर हो गया। देश में समय-समय पर राजनीतिक अस्थिरता रही है। नई सरकार, बीएनपी प्रमुख तारिक रहमान के नेतृत्व में, ऐसे समय में चुनौतियों का सामना कर रही है .

पीएनजी नेटवर्क वाले इलाकों में नहीं मिलेगा एलपीजी सिलेंडर

सरकार एलपीजी संकट से निपटने के लिए पीएनजी को दे रही बढ़ावा

नई दिल्ली। सरकार ने आदेश जारी कर कहा है` कि जिन क्षेत्रों में पाइपलाइन से प्राकृतिक गैस (पीएनजी) उपलब्ध है, वहां के घरों को पीएनजी कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। यदि कोई उपभोक्ता तीन महीने के भीतर पीएनजी के लिए आवेदन नहीं करता है, तो उस पते पर एलपीजी सिलिंडर की आपूर्ति बंद कर दी जाएगी। यह नियम केवल उन घरों पर लागू होगा, जहां पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है या बिछाई जा रही है। तकनीकी अड़चन वाले मामलों में अनापत्ति प्रमाण पत्र देना आवश्यक होगा। सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक लोगों को पीएनजी नेटवर्क से जोड़ना है, ताकि पश्चिम एशिया संकट के चलते एलपीजी की आपूर्ति पर दबाव कम हो। पीएनजी को घरेलू उपयोग के लिए सुविधाजनक और स्थिर ईंधन विकल्प के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत जारी आदेश में पाइपलाइन बिछाने और विस्तार के लिए समयबद्ध रूपरेखा दी गई है, जिससे मंजूरी और भूमि तक पहुंच में देरी जैसी अड़चनों को कम किया जा सके। देशभर में अब तक 307 भौगोलिक क्षेत्रों में सीजीडी नेटवर्क विस्तार की मंजूरी दी गई है। 110 क्षेत्रों में 9,046 पीएनजी कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं। इसका उद्देश्य एलपीजी पर निर्भरता घटाना और ईंधन

आपूर्ति को स्थिर रखना है। सरकार ने वाणिज्यिक एलपीजी का कुल 50 फीसदी आवंटन सुनिश्चित किया है। और पेट्रोल व डीजल की कोई कमी नहीं है। देशभर के पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं। मुंद्रा पोर्ट ने निर्यातकों के लिए 15 दिन तक मुफ्त भंडारण, रेफर प्लग-इन शुल्क में 80 फीसदी छूट और लिफ्ट-ऑन/लिफ्ट-ऑफ व परिवहन शुल्क माफ करने जैसी सुविधाएं शुरू की हैं। इससे पश्चिम एशिया संकट के दौरान निर्यातकों को राहत मिलेगी।

इस निर्णय से घरेलू ईंधन आपूर्ति स्थिर होगी

और पीएनजी का उपयोग बढ़ाकर एलपीजी पर दबाव कम किया जा सकेगा।

ओडिशा और कर्नाटक में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का तेजी से विस्तार

चंद्रिखोल में 400 एकड़ भूमि मंजूर, 363.3 एकड़ के लिए आईएसपीआरएल को मांग पत्र मिल चुका

नई दिल्ली ।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने संसद को जानकारी दी है कि ओडिशा और कर्नाटक में भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार (एसपीआर) की विस्तार परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। ओडिशा के चंद्रिखोल में 400 एकड़ भूमि मंजूर हो चुकी है, जिसमें से 363.3 एकड़ के लिए इंडिया स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड (आईएसपीआरएल) को मांग पत्र मिल चुका है। शेष 36.7 एकड़ के लिए जल्द मांग पत्र जारी होने की उम्मीद है। कर्नाटक के पाडुर में भूमि अधिग्रहण का काम लगभग पूरा हो चुका है। देश में पहले से ही आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम और कर्नाटक के मंगलूर और पाडुर में कुल 53.3 लाख टन क्षमता वाले एसपीआर मौजूद हैं। ये भंडार आपूर्ति संकट के समय बफर के रूप में काम करते हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि देश की वर्तमान कुल राष्ट्रीय भंडारण क्षमता 74 दिन की है, जिसमें तेल विपणन कंपनियों की 64.5 दिनों की क्षमता शामिल है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार सदस्य देशों को पिछले वर्ष के शुद्ध आयात के बराबर 90 दिनों का तेल भंडार बनाए रखना होता है। सरकार ने जुलाई 2021 में ओडिशा (चंद्रिखोल) और कर्नाटक (पाडुर) में 65 लाख टन क्षमता वाली दो नई वाणिज्यिक-सह-रणनीतिक भंडार सुविधाओं को पीपीपी मॉडल के तहत मंजूरी दी थी। परियोजना की कुल लागत 14,527 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है,

जिसमें 60 प्रतिशत तक वित्तपोषण का व्यवहार्यता अंतर शामिल है।

पश्चिम एशिया में संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा संकट को देखते हुए सरकार पूरे देश में पर्याप्त स्टॉक स्थापित करने पर जोर दे रही है। इन भंडारों से आपूर्ति संकट के समय देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी।

अमेरिका-ईरान तनाव से म्युचुअल फंड एनएफओएस पर ब्रेक

फंड कंपनियों ने 15 मार्च के बाद सिर्फ तीन योजनाओं के लिए दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने भारतीय म्युचुअल फंड इंडस्ट्री को भी प्रभावित किया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मार्च में लगभग दो दर्जन नई योजनाओं को मंजूरी दी है, लेकिन अब तक केवल 9 नई इक्विटी योजनाएं (एनएफओएस) ही लॉन्च हुई हैं। फंड कंपनियों ने 15 मार्च के बाद सिर्फ तीन योजनाओं के लिए दस्तावेज जमा किए, जबकि पहले दो हफ्तों में 19 योजनाओं के लिए फाइलिंग हुई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि मार्च आम तौर पर वित्त वर्ष के अंत का महीना होने के कारण एनएफओएस की संख्या कम रहती है, लेकिन इस साल भू-राजनीतिक अनिश्चितता ने स्थिति और जटिल बना दी है। म्युचुअल फंड इंडस्ट्री के वरिष्ठ प्रतिनिधि का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, बढ़ती मुद्रास्फीति और ब्याज दरों की चिंताओं के कारण निवेशक नई योजनाओं में तुरंत निवेश नहीं कर रहे हैं। फंड कंपनियां इस समय नए एनएफओ लॉन्च करने में हिचकिचा रही हैं और बाजार स्थिर होने का इंतजार कर रही हैं। अमेरिका-ईरान संघर्ष का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ा है। मार्च में निफ्टी-50 लगभग 9 फीसदी गिर चुका है। पिछले 18 महीनों में बाजार पहले ही भारी बिकवाली का सामना कर चुका है। भू-राजनीतिक तनाव और तेल की कीमतों में तेजी से निवेशकों का विश्वास कमजोर हुआ है, जिससे व्यापक स्तर पर बिकवाली शुरू हो गई है। म्युचुअल फंड कंपनियां और निवेशक दोनों ही अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों और घरेलू बाजार दबाव को देखते हुए सतर्क हैं। मार्च में एनएफओएस की धीमी रफ्तार और शेयर बाजार में गिरावट संकेत देती है कि निवेशक केवल स्थिरता लौटने के बाद ही नए निवेश करने में रुचि दिखा रहे हैं।

जीएसटी कटौती से वाहन और कृषि उत्पादों की बिक्री में उछाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोक सभा में कहा कि सितंबर 2025 में जीएसटी दरों में सुधार लागू करने के बाद देश में आर्थिक गतिविधियों में स्पष्ट बढ़ोतरी देखी गई है। मंत्री ने बताया कि खुदरा यात्री वाहन बिक्री में 26.1 प्रतिशत, ग्रामीण यात्री वाहन बिक्री में 34 प्रतिशत, और दोपहिया वाहन बिक्री में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ट्रैक्टर की बिक्री में भी 36.4 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। सीमेंट उत्पादन लगभग 9.3 प्रतिशत बढ़ा। वित्त मंत्री ने कहा कि मासिक जीएसटी संग्रह में भी हाल के महीनों में लगातार वृद्धि हुई है। तमिलनाडु में दिसंबर 2025 में 8 प्रतिशत, जनवरी 2026 में 5 प्रतिशत और फरवरी 2026 में 18 प्रतिशत की एसजीएसटी वृद्धि देखी गई। मंत्री ने पहले सुविधा, बाद में प्रवर्तन दृष्टिकोण दोहराया। विलंबित ऑडिट में तकनीकी चूक के लिए निश्चित जुर्माने की व्यवस्था और शून्य कटौती प्रमाणपत्र के लिए नियम-आधारित स्वचालन की घोषणा की। प्राथमिक सहकारी समितियों को दूध, फल, सब्ज़ियां,

पशु चारा और कपास बीज की आपूर्ति पर कर कटौती का लाभ मिलेगा। सदस्यों को मिलने वाले लाभांश पर अनुकूल कर उपचार लागू होगा। भारत के मछली पकड़ने वाले जहाजों को विशेष आर्थिक क्षेत्रों और गहरे समुद्र में शुल्क से छूट मिलेगी। 1 अप्रैल 2026 से लागू नए आयकर प्रावधान अनुपालन सरल बनाएंगे, अपील सीमा बढ़ाएंगे और मुकदमेबाजी कम करेंगे।

डेटा केंद्रों के लिए निवेश प्रोत्साहन घरेलू अवसंरचना निर्माण और स्थानीय मूल्य संवर्धन से जुड़े हैं,

जिसमें निवेश का अनुमान 70 अरब डॉलर है।

धर्म, जाति और धर्मांतरणः सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

ललित गर्ग

धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल आरक्षण व्यवस्था अधिक स्पष्ट और न्यायसंगत बनेगी, बल्कि धर्मांतरण और कानूनी लाभ के बीच जो विसंगतियाँ थीं, वे भी काफी हद तक समाप्त होंगी। यह निर्णय सामाजिक संतुलन, कानूनी स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता-तीनों को मजबूत करने वाला निर्णय है।

धर्म, जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहेगा, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है।

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निमार्ताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था।

जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थीं।

धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी।

जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन का भी प्रश्न बन जाता है।

आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि जो लोग सामाजिक रूप से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में अवसर मिल सके। लेकिन यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग आरक्षण का लाभ लेते रहेंगे, तो इससे आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा और वास्तविक जरूरतमंद लोगों के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। इससे समाज में असंतोष और असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आरक्षण व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि संविधान की सुविधाएँ अधिकार हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। यहां अनेक धर्म, जातियां, भाषाएं और संस्कृतियां होते हुए भी देश एक है। लेकिन यदि धर्म, जाति और जनसंख्या संतुलन को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रयोग होते रहेंगे, तो इससे राष्ट्रीय एकता प्रभावित हो सकती है। धर्मांतरण यदि पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था और विचार की स्वतंत्रता के आधार पर हो तो वह व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन यदि वह लालच, भय, दबाव, सामाजिक अलगाव या राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, तो वह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया बन जाता है। इसलिए इस विषय पर संतुलित, संवेदनशील और राष्ट्रीय दृष्टि से विचार करना आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है। यह निर्णय केवल यह नहीं कहता कि धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाएगा, बल्कि यह निर्णय संविधान की मूल भावना को भी स्पष्ट करता है कि सामाजिक न्याय का आधार सामाजिक वास्तविकता है, न कि केवल कानूनी तकनीक। यह निर्णय यह भी स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उद्देश्य समाज में समानता और न्याय स्थापित करना है, न कि कानूनी व्यवस्था का दुरुपयोग होने देना।

आज भारत एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां कानून, संविधान और न्याय व्यवस्था केवल तकनीकी व्याख्याओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि सामाजिक वास्तविकता, राष्ट्रीय हित और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर निर्णय दिए जा रहे हैं। इस दृष्टि से यह निर्णय नए भारत की कानूनी सोच और संवैधानिक दृष्टि का प्रतीक भी कहा जा सकता है। यह निर्णय यह संदेश देता है कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता दोनों साथ-साथ चल सकते हैं और संविधान दोनों की रक्षा करने में सक्षम है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल आरक्षण व्यवस्था अधिक स्पष्ट और न्यायसंगत बनेगी, बल्कि धर्मांतरण और कानूनी लाभ के बीच जो विसंगतियाँ थीं, वे भी काफी हद तक समाप्त होंगी। यह निर्णय सामाजिक संतुलन, कानूनी स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता-तीनों को मजबूत करने वाला निर्णय है। इसलिए यह कहना उचित होगा कि यह निर्णय केवल एक न्यायालय का फैसला नहीं, बल्कि नए भारत, सशक्त भारत और संगठित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए।

संपादकीय

गंगा फिर भी मैली

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी को हमें एक गंभीर चेतावनी के रूप में लेना होगा, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरूआत होने वाली है। कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा की यह हालत करने के गुनहगार? विडंबना देखिये कि तमाम सख्ती के बावजूद सैकड़ों खुले नाले गंगा में गंदा पानी गिरा रहे हैं। तमाम उद्योगों का अपशिष्ट पानी अनेक जगह गंगा में गिराया जा रहा है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान ह्यनमामि गंगेह्ण शुरू किया गया था। बताया जाता है कि अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। सिर्फ सरकारी प्रयास काफी नहीं हैं। दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य श्रृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है।

चिंतन-मनन

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैं- आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं। किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रह्मसंहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं। जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं। जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते हैं और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते हैं कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती हैं और प्रलय बाद सारी वस्तुएं पुनः उन्हीं में विश्राम पाने के लिए लौट आती हैं।

सेहत से खिलवाड़ कब तक, खेत से थाली तक विष ही विष

मुकेश तिवारी

दूध हो या सब्जियां या फिर खाद्यान्न लोगों की सेहत के साथ हो रहा खिलवाड़ अब किसी से ढका छुपा नहीं है हाल की घटनाओं से यह बात भी सामने आ चुकी है कि नामी-गिरामी कंपनियां भी इस गोरखधंधे में बिना किसी हिचकिचाहट के शामिल है ,हैरानी की बात यह है कि इतना सब कुछ जग जाहिर होने के बाद हम अभी तक कोई ऐसा तंत्र विकसित नहीं कर पाए जिससे बच्चे से लेकर बूढ़े तक के स्वास्थ्य के साथ हो रहे खिलवाड़ को रोका जा सके, निगरानी का अभाव और लाचार कानून मिलावटखोरों को सींकचों पीछे जाने से रोक रहे हैं । हरित क्रांति का मकसद देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाना है । इस दिशा में देश को अभूतपूर्व सफलता भी मिली लेकिन कब जहरीले पंजों ने खेती किसानी में घुसपैठ कर ली,पता नहीं चला हद तो तब हो गई जब जानबूझकर प्रदेश सरकारे इस ओर आंखें मूंदे रहीं हैरानी इस बात की है। इस गंभीर मामले को अभी तक हमारे राजनीतिक दल अपनी नीतियों का हिस्सा नहीं बना पाए मुनाफा कमाने की अंधी दौड़ ने किसानों को भी परंपरागत खेती से पीछे छोड़ दिया और बढ़ती आबादी की जरूरत और मुनाफाखोरी की हवस ने मिलावट खोरी की जड़े गहरी कर दी पिछले तीन दशकों में खेती-किसानी में आए बदलाव ने उत्पादन को बढ़ाया लेकिन इस बदलाव के भयानक दुष्परिणामों पर ध्यान नहीं दिया गया। बैल और मवेशियों की जगह अब ट्रैक्टर और दूसरे आधुनिकतम यंत्रों ने ले ली है । लिहाजा गोबर और घूरे की राख से बनी कंपोस्ट खाद अब खेतों में दिखाई नहीं देतीं। फसल कटाई के पश्चात उसके रखरखाव में कीटनाशकों का जमकर उपयोग हो रहा है। जो स्वास्थ्य के लिए तो हानिकारक है ही आसपास के वातावरण को भी दूषित कर रहा है। कड़वा सच तो यह है कि आज खतरा सिर्फ रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के बढ़ते प्रयोग से ही नहीं है बल्कि खाद्य पदार्थों में जिस तरह मिलावट खोरी का कारोबार तेजी से पनप रहा है वह मानवीय स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा बन गया है । टमाटर गोभी और मूली, पालक जैसी सब्जियां पहले सिर्फ जाड़े के मौसम में ही बिकती थी। लेकिन अब वे मौसमी सब्जियां बारहों महीने धडल्ले से बिकने लगी हैं। महानगरों में इन सब्जियों की मांग अधिक है। क्योंकि अब लोगों के खानपान की शैली में तेजी से बदलाव आ रहा है। नई आर्थिक नीति के पश्चात देश में शहरी करण का तेजी के साथ विस्तार हुआ है। दिलचस्प तथ्य यह है कि शहरों में रह रहे लोगों की आमदनी बढ़ने का असर लोगों के रहन-सहन और खान-पान पर भी पड़ा है । वहीं यह कड़वा सच है बेमौसम फल और सब्जियां खाने की ललक ने रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को बेहद बढ़ावा दिया है । यहां ध्यान देने की बात यह है कि वेमौसमी फल और सब्जियों को उगाने में उर्वरक और कीटनाशक ज्यादा लगता है। यह तथ्य भी काफी दिलचस्प है कि दूध ,दही, पनीर फल और अनाज में भी आजकल जमकर मिलावट हो रही है। इस मामले में एक दिलचस्प तथ्य यह है कि मांसाहार हो या शाकाहार ऐसा कोई खाद्य पदार्थ नहीं है जो विषैले कीटनाशक और मिलावट से रहित हो बाजार में उपलब्ध आम , केला और पपीता जैसे फलों को कैल्शियम कार्बाइड की मदद से पकाया जाता है । खाद्य वस्तुओं में विषैले रसायनों के अतिरिक्त कई दूसरे किस्म की खतरनाक चीजों की मिलावट को चिकित्सक स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक मानते हैं। सूत्रों का कहना है कि फलों को चमकाने के लिए उन पर वेक्स भी लगाया जाता है । चिकित्सकों के मुताबिक वैक्स युक्त फलों का सेवन करने से डायरिया और कैंसर जैसी बीमारियां होती हैं। कृषि उत्पादों विशेषकर सब्जियों और डेयरी में ऑक्सीटॉसिन का बेहिचक होकर उपयोग हो रहा है। हैरानी इस बात पर है कि ऑक्सीटॉक्सिन का गलत ढंग से इस्तेमाल न हो इसलिए सरकार ने इसकी खुली बिक्री पर पाबंदी लगा रखी है । इसके बावजूद हिंदुस्तान भर में ऑक्सीटोक्सिन का उपयोग दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। गौरतलब है कि खाद्य वस्तुओं में मिलावट रोकने के लिए खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम 1954 और प्रिवेशन आफ फूड एडल्टरेशन एक्ट 1955 बनाया गया है । लेकिन इस एक्ट का ईमानदारी के साथ पालन नहीं हो रहा है। इन सब के बावजूद त्योहारों , शादी के सीजन में देश के प्रथक प्रथक भागों में कुंतल नकली मावा, पनीर, क्रीम,जप्त किया जाता है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने कुछ माह पूर्व कृत्रिम और मिलावटी दूध के गोरखधंधे का खुलासा किया था।

मध्यप्रदेश में दूध की गुणवत्ता परखने के लिए भेजे गए हैपलोग्रुप के परिणाम बताते हैं कि पिछले तीन सालों में औसतन 13-16 फीसदी सैपल अचानक पाये गये।

प्राधिकरण ने अपनी रिपोर्ट सार्वजनिक करते हुए बताया था कि देश में बिकने वाला 68.5 प्रतिशत दूध मिलावटी है । अभी हाल ही में आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में मिलावटी दूध के सेवन से 16 लोगो की मौत हो गई,जबकि तीन लोग गभीर रुप से बीमार है।दूध में मिलावट के कारण हुई मौतों के पीछे दूध में एथिलीन ग्लाइकोल नाम का जहरीला पदार्थ मिलाया जाना वताया जा रहा है।खुले बाजार में उपलब्ध पीसे हरे धनिया का चटक हरा रंग देख कर ग्राहक आकर्षित होता है । लेकिन इस सच्चाई को जाने बगैर कि इसमें रंग धान की भूसी और घोड़े की लीद मिली हुई है। ऐसे मिलावटी धनिए को उपयोग में लेने से लीवर किडनी और तिल्ली काफी प्रभावित होती है इसी तरह आटे में भी तमाम सारी चीजों की मिलावट की जाती है। तुअर और चने की दालों में भी खेसारी मटर बटरे की मिलावट की जाती है। ग्राहकों को हानिकारक तत्वों की मिलावट का पता न चले इसलिए बड़े ही सुनियोजित ढंग से दालों पर पोलिस की जाती है। खेसारी दाल में एक खास तरह का रसायन पाया जाता है । इस दाल के इस्तेमाल से स्नायु तंत्र और गठिया से जुड़ी बीमारियां होती हैं।

दुनिया एक रंगमंच है और हम सब बस एक किरदार

ऋतुपर्ण दवे

वास्तव में रंगमंच जीवंत कला को समझने.सम्मानित करने का एक अवसर होता है। विश्व रंगमंच दिवस की शुरूआत 1961 में अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान;आईटीआईद्ध द्वारा की गई और 27 मार्च 1962 को पेरिस में थ्यिएटर ऑफ नेशंसष सत्र के उद्घाटन के साथ मनाया गया। तभी से इस दिन को विश्वभर में विभिन्न कार्यक्रमोंए प्रस्तुतियोंए वाताओं और अन्य गतिविधियों के साथ मनाया जाने लगा। नाटक.अभिनय हर संस्कृति का अहम हिस्सा होते हैं। ये वैश्विक स्तर पर समाज और रंगमंच के गहरे प्रभाव की न केवल याद दिलाते हैं बल्कि रंगमंचीय कलात्मकता और रचनात्मकता का जश्न भी मनाते हैं। यह एक ऐसा अवसर और कला का प्रदर्शन है जिससे समाज में सामाजिकए सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी सामने आते हैं। दुनिया भर में इस मौके पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नाट्य कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इसी कड़ी में सबसे खास विश्व रंगमंच दिवस के संदेश का प्रसार होता हैए जिसमें अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान के बुलावे पर वैश्विक हस्तियां रंगमंच और शांति की संस्कृति विषय पर अपने विचार साझा करती हैं। इस आयोजन की शुरूआत करते हुए पहला विश्व रंगमंच दिवस संदेश 1962 में जीन कोक्ट्यू जो प्रख्यात फ्रांसीसी लेखकए नाटककार और निर्देशक थेए उनके द्वारा लिखा गया।

हर वर्षए थिएटर समुदाय में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति को अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान द्वारा विश्व रंगमंच दिवस संदेश की रचना हेतु चुना जाता हैए जो ष्रंगमंच और शांति की संस्कृतिष यानी थिएटर एंड ए कल्चर ऑफ पीस की थीम पर आधारित होता है। रंगमंच की खूबसूरती इसी में है कि यह कल्पनाओं पर आधारित न होकर समाज में घटित घटनाओंए मानव भावनाओं और जीवन संघर्षों को प्रभावी ढंग से दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करता है। रंगमंच यानी थिएटर केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह अभिव्यक्ति का प्रभावी और सशक्त जरिया है जो इंसानी अनुभवों और भावनाओं की विविधता को दशार्ता है। इसके जरिए प्राचीन ग्रीक त्रासदियों से अब तक तमाम प्रस्तुतियों का मंचन कर लगातार रंगमंच निखरता रहा है। सच कहें तो पीढ़ियों और संस्कृतियों के दर्शकों के हृदय को यही तो छूता है ! दरअसल यह अपनी कहानी कहने का भी मंच प्रदान करता है। अवसर कुछ ऐसा होता है जिसमें व्यक्ति जटिल से जटिल विषयों का अन्वेषण करए चिंतन के लिए बढ़ सकता है। परिवर्तन की प्रेरणा को साकार मूर्त रूप देने का भी यह अवसर होता है।

चाहे समाज में जागरूकता बढ़ाना हो या अंधविश्वास उजागर करनाए इन सारे महत्वपूर्ण विषयों में थिएटर की भूमिका अहम होती है। कला के जरिए प्रोत्साहन का इससे बेहतर अवसर और मंच की आवश्यक्ता को यह सिध्द करता है। कार्यशालाओंए प्रदर्शनों और चचाओं के जरिए एक दूसरे की भाषा से अनभिज्ञ दुनिया भर के लोग रंगमंच के जादू और इसकी परिवर्तनकारी क्षमता का जश्न मनाते एक साथ आकर भाषा न समझे लेकिनए भावनाओं को समझते हैं। सच कहें तो रंगमंच न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करता हैए बल्कि आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भागीदार होता है। रोजगार सृजन से लेकर पर्यटन के आकर्षण और आर्थिक विकास को गति देने में रंगमंच उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावाए रंगमंच रचनात्मकए आलोचनात्मक सोच और सहानुभूति को बढ़ावा देता हैए जो व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए आवश्यक कौशल है। सांस्कृतिक आदान.प्रदान और संवाद को बढ़ावा देकरए रंगमंच विभिन्न पृष्ठभूमियों के व्यक्तियों के बीच दूरियों को कम करता है और समझ को बढ़ाता है। यह सहयोग और समन्वय भी प्रोत्साहित करता हैए जिससे समुदाय और अपनेपन की भावना विकसित होती है।

रंगमंच महज मनोरंजन का साधन न होकर समाज का आईना भी है। जिसमें हमेंए हमारी छवि साफ दिखती है। इसके जरिए समाज की हकीकत भी सामने आती हैं। मंच पर प्रस्तुत सारी कहानियांए संवाद और अभिनय कहीं न कहीं हमारे वास्तविक जीवन की किसी न किसी सच्चाई को प्रतिबिंबित करते हैं। इसका जरिया कुछ भी हो सकता है। चाहे ग्रीक ट्रैजेडी होए कॉमेडी या फिर लोकनाट्य या फिर हमारा मौजूदा थिएटर सबका मकसद एक ही होता है कि किस प्रकार समाज को जागरूक करेंए कैसे नई दिशा और दृष्टि देकरए सुधार ला सकें।

भारतीय रंगमंच के संदर्भ में देखें तो इसका बहुत पुराना इतिहास है जो वैदिक काल से जुड़ा हुआ है। इसे भरतमुनि के ष्नाट्य शास्त्रष द्वारा औपचारिक रूप दिया गया जो कि नाटक पर एक जरूरी ग्रन्थ के रूप में दस्तावेज है। यह ईसा पूर्व 2000 और चौथी शताब्दी के बीच लिखा गया था। यह कहानी कहने की शैलियों से विकसित हुआ जिसमें सस्वर पाठए गायन और नृत्य शामिल थे। शास्त्रीय संस्कृत नाटकए पारंपरिक स्थानीय रूप और समकालीन रंगमंच शामिल हैं। भारतीय नाट्यशास्त्र नाटक के विभिन्न रूपों को न केवल वगीर्कृत करता है बल्कि रंगमंच में अभिनेताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली विधियों को भी रेखांकित करता है। पारंपरिक भारतीय रंगमंच नृत्य और नाटक को मिलाते हुए प्रायः हिंदू ग्रंथों में निहित कहानियों को भी प्रदर्शित करते हैं। कथकली विशेष उदाहरण है जिसमें जटिल वेशभूषा और श्रृंगार की विशेषताओं से युक्त अत्यधिक शैलीगत प्रदर्शन होता है।

भारत के संदर्भ में कई व्यावसायिक थियेटर ग्रुप अच्छा काम कर रहे हैं। इनसे जुड़कर अच्छे रोजगार की संभावनाएं भी बनती हैं और रंगमंच में पहचान अलग। रंगमंचीय अभिनयए निर्देशनए परिकल्पना और अन्य कई विधाएं जैसे कोरियोग्राफरए आर्ट डायरेक्टरए स्क्रिप्ट लेखकए सेट डिजाइनरए लाइटए साउंड और तकनीक आदि हमारी कला और संस्कृति को जीवंत रखते हुए रोजगार और पहचान के भी बेहतरीन अवसर देती हैं। महान अंग्रेजी नाटककारए कवि अभिनेता रहे विलियम शेक्सपियर को भला कौन नहीं जानता होगा! उनके लिखे दार्शनिक शब्द आज भी यथार्थ के धरातल पर वैसे ही प्रभावी हैंए जितना उन्होंने अपने जीवन काल 1564.1616 के दौरान लिखे थे। ऐसी ही अनेकों रचनाओं ने उन्हें महान नाटककार बनाया। शेक्सपियर आज भी थिएटर के जाने.मानेए प्रभावी व्यक्तित्व हैं। उनके लिखे शब्द श्सारा संसार एक रंगमंच है जिसमें सभी पुरुष.महिलाएं महज कलाकार हैं।श शेक्सपियर ने हैमलेटए रोमियो.जूलियटए मैकबेथ जैसे 38 से अधिक नाटक और कई सॉनेट लिखे। जीवन वास्तव में एक दार्शनिक सत्यए तथ्य और रंगमंच है जिसमें बाल अवस्था से वृध्दावस्था और मृत्यु तक हमारे ढ़ेरों किरदार होते हैं। कोई नायकए कोई खलनायकए कोई विदूषकए तो कोई विचारक होता है। हम अपने जीवन के अलग.अलग चरणों में भिन्न.भिन्न भूमिकाएं निभाते हैं।

इस वर्ष 64वां विश्व रंगमंच दिवस शुक्रवार 25.27 मार्च तक लक्जमबर्ग में हो रहा है। विषय ष्रंगमंच और शांति की संस्कृतिष हैए जो विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवादए सहानुभूति और समझ को बढ़ावा देने में जीवंत प्रदर्शन की भूमिका पर जोर देता है। इस संदेश को जाने.माने अमेरिकी अभिनेता विलेम डेफो ने लिखा हैए जिसमें रंगमंच के साझा मानवीय अनुभवए चिंतन और नैतिक जुड़ाव को प्रस्तुत किया गया है। सच में रंगमंच हमें अपने जीवन में नई सीखए समझ के साथ हर दिन जीने की प्रेरणा देता है। हमें थिएटर जाना चाहिएए लोगों को प्रेरित भी करना चाहिए। थिएटर के मर्मए धर्म और सत्य को समझना.स्वीकारना चाहिए। जिंदगी में अपने किरदार को पहचानना और जरूरत पड़ने पर बदलना भी चाहिए शायद यही सच्चा थिएटर होगा।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण प्रशांत महासागर में 7.6 मैग्नीट्यूड का भूकंप

टोंगा , एजेंसी। दक्षिणी प्रशांत महासागर में टोंगा के नजदीक 7.6 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, भूकंप का केंद्र समुद्र में 237 किलोमीटर की गहराई में था और जमीन पर भी तगड़े झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र टोंगा के दूसरे सबसे बड़े शहर नीएफू से 153 किलोमीटर दूर पश्चिम में था। भूकंप में अभी तक किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

रूस ने यूक्रेन पर करीब 400 ड्रोन दागे, छह लोगों की मौत

कीव, एजेंसी। रूस के ड्रोन और मिसाइल हमले में यूक्रेन के छह लोगों की मौत हो गई और 46 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि रूस की सेना ने यूक्रेन की अग्रिम रक्षा पंक्ति को तोड़ने के प्रयास तेज कर दिए हैं, जिसे वसंत में संभावित जमीनी हमले की शुरुआत माना जा रहा है। यूक्रेन की वायु सेना ने बताया कि रूस ने रातभर में लगभग 400 लंबी दूरी के ड्रोन दागे, जो हाल के हफ्तों का सबसे बड़ा हमला है। यह हमला मंगलवार तक जारी रहा और दिन में भी राजधानी कीव को कई ड्रोन से निशाना बनाया गया। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने बताया कि रूस ने ईरान में डिजाइन किए गए शाहेद ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए सात शहरों पर हमला किया। वायु सेना के अनुसार, रूस ने रात में देशभर में 10 स्थानों पर 23 क्रूज मिसाइल और सात बैलिस्टिक मिसाइल भी दागीं। दोपहर में हुए हमलों में मध्य यूक्रेन के शहर निप्रो में 13 लोग घायल हुए, जिनमें तीन बच्चे शामिल हैं। पश्चिमी शहर लविव में एक अपार्टमेंट पर हमले में भी 13 लोग घायल हुए।

डेनमार्क चुनाव में प्रधानमंत्री फ्रेडरिकसेन को बहुमत के आसार नहीं

कोपेनहेगन, एजेंसी। डेनमार्क के आम चुनाव में निर्णायक नतीजे आने का अनुमान नहीं है। प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन के भविष्य पर संशय बरकरार है। इस राजनीतिक अभियान के दौरान ग्रीनलैंड संकट के बजाय रोजी-रोटी के मुद्दों पर ध्यान दिया गया। मंगलवार को जारी नतीजों में महिला प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन की सेंटर-लेफ्ट सोशल डेमोक्रेट्स पार्टी ने 2022 के चुनाव की तुलना में कम सीटें जीतीं। उनकी निवर्तमान सरकार के दोनों सहयोगी दलों को भी नुकसान हुआ। इस चुनाव में संसद में न तो वामपंथी और न ही दक्षिणपंथी गुट को बहुमत मिला। अनुभवी विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन किंगमेकर बन गए, जो पूर्व प्रधानमंत्री हैं। उनकी सेंट्रिस्ट मॉडरेट पार्टी अब तय करेगी कि फ्रेडरिकसेन तीसरा कार्यकाल संभालेंगी या नहीं। बता दें कि यूरोपीय संघ और नाटो का सदस्य देश डेनमार्क की आबादी करीब 60 लाख है।

ताइवान के करीब फिर दिखे चीनी विमान और नौसैनिक जहाज

ताइपे, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ताइवान के आसपास एकबार फिर चीनी गतिविधि देखी गई है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक बुधवार सुबह करीब 6 बजे क्षेत्रीय जल के पास चीन के 16 विमान, 10 नौसैनिक जहाज और दो आधिकारिक जहाज देखे गए। इनमें से 13 विमानों ने मध्य रेखा पार कर ताइवान के हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश किया। इससे पहले मंगलवार को भी तीन चीनी सैन्य विमान और नौ जहाज देखे गए थे। गौरतलब है कि ताइवान को ऐतिहासिक और राजनीतिक तर्कों के आधार पर चीन अपना अविभाज्य हिस्सा मानता है। दूसरी तरफ ताइवान स्वतंत्र प्रशासन, सेना और अर्थव्यवस्था के आधार पर अपनी अलग पहचान का दावा करता है। ऐसे में ताइवान की स्थिति अंतरराष्ट्रीय बहस का महत्वपूर्ण बिंदु है। चीन का दावा सैकड़ों साल पहले 1683 में किंग राजवंश के द्वीप पर कब्जे से शुरू हुआ। 1949 में चीन में गृहयुद्ध होने के बाद हालात बदल गए। फिलहाल, ताइवान स्वतंत्र है, लेकिन सैन्य संघर्ष से बचने के लिए यहां के प्रशासन ने औपचारिक स्वतंत्रता घोषित नहीं की है।

ट्रंप की लोकप्रियता घटी : ईरान जंग और महंगाई के बीच गिरकर 36 प्रतिशत पहुंची ; 61% अमेरिकियों ने हमले को नकारा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता घटकर 36 प्रतिशत रह गई है। यह उनके दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद का सबसे कम स्तर है। यह जानकारी रॉयटर्स/इप्सोस के एक सर्वे में सामने आई है। चार दिन तक चले इस सर्वे में पाया गया कि ट्रंप के कामकाज से संतुष्ट लोगों की संख्या 40 प्रतिशत से घटकर 36 प्रतिशत रह गई है। सर्वे के अनुसार, ईंधन की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी और ईरान के साथ युद्ध को लेकर लोगों की नाराजगी का असर ट्रंप की लोकप्रियता पर पड़ा है। अमेरिका और इस्राइल के 28 फरवरी को ईरान पर हमले के बाद पेट्रोल की कीमतें बढ़ी हैं, जिससे लोगों का खर्च बढ़ा है।

कुवैत के एयरपोर्ट पर ईरान का ड्रोन अटैक: फ्यूल टैंक में आग लगी

इराकी लड़ाकों का अमेरिका के 23 ठिकानों पर हमला

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 26वां दिन है। ईरान ने मंगलवार रात कुवैत के इंटरनेशनल एयरपोर्ट ड्रोन अटैक किया, जिससे वहां मौजूद फ्यूल टैंक में आग लग गई। कुवैत की सेना ने जवाबी कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि अगर कहीं धमाके की आवाज सुनाई दे रही है, तो वह दुश्मन के ड्रोन और मिसाइलों को हवा में ही मार गिराने की वजह से है। सेना ने लोगों से अपील की है कि वे सरकार के सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। इससे पहले कुवैत के नेशनल गार्ड ने बताया कि उसने अपने इलाके में 5 ड्रोन मार गिराए हैं। वहीं, इराक के एक उग्रवादी समूह इस्लामिक रेजिस्टेंस इन इराक ने कहा है कि उसने पिछले 24 घंटे में अमेरिका से जुड़े 23 ठिकानों पर हमले किए हैं। ग्रुप के मुताबिक, इन हमलों में ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। हालांकि, इन हमलों से कितना नुकसान हुआ, इसकी पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

हिजबुल्लाह ने इजराइल पर 30 रॉकेट दागे : लेबनान के उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह ने आज इजराइल पर करीब 30 रॉकेट दागे गए। हमलों के बाद उत्तरी इजराइल के कई इलाकों में सायरन बजने लगे। फिलहाल यह साफ नहीं है कि इन हमलों से कितना नुकसान हुआ। गाजा में इजराइल की एयरस्ट्राइक, 4 लोगों की मौत सेंट्रल गाजा में इजराइल के हवाई हमले में 4 लोगों की मौत हो गई है। न्यूज एजेंसी वफा के मुताबिक, यह हमला अज-जवायदा इलाके में हुआ, जहां अचानक एयर स्ट्राइक की गई। एक्सपर्ट बोले- ट्रम्प के चारों ओर जाल कसता जा रहा अमेरिका के डिफेंस एक्सपर्ट और व्हाइट हाउस के पूर्व सलाहकार रॉबर्ट पेप ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प के चारों ओर जाल कसता जा रहा है। ट्रम्प ईरान के साथ बढ़ते तनाव में ऐसे हालात में फंस सकते हैं, जहां युद्ध धीरे-धीरे और बड़ा होता चला जाता है। रॉबर्ट पेप ने भारतीय मीडिया से बात करते हुए कहा कि शुरुआत में छोटे-छोटे हमले किए जाते हैं, लेकिन जब उनसे बड़ा टागरेट हासिल नहीं होता, तो हमले और बढ़ा दिए जाते हैं। इसी को 'एस्केलेशन ट्रैप' कहा जाता है, यानी ऐसा जाल जिसमें फंसकर युद्ध लगातार बढ़ता जाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर युद्ध बढ़ा, होर्मुज स्ट्रेट पर असर पड़ सकता है, जहां से दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल गुजरता है। इससे तेल महंगा हो सकता है और दुनिया की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ सकता है। पेप के मुताबिक, इस स्थिति में ईरान मजबूत हो सकता है और तेल पर ज्यादा कंट्रोल हासिल कर सकता है। हालात संभालने के लिए इजराइल की सैन्य कार्रवाई को कंट्रोल करना जरूरी है और यह फैसला ट्रम्प ही ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका के मरीन सैनिक ईरान पहुंच जाते हैं, तो हालात और ज्यादा खराब हो सकते हैं। अभी ट्रम्प ने हमले कुछ दिनों के लिए कम किए हैं, लेकिन यह सिर्फ समय लेने का तरीका हो सकता है। पेप ने यह भी कहा कि जब तक अमेरिका अपने सैनिकों को वापस नहीं बुलाता, तब तक यह नहीं कहा जा सकता कि तनाव कम हो रहा है।

अमेरिकी संसद में ईरान जंग रोकने का प्रस्ताव गिरा अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट में ईरान जंग रोकने के लिए लाया गया प्रस्ताव गिर गया। विपक्षी डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से लाए गए इस प्रस्ताव के पक्ष में 47 जबकि विपक्ष में 53 वोट पड़े। यह तीसरी बार था जब डेमोक्रेट्स ने ऐसा प्रस्ताव रखा था। उनका कहना है कि अमेरिका में युद्ध शुरू करने का अधिकार कांग्रेस के पास होता है, इसलिए ट्रम्प बिना पूरी मंजूरी के यह कदम नहीं उठा सकते। इसी वजह से वे लगातार ऐसे प्रस्ताव ला रहे हैं, ताकि सरकार पर दबाव बनाया जा सके। डेमोक्रेट्स ने यह भी आरोप लगाया है कि ट्रम्प सरकार इस युद्ध को ठीक से समझा नहीं पा रही है। सांसद क्रिस मर्फी ने कहा कि सरकार अब तक यह नहीं बता पाई है कि युद्ध क्यों जरूरी है। डेमोक्रेट्स ने साफ कर दिया है कि वे इस मुद्दे को यहीं नहीं छोड़ेंगे और हर हफ्ते इस पर वोटिंग कराते रहेंगे, जब तक सरकार आकर अपनी बात साफ नहीं करती।

टोक्यो में चीनी दूतावास में घुसने के आरोप में जापानी सैनिक गिरफ्तार, चीन ने जताया विरोध; मांगा जवाब

टोक्यो , एजेंसी। जापान के अधिकारियों ने बुधवार को एक जापानी सैनिक को गिरफ्तार करने की पुष्टि की है। इस सैनिक पर कथित रूप से टोक्यो में चीनी दूतावास में बिना इजाजत (अवैध रूप) से घुसने का आरोप है। चीन ने इस घटना पर विरोध जताया था, जिसके एक दिन बाद यह गिरफ्तारी हुई है। अब यह मामला जापान और चीन के बीच बढ़ते तनाव का नया केंद्र बन गया है।

चीनी विदेश मंत्रालय ने क्या कहा : चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बीजिंग में एक मीडिया वार्ता के दौरान बताया कि मंगलवार सुबह एक व्यक्ति दीवार फांदकर दूतावास परिसर में जबरन घुस आया। उस व्यक्ति ने खुद को जापानी आत्म-रक्षा बल का अधिकारी बताया था। टोक्यो पुलिस ने बुधवार को जानकारी दी कि गिरफ्तार व्यक्ति की उम्र 23 साल है और वह जापान की थल सेना (जीएसडीएफ) का सदस्य है। जापानी सेना ने पुष्टि की है कि संदिग्ध सैनिक मियाजाकी प्रांत के कैंप एबिनो में तैनात है। सेना के अधिकारी इस मामले में पुलिस का पूरा सहयोग कर रहे हैं। जापानी मीडिया ने पुलिस के हवाले से बताया कि यह सैनिक चीनी राजदूत को यह कहने के लिए दूतावास में घुसा था कि चीन जापान के प्रति अपना कड़ा रुख बंद करे। सैनिक के पास एक चाकू भी था। उसने धमकी दी थी कि अगर उसकी मांग नहीं मानी गई, तो वह खुद को मार लेगा। जापान के सरकारी चैनल एनएचके के अनुसार, उस व्यक्ति को मौके पर ही पकड़ लिया गया और आगे की जांच के लिए टोक्यो पुलिस को सौंप दिया गया। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, उस व्यक्ति ने कथित तौर पर दूतावास की दीवार फांदी थी और वहां एक चाकू भी मिला है। चीन ने इस घटना पर गहरा दुख और गुस्सा जताया है। प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि जापान अपने सैनिकों को ठीक से नियंत्रित और अनुशासित करने में नाकाम रहा है। उन्होंने कहा कि जापान ने चीनी दूतावास और उसके कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं की। चीन ने मांग की है कि जापान इस मामले की पूरी जांच करे, दोषी को सजा दे और चीन को इस पर स्पष्टीकरण दे। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ा हुआ है।

बांग्लादेश नरसंहार दिवस: 1971 हत्याकांड था सुनियोजित कत्लेआम: पीएम तारिक रहमान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में 25 मार्च को मनाए जाने वाले नरसंहार दिवस पर प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने 1971 के हत्याकांड को सुनियोजित नरसंहार बताते हुए शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि 25 मार्च 1971 का दिन बांग्लादेश के इतिहास में सबसे काले और क्रूर दिनों में से एक है, जब पाकिस्तानी सेना ने 'ऑपरेशन सर्चलाइट' के नाम पर निहत्थे नागरिकों पर हमला किया।

शिक्षकों और नागरिकों को बनाया निशाना : प्रधानमंत्री ने बताया कि उस रात ढाका विश्वविद्यालय, पिलखाना और राजारबाग पुलिस लाइंस समेत कई जगहों पर शिक्षकों, बुद्धिजीवियों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलियां चलाई गईं। इस हमले में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई।उन्होंने इसे पूरी तरह से पूर्व नियोजित कत्लेआम बताते हुए कहा कि उस समय की राजनीतिक परिस्थितियों और नेतृत्व की भूमिका पर आज भी शोध की जरूरत है।

यहीं से शुरू हुआ मुक्ति संग्राम : रहमान ने कहा कि 25 मार्च की रात चट्टोग्राम में 8वीं ईस्ट बंगाल रेजिमेंट ने 'वी रिवोल्ट' का नारा देकर प्रतिरोध शुरू किया। इसी के साथ नौ महीने लंबे बांग्लादेश मुक्ति संग्राम की शुरुआत हुई, जिसने अंततः देश को आजादी दिलाई।

नई पीढ़ी को इतिहास जानना जरूरी : प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वतंत्रता के मूल्य समझाने के लिए 25 मार्च के नरसंहार के बारे में जानना जरूरी है। उन्होंने शहीदों के बलिदान को याद करते हुए समानता, मानव गरिमा और सामाजिक न्याय पर आधारित समाज बनाने की अपील की। इस बीच बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में पेश उस प्रस्ताव का स्वागत किया है, जिसमें 1971 के नरसंहार को औपचारिक मान्यता देने की मांग की गई है। यह प्रस्ताव ग्रेग लैंड्समैन द्वारा पेश किया गया है। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से एक न्यायपूर्ण, विकसित, आत्मनिर्भर और लोकतांत्रिक बांग्लादेश के निर्माण के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

कभी मेल बैलेट के विरोधी रहे ट्रंप ने खुद इसी से किया मतदान

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर फ्लोरिडा में मेल बैलेट के जरिए अपना वोट डाला है। जबकि वे सार्वजनिक रूप से इस मतदान तरीके को धोखाधड़ी का जरिया बताते हैं और कांग्रेस से इसे सीमित करने की मांग कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ उन्होंने खुद इसी तरीके का इस्तेमाल किया। पाम बीच काउंटी के रिकॉर्ड से पता चला है कि राष्ट्रपति ने मंगलवार को राज्य विधानसभा सीटों के लिए हुए विशेष चुनाव में मेल से वोट दिया और उनके वोट की गिनती भी हो गई है। ट्रंप के समर्थन के बावजूद उनके रिपब्लिकन उम्मीदवार यहां से चुनाव हार गए है। यहां डेमोक्रेट की एमिली ग्रेगरी ने जीत हासिल की है।

व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ओलिविया वेल्स ने इस पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि ट्रंप 'यूनिवर्सल मेल-इन वोटिंग' के खिलाफ हैं, न कि उन व्यक्तिगत मामलों के जहां मतदाता को इसकी जरूरत होती है। वेल्स के अनुसार, ट्रंप जिस 'सेव अमेरिका एक्ट' का समर्थन करते हैं, उसमें बीमारी, विकलांगता, सेना या यात्रा जैसी स्थितियों में मेल से वोट देने की छूट दी गई है। उन्होंने कहा यूनिवर्सल मेल-इन वोटिंग की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि इसमें धोखाधड़ी की बहुत ज्यादा गुंजाइश होती है। उन्होंने कहा कि ट्रंप फ्लोरिडा के निवासी हैं लेकिन वे वाशिंगटन में रहते हैं, इसलिए उनका मेल से वोट देना कोई बड़ी बात नहीं है।

इसके बावजूद, ट्रंप ने पिछले हफ्त मेल-इन वोटिंग को धोखाधड़ी और बेहद भ्रष्ट बताया था। वे कांग्रेस से 'सेव एक्ट' पास करने का आग्रह कर रहे हैं ताकि मेल मतदान के विकल्पों को बहुत सीमित किया जा सके। हालांकि, ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन की 2025 की एक रिपोर्ट के अनुसार, मेल मतदान में धोखाधड़ी के मामले न के बराबर हैं। रिपोर्ट बताती है कि हर एक करोड़ वोटों में से सिर्फ चार मामलों में ही गड़बड़ी पाई गई है। सीनेट में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने ट्रंप के इस कदम की आलोचना की है। शूमर ने कहा कि ट्रंप के अनुसार जब दूसरे लोग मेल से वोट दें तो वह 'धोखाधड़ी' है, लेकिन जब वे खुद ऐसा करें तो वह सही है। ट्रंप 2020 के चुनाव में अपनी हार के बाद से ही मेल मतपत्रों पर निशाना साध रहे हैं। हालांकि, अमेरिकी अदालतों और उनके खुद के अटॉर्नी जनरल को चुनाव नतीजों को प्रभावित करने वाली किसी धोखाधड़ी का कोई सबूत नहीं मिला।

फ्लोरिडा के इस चुनाव में ट्रंप ने रिपब्लिकन उम्मीदवार जॉन मेपल्स का समर्थन किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों से मेपल्स को वोट देने की अपील की थी, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्होंने खुद मेल से वोट दिया है। ट्रंप के समर्थन के बावजूद जॉन मेपल्स चुनाव हार गए और डेमोक्रेट एमिली ग्रेगरी ने जीत हासिल की।

ब्रिटेन सरकार का फैसला- नए घरों में सोलर पैनल और हीट पंप अनिवार्य, ऊर्जा सुरक्षा के लिए अहम कदम

लंदन, एजेंसी। ईरान युद्ध से पैदा हुए वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच ब्रिटेन ने ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने इंग्लैंड में बनने वाले सभी नए घरों में सोलर पैनल और हीट पंप अनिवार्य करने का एलान किया है, ताकि जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता घटाई जा सके। ब्रिटेन सरकार ने मंगलवार को नए नियम पेश करते हुए स्पष्ट किया कि यह कदम नीति-निर्माताओं की ओर से ईरान युद्ध के आर्थिक और ऊर्जा प्रभावों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। सरकार के अनुसार, यह पहल फ्यूचर होम्स स्टैंडर्ड का हिस्सा है, जो 2028 से लागू होगा। इस मानक के तहत सभी नए घरों में ऑन-साइट रिन्यूएबल बिजली उत्पादन सुनिश्चित किया जाएगा, जिसमें प्रमुख भूमिका सौर ऊर्जा की होगी। साथ ही, घरों में लो-कार्बन हीटिंग सिस्टम जैसे हीट पंप और हीट नेटवर्क को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाएगा। ब्रिटेन के ऊर्जा मंत्री एड मिलिबैंड ने कहा, ईरान युद्ध ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि ऊर्जा सुरक्षा के लिए स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ना जरूरी है। उन्होंने कहा सरकार का लक्ष्य जीवाश्म ईंधन बाजारों की पकड़ से बाहर निकलना है, जिन पर देश का नियंत्रण नहीं है। मिलिबैंड ने यह भी बताया कि सरकार न केवल नए घरों में सोलर पैनल को मानक बना रही है, बल्कि आने वाले महीनों में दुकानों पर प्लग-इन सोलर पैनल भी उपलब्ध कराए जाएंगे, जिन्हें लोग अपने घरों की बालकनी में आसानी से स्थापित कर सकेंगे।

ऊर्जा सुरक्षा बनाम घरेलू उत्पादन : इस फैसले को लेकर ब्रिटेन की घरेलू राजनीति में भी बहस तेज हो गई है। विपक्षी कंजरवेटिव पार्टी की शैडो एनर्जी सेक्रेटरी क्लेयर कुटिन्हो ने सरकार से नॉर्थ सी में नए तेल और गैस क्षेत्रों के लाइसेंस जारी करने की मांग की है, ताकि घरेलू ऊर्जा आपूर्ति बढ़ाकर उपभोक्ताओं के बिल कम किए जा सकें। यह बहस इस बात को रेखांकित करती है कि ऊर्जा संकट से निपटने के लिए देशों के सामने दो विकल्प हैं, नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेज बदलाव या पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाना।

अन्य देशों ने भी अपनाए सख्त उपाय : छुट्टी, राशनिंग और 'वर्क फ्रॉम होम' का सहारा एशियाई देशों ने सबसे तेजी से कदम उठाए हैं। श्रीलंका ने स्कूलों और सरकारी दफ्तरों में छुट्टी घोषित कर दी, साथ ही क्यूआर कोड आधारित फ्यूल राशनिंग लागू कर दी। बांग्लादेश ने शिक्षा संस्थान बंद कर ऑनलाइन पढ़ाई शुरू कर दी और रोजाना 5 घंटे की बिजली कटौती लागू की। भूटान ने जमाखोरी रोकने के लिए जरीकैन में ईंधन बिक्री पर प्रतिबंध लगाया। पाकिस्तान में चार दिन का वर्क वीक लागू।

शांति वार्ता के बीच ट्रंप को ईरान से मिला रहस्यमयी तोहफा, बोले- ये तेल और गैस से जुड़ा महंगा गिफ्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को एक चौंकाने वाला बयान दिया। ईरान के साथ युद्धविराम पर बातचीत की चर्चाओं के बीच ट्रंप ने कहा है कि ईरान ने उन्हें एक बहुत बड़ा और काफी कीमती तोहफा भेजा है। हालांकि उन्होंने इस तोहफे के बारे में कोई जानकारी नहीं दी और सिर्फ इतना कहा कि ये तोहफा तेल और गैस से जुड़ा है। ट्रंप जहां ईरान के साथ बातचीत का दावा कर रहे हैं, वहीं ईरान की सेना अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत से इनकार कर रही है।

ट्रंप बोले- हम ईरान में सही लोगों से बात कर रहे : दरअसल मंगलवार को व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप से पूछा गया कि ईरान की तरफ से जो लोग युद्धविराम पर बातचीत कर रहे हैं, क्या उन्हें उन पर विश्वास है? इसके जवाब में ट्रंप ने कहा, वे किसी पर विश्वास नहीं करते, लेकिन उन्होंने ईरान से एक तोहफा मिलने का संकेत दिया। जिसके आधार पर ट्रंप ने कहा कि वे सही लोगों से बात कर रहे हैं।

ट्रंप को मिला तोहफा तेल और गैस से जुड़ा : ट्रंप ने कहा, 'उन्होंने हमें एक तोहफा दिया है और वो तोहफा आज पहुंच गया है। यह एक बड़ा तोहफा है, जिसकी बहुत ज्यादा कीमत है, लेकिन मैं आपको ये नहीं बताने वाला हूं कि वह क्या है, लेकिन ये एक खास तोहफा है।' ट्रंप ने बताया कि यह तोहफा तेल और गैस से जुड़ा है। इसके अलावा ट्रंप ने ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। युद्धविराम के लिए अमेरिका ने ईरान को भेजा 15 सूत्रीय प्रस्ताव इससे पहले सोमवार को ट्रंप ने ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले पांच दिनों के लिए रोकने का एलान किया। इस दौरान ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका और ईरान की युद्धविराम को लेकर बात हो रही है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी सरकार ने ईरान को 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव भेजा है। हालांकि ईरान की तरफ से इसे लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। इस बीच अमेरिका द्वारा पश्चिम एशिया में अपने सैनिकों की तैनाती बढ़ाई जा रही है। जिससे चर्चा है कि अगर युद्धविराम पर सहमति नहीं बनती है तो अमेरिका ईरान के खिलाफ जमीनी आक्रमण कर सकता है।

अमेरिका की 'फर्स्ट लेडी' मेलानिया ट्रंप के टेक अलायंस में शामिल हुए 45 देश

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की 'फर्स्ट लेडी' मेलानिया ट्रंप ने 45 देशों और बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों को एक साथ लाने वाला एक नया वैश्विक गठबंधन किया है। इसका उद्देश्य दुनियाभर के बच्चों के लिए शिक्षा और तकनीक तक पहुंच बढ़ाने के लिए समन्वित प्रयास करना है। अमेरिकी विदेश विभाग में आयोजित 'फोस्टरिंग द फ्यूचर टुगेदर' शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'एक इंसान के तौर पर हम सपने देखते हैं। लीडर के तौर पर हम आगे बढ़ते हैं। एक राष्ट्र के रूप में हम निर्माण करते हैं। आज से, आइए अपने नए ग्लोबल अलायंस को गति दें, ताकि हमारे बच्चों के विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़े।' दो दिवसीय इस सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय नेता और बड़ी टेक कंपनियां एक साथ आई हैं, ताकि डिजिटल माहौल में बच्चों के लिए शैक्षणिक संसाधनों को बढ़ाने और सुरक्षा को मजबूत करने पर मिलकर काम किया जा सके। मेलानिया ट्रंप ने कहा, 'हमारे गठबंधन का मिशन बच्चों को तकनीक और शिक्षा तक ज्यादा पहुंच देकर उन्हें सशक्त बनाना है। यह एक ऐतिहासिक क्षण है।'

अपने भाषण में 'फर्स्ट लेडी' ने एक रोडमैप भी पेश किया, जिसमें नवाचार आधारित शिक्षण कार्यक्रम विकसित करना, शिक्षा के लिए सहायक नीतियों की वकालत करना, तकनीक आधारित कानूनों को प्रोत्साहित करना और सरकारों व निजी क्षेत्र के बीच साझेदारी को मजबूत करना शामिल है। उन्होंने कहा, 'हमारा साझा दृष्टिकोण बच्चों को राजनीति, भौगोलिक सीमाओं और स्थानीय पूर्वाग्रहों से ऊपर रखता है,' और सभी सदस्य देशों से 'क्षेत्रीय बैठक

आयोजित करने, शोध अध्ययन करने, नई साझेदारियां बढ़ाने और अन्य देशों के साथ सहयोग करने' का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमारा कॉमन विजन बच्चों को राजनीति, भौगोलिक सीमाओं और स्थानीय पूर्वाग्रहों से ऊपर रखता है। उन्होंने सभी सदस्य देशों से क्षेत्रीय बैठक आयोजित करने, शोध अध्ययन करने, नई साझेदारियां बढ़ाने और अन्य देशों के साथ सहयोग करने का भी आग्रह किया। यह सम्मेलन चार प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है, जिसमें एडटेक टूल्स, शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑनलाइन सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता शामिल हैं। उन्होंने प्रमुख अमेरिकी टेक कंपनियों की भागीदारी का भी उल्लेख किया और कहा कि उद्योग की भूमिका इस पहल को आकार देने में अहम है। उन्होंने कहा, 'इससे पहले कभी इतने सारे टेक विजनरी दो दिन में स्टेट डिपार्टमेंट और व्हाइट हाउस के लीडर्स की इतनी बड़ी ग्लोबल ऑडियंस के सामने खड़े नहीं हुए थे।' उन्होंने मेटा, गूगल, ओपन एआई, माइक्रोसॉफ्ट और जूम जैसी कंपनियों का जिक्र किया और बैठक को 'अभूतपूर्व' बताया। उन्होंने कहा, 'यह कमरा असाधारण मानवीय क्षमता से भरा है। नेता इसका उपयोग अपने बच्चों को ऊपर उठाने, लोगों को सशक्त बनाने और अर्थव्यवस्थाओं को तेज करने के लिए करें। मेलानिया ने आगे कहा कि यह प्लेटफॉर्म एक 'कैपेबिलिटी मल्टीप्लायर' के तौर पर काम करेगा, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता, शिक्षा और वैश्विक नेतृत्व पर आधारित होगा। मेलानिया ने कहा, 'हमारा मुख्य उद्देश्य इस तेजी से बदलती दुनिया में सफल होने के लिए युवाओं को जरूरी कौशल सिखाना है। 'फर्स्ट लेडी' ने कहा कि यह समिट एक बड़े वैश्विक प्रयास की 'सिर्फ शुरुआत' है। उन्होंने कहा, 'आइए, हम सब मिलकर निवेश करें, पहुंच बढ़ाएं और शिक्षा व तकनीक के नए अवसर तैयार करें।

वेजिटेबल खाओ, हेल्दी रहो

हेल्थ प्लस

बच्चों की आंखों को दें स्पेशल केयर

अगर आप सोचते हैं कि आंखों की परेशानियां एक उम्र के बाद ही शुरू होती हैं, तो आपकी सोच गलत है। बच्चों को भी आंखों की तमाम परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं। यहां तक कि न्यू बॉर्न बेबी की आंखों में भी प्रॉब्लम आ सकती है और समय रहते इलाज न होने पर उसकी जिंदगी में अंधेरा छा सकता है। बेहतर तो यह है कि बच्चे के जन्म से ही उनकी आंखों का पूरा खयाल रखा जाए:

आंखें ऊपर वाले की अनमोल नियामत हैं। आमतौर पर पैरेंट्स छोटे बच्चों की डाइट और हेल्थ पर ही फोकस करते हैं, लेकिन उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि आंखें भी जिंदगी के लिए काफी अहम हैं। अगर आंखों की परेशानियों पर समय रहते फोकस नहीं किया गया, तो परमानेंट विजन लॉस, पढ़ने में परेशानी और आंखों का कम विकास जैसी परेशानियां आ सकती हैं।

आई चेकअप जरूरी

वैसे भी, बच्चे अपनी परेशानियों को बताने में सक्षम नहीं होते, इसलिए उनका रेग्युलर चेकअप और भी ज्यादा जरूरी है। इस तरह, बच्चों के लिए जिम्मेदार लोग (पैरंट्स, ग्रैंड पैरंट्स और टीचर) उनकी विजन प्रॉब्लम्स को लेकर सजग रहें, यह बेहद जरूरी है।

बच्चे का जन्म के तुरंत बाद, एक साल का होने पर, तीन साल का होने पर और पांच साल का होने पर, चेकअप कराना जरूरी है। उसके बाद उसका हर साल आई चेकअप कराना चाहिए।

समझें परेशानियां

अगर आपका तीन महीने से ज्यादा उम्र का बच्चा चीजों को फॉलो नहीं करता और आई कॉन्टेक्ट नहीं बनाता, तो यह आपके लिए खतरे की घंटी हो सकती है। उसकी आंखों से लगातार पानी आ रहा है, आंखों में लाली है, लाइट को लेकर वह सेंसिटिव है, तो आपको सचेत होने की जरूरत है। बच्चा लगातार आंखों को मलता रहता है, ब्लैकबोर्ड को देखने पर सिर में दर्द की शिकायत करता है और स्कूल में पुअर परफॉर्म कर रहा है, तो आपको तुरंत उसका आई चेकअप कराने की जरूरत है।

खासतौर पर अगर किसी बच्चे को आई प्रॉब्लम की फैमिली हिस्ट्री है, तो उसका रेग्युलर चेकअप होना ही चाहिए।

सॉल्यूशन तो है

रेफ्रेक्टिव एरर बच्चों में कॉमन प्रॉब्लम है, जिसे चश्मे की सहायता से दूर किया जा सकता है। और तो और कई बार बच्चों को भी चश्मा लगवाने की जरूरत पड़ जाती है। अगर बच्चों को चश्मा लगाने की नौबत आती है, तो उनके लिए प्लास्टिक के फ्रेम में पॉलीकार्बोनेट लेंस और इलास्टिक स्ट्रेप वाले चश्मों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

अगर पैरंट्स को बच्चे के इधर - उधर या ऊपर - नीचे देखने में कोई प्रॉब्लम या भैंगेपन जैसी कोई प्रॉब्लम नजर आती है, तो उन्हें तुरंत आई स्पेशलिस्ट से कंसल्ट करना चाहिए। यह सिर्फ एक मिथ है कि बच्चे की नजर उम्र के साथ बढ़ती है। सच्चाई यह है कि इस तरह की परेशानियों को ग्लासेज, एक्सरसाइज और सर्जरी की मदद से दूर किया जा सकता है।

एम्ब्लीयोपिया में नॉर्मल दिख रहीं आंखों की नजर कमजोर हो जाती है। अक्सर यह एक आंख का नंबर बढ़ने या फिर आंखों में भैंगेपन की वजह से हो जाता है। इसे आठ साल की उम्र से पहले डिटेक्ट कर लिया जाना चाहिए, वरना विजुअल लॉस भी हो सकता है।

बेशक अगर आप डॉक्टर से रेग्युलर टच में रहते हैं, तो आपको इस तरह की परेशानियों से निजात मिल सकती है। आमतौर पर न्यू बॉर्न बेबीज की आंखों में पानी आने की शिकायत को मसाज और आई ड्रॉप की सहायता से दूर किया जाता है। इसके अलावा, कॉन्जिनिटल कैट्रेक्ट और ग्लूकोमा की परेशानी को सर्जरी की सहायता से जल्द से जल्द दूर किया जाना चाहिए, वरना हमेशा के लिए आंखें जा सकती हैं।

प्रीमैच्योर और जन्म के वक्त कम वजन वाले बच्चों का इस मामले में खास खयाल रखने की जरूरत होती है। रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी इस मामले में बेहद कारगर है।

जरूरी बातें

- अगर बचपन में बच्चे में आंखों में किसी तरह की इंजरी हो जाए, तो उससे काफी नुकसान हो सकता है।
- ध्यान रखें कि बच्चे को पटाखों से बचाएं और उन्हें नुकीले खिलौने ना दें।
- साफ - सफाई के स्प्रे और डियॉडरेंट को भी उनकी पहुंच से दूर रखें।
- कई बार बच्चों को खेल के दौरान भी चोट लग जाती हैं, इसलिए उन्हें पूरी तरह प्रोटेक्ट करके ही खेलने भेजें।
- अगर आप बच्चों की आई प्रॉब्लम्स को इग्नोर करते हैं, तो हो सकता है कि इसकी वजह से आपको और बच्चे को बाद में ज्यादा परेशानी झेलनी पड़े। इसलिए बेहतर यही होगा कि आप उसका आई स्पेशलिस्ट से रेग्युलर आई चेकअप करवाते र हें।

लोग हेल्दी होने के लिए पता नहीं क्या-क्या खाते हैं? जबकि सचाई यह है कि अगर सही तरीके से हरी सब्जियां भी खा ली जाएं, तो इंसान पूरी तरह हेल्दी रह सकता है। मटर, गाजर और पालक जैसी सब्जियां भी हमारी बॉडी के लिए काफी हेल्दी होती हैं :

कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो कितना भी खा लें लेकिन उनकी बॉडी पर उसका जरा भी असर नजर नहीं आता। वहीं ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है, जो बहुत कम खाकर भी हेल्दी रहते हैं। दरअसल, यह सब इस चीज पर डिपेंड करता है कि आप क्या खाते हैं। दरअसल, हम लोगों को इस बात की जानकारी नहीं होती कि हमारी बॉडी के लिए क्या चीज फायदेमंद रहेगी और क्या नुकसानदायक। इसी जानकारी के अभाव में कई बार हम कुछ भी खा लेते हैं। आइए आपको देते हैं कुछ ऐसी ही चीजों की जानकारी, जो हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद होती हैं।

मटर

मटर न सिर्फ किसी सब्जी का जायका बढ़ा देती हैं, बल्कि यह एक ऐसी सब्जी है, जिसमें प्रोटीन की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। आपको बता दें कि ऐसी बहुत कम सब्जियां हैं, जिनमें इतना ज्यादा प्रोटीन पाया जाता हो। इसके अलावा, मिल्क, टोफू, योगहर्ट और सोया प्रोटीन के रिच सोर्स हैं। खुद को फिट रखने में इन चीजों का सेवन बेहद फायदेमंद होता है।

जिमीकंद

इसमें बहुत मात्रा में स्ट्रार्च पाया जाता है। इसलिए आप इसकी जगह आलू भी खा सकते हैं। दरअसल, आलू, जिमीकंद और अरबी में स्टार्च की मात्रा बराबर होती है। एक्सपर्ट कहते हैं कि उबकाई या उल्टी की शिकायत होने पर जिमीकंद खाना फायदेमंद रहता है। इसमें कुछ ऐसे तत्व भी होते हैं, जो कैंसर होने से बचाते हैं। ये तत्व अरबी और आलू में मौजूद नहीं होते।

गाजर

गाजर विटामिंस का अच्छा सोर्स हैं। अगर आपको यह खाना पसंद नहीं है, तो दूसरी कई और सब्जियां हैं, जिनमें यह तत्व खूब पाया जाता है। इसकी जगह आप मेथी के ऑप्शन पर जा सकते हैं।

कॉलेस्ट्रॉल को कम करने में मेथी का उपयोग फायदेमंद होता है। इसके अलावा, मेथी का इस्तेमाल डाइजेशन, पेट का इंफेक्शन, माउथ अल्सर और डायबिटीज आदि में बेहद फायदेमंद होता है। खासतौर पर प्रेग्नेंसी के दौरान इसका सेवन बच्चे और मां दोनों के लिए बेहद फायदेमंद है।

स्प्रिंग ओनियन

प्याज विटामिन सी का अच्छा सोर्स है। अगर आप किसी वजह से इसे नहीं खाना चाहते, तो हरी पत्तेदार सब्जियां, वीट ब्रेड, लेंटिस, ब्रान फ्लेक्स और ब्राउन राइस के ऑप्शन पर जा सकते हैं। ये सभी चीजें फाइबर्स से भरपूर हैं और बाउल मूवमेंट में फायदेमंद होती हैं। विटामिन सी पाने के लिए आप टमाटर, स्वीट लाइम, ऑरेंज, बेल पीपर्स, कैबेज और दूसरे सिटरस फ्रूट्स के ऑप्शन पर भी जा सकते हैं।

पालक

पालक फाइबर और पोटैशियम का सबसे अच्छा सोर्स है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह बेहद कम दामों पर उपलब्ध है। हालांकि इसको रिप्लेस करना बेहद मुश्किल है, लेकिन आप चाहें तो इसकी जगह फूल गोभी, लौकी और परवल के ऑप्शन पर जा सकते हैं। पालक की तरह ही इनमें भी पर्याप्त फाइबर्स पाए जाते हैं। पोटैशियम पाने के लिए आप अपने खाने में टेमरिंड भी मिला सकते हैं। टेमरिंड सस्ता और हेल्दी है, जबकि लेमन आपको महंगा पड़ेगा।

नींबू

इसमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है। नींबू के नियमित इस्तेमाल से स्किन और बाल ग्लो करते हैं। इसमें आयरन की मात्रा भी काफी होती है। हां, अगर आप नींबू नहीं लेना चाहते, तो आप आंवले से भी इतनी ही मात्रा में विटामिन सी पा सकते हैं। आंवला नींबू से सस्ता होता है, लेकिन विटामिन सी से भरपूर होता है।

इसमें आयरन और एंटी ऑक्सिडेंट बेहद मात्रा में होते हैं, जो उम्र बढ़ने वाले रेडिकल्स से आपको बचाए रखते हैं। ये नेचरल कूलेंट का काम करते हैं, इसलिए स्किन को भी हानिकारक टॉक्सिन से बचाते हैं। अगर किसी डिशेज में आप लेमन जूस डालना है, तो उसके साथ थोड़ा वाइट विनेगर जरूर डा लें।

गुणकारी अदरक

अदरक को एक प्रमुख औषधि के रूप में माना गया है। यह शक्ति और स्फूर्ति का अनमोल खजाना है। अदरक के सेवन से कई आम बीमारियां दूर हो सकती हैं।

अजीर्ण

- अदरक के छोटे टुकड़े में नींबू की आठ-दस बूंदें और चुटकीभर सेंधा नमक डालकर खाएं।
- अगर अजीर्ण के साथ पेट में दर्द भी उठे तो 10 ग्राम अदरक का रस और 10 ग्राम कैस्टर ऑयल मिलाकर पीएं। इससे जी मिचलाए तो एक कप पानी में दालचीनी उबालकर घूंट-घूंट पीने से आराम मिलता है।

अपच व अफरा

- अपच होने पर अदरक का रस शहद में मिलाकर चाटें।
- अपच व अजीर्ण होने पर आफरा होता है। ऐसा होने पर अदरक, हरड, बहेड़ा, आंवला, सोंठ, कालीमिर्च, पीपल 4-4 ग्राम की मात्रा में लेकर 10 ग्राम गुड़ में पीस लें। इसे 100 ग्राम पानी में उबालकर काढ़ा बनाकर पीएं।

खांसी और जुकाम

- गर्म पानी में अदरक का रस मिलाकर मिश्री या नमक घोलकर पीने से जुकाम ठीक हो जाता है।
- नाक बहने पर सोंठ का पाउडर पानी में डालकर उबालें और मिश्री डालकर पीएं। शहद में अदरक का रस मिलाकर पीने से भी जुकाम ठीक होता है।

गले का रोग

- 10 ग्राम अदरक के रस में समान मात्रा में शहद मिलाकर चाटने से गले के सभी रोग दूर होते हैं।

खून की खराबी

- अदरक की फांकों को नींबू के दो बूंद रस में भिगो दें। नमक और पीसी हुई कालीमिर्च मिलाकर खाएं। एक गांठ अदरक सुबह-शाम खाने के साथ लें, खून की खराबी दूर हो जाएगी।

गठिया

- यदि गठिया रोग की शुरुआत ही है तो 10 ग्राम सोंठ पीसकर 100 ग्राम पानी में उबालें। तीन हिस्सा पानी सूख जाने पर पीएं।
- जोड़ों का दर्द होने पर सरसों के तेल में थोड़ा-सा अदरक का रस मिलाकर मालिश करने से लाभ होगा।
- 24 ग्राम सोंठ, 100 ग्राम हरड और 15 ग्राम अजमोद- इन सबको बारीक पीस लें। दस ग्राम सेंधा नमक मिला लें। 3-3 ग्राम सुबह और शाम गर्म पानी के साथ लें। जोड़ों के दर्द से आराम मिलेगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

काकुरो पहेली - 2030

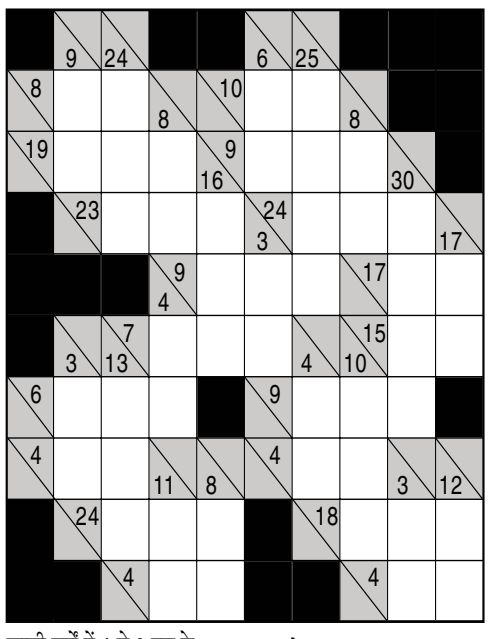

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

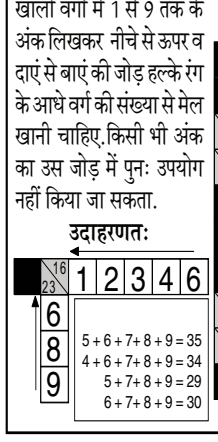

काकुरो - 2029 का हल

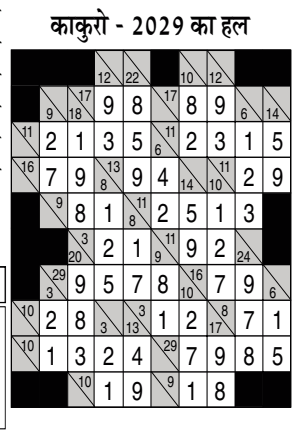

लॉफिंग ज़ोन

मेजर (जवान से) : तुम इतना ज्यादा क्यों पीते हो? तुम्हें खबर है कि अगर तुम्हारा रिकॉर्ड अच्छा होता तो अब तक सूबेदार हो गए होते।

जवान : माफकीजिए सर! आपकी बात तो सोलह आने सच है। मगर बात यह है कि जब दो घूँट मेरे अंदर पहुँच जाते हैं तो मैं अपने आपको कर्नल समझने लगता हूँ।

□ □ □

एक बार रमन जवानों की परेड करवाने में बहुत व्यस्त था, उसने गरज कर कहा- सभी जवान अपना-अपना दायाँ पैर ऊपर उठाएँ।

बस क्या था, एक जवान ने गलती से बायाँ पैर ऊपर उठा दिया।

यह देख कर रमन जोर से चिल्लाया- ये कौन बेवकूफहै, अपने दोनों पैर ऊपर उठा कर खड़ा है?

□ □ □

चमन (रमन से)- यार! कल तो गजब हो गया। प्लेटफॉर्म पर भीड़ में मेरी प्रेमिका न जाने कहाँ खो गई थी। मुझे तो लगा जैसे मेरे तो हाथों के तोते उड़ गए।

रमन- उफयार! यह तो बहुत ही बुरा हुआ। वैसे ये तो बता दे कितने तोते थे?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2030

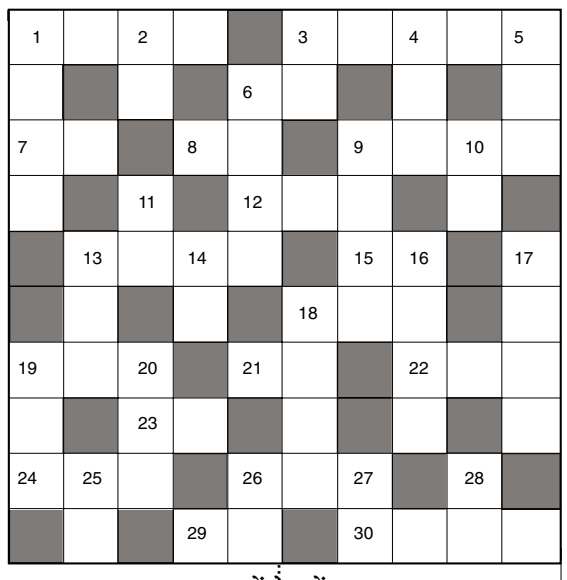

बायें से दायें:-

१. कारगिल युद्ध पर बनी जे. पी. दत्ता की बहु-सितारा फिल्म-२,१,१
३. 'रूप सलोना तेरा' गीत वाली सनी, अक्षय, मनीषा की फिल्म-२,३
६. आमिर, माधुरी दीक्षित की 'खंभे जैसी खड़ी है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'अपना बनाना है' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
८. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली फिल्म-२
९. 'रिमझिम के गीत' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बबीता की फिल्म-४
१२. 'छोटा कद और पेट बड़ा' गीत वाली संजयदत्त, नम्रता की फिल्म-३
१३. अजय देवगन, मधु, सोनाली की 'किसी के इश्क' गीत वाली फिल्म-४
१५. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम की नायिका कौन थी-२
१८. अक्षय कुमार, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सात सुरों के तार' गीत वाली जैकी, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२१. फरदीन, करीना की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'डैडी कूल कूल' गीत वाली शाहरूख खान, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२३. राजीव कपूर, डिम्पल की 'कोई भी नाम दो' गीत वाली फिल्म-२
२४. अभिनेत्री पूजा भट्ट के पिता-३
२६. दिलीपकुमार, वहीदा रहमान की 'कल के सपने' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तुझे ना देखूँ तो' गीत वाली जीतेंद्र, कमल सदाना, दिव्या की फिल्म-२
३०. सुमीत सहगल, शिखा की 'पीछे पीछे आजा' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचेः-

१. 'दिल लगाने की' गीत वाली अक्षय, अमिताभ, राखी, जूही की फिल्म-२,२
२. अतीन भल्ला, संदली की एक फिल्म-२
३. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-२
४. संजयदत्त, काजोल की 'आवाज दो हमको' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली फिल्म-३
६. अजय देवगन, रवीना की 'कितना हसीन चेहरा' गीत वाली फिल्म-४
९. राजेश खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
१३. सनी, बॉबी, उर्मीला की 'कोई नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'तुम आए तो आया' गीत वाली अजय देवगन, पूजा भट्ट की फिल्म-२
१६.'कहाँ से आई रानी' गीतवाली फिल्म-२,२
१७. 'मैं जब बोलूँ हाँ' गीत वाली जीतेंद्र, नीतूसिंह की फिल्म-४
१८. अशोककुमार, सुमिता की 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'दोस्त दोस्त ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
२०. अक्षय, करिश्मा की 'दिल ले गया' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'रजिया सुल्तान' में रजिया सुल्तान की शीर्षक भूमिका किसने की है-२
२६. 'तेरा क्या लगता है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'काजल' की नायिका कौन थी-३
२८. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2029

का	ला	प	त्थ	र		को	ह	ग	
र		ड़ो		क्ष	त्रि	य		जा	ल
वॉ		स	ड़	क		ला	वा		म्हे
	जा	न			ज		दा	दा	
दि	ल		ख	ट्टा	मी	ठा		मि	ली
व्या		खे	ल		र		स	नी	
	प		ना	ना		डॉ	न		डो
प	रि	च	य		सु		म	वा	ली
	वा		क	सू	र			रि	
पा	र	स		र्या		वि	ग	स	त

सूडोकु -2030

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2029 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली - 2030

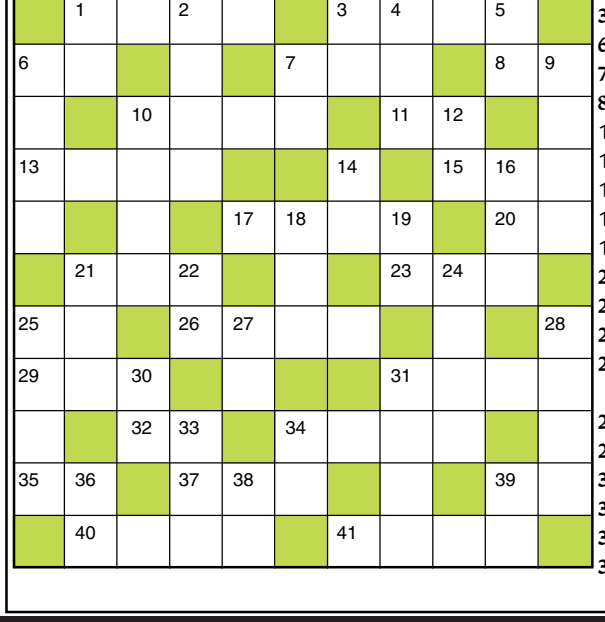

बाएँ से दाएँ

1.जाति,समाज,बुंधता-4
3.स्वयंवर माला,जीत-4
6.चूहे का घर-2
7.स्थिर,टिका हुआ-3
8.पार्थिव देह,लाश-2
10.सुवासित करना-4
11.थोड़ा,कम-2
13.मोटा आटा,दानेदार-4
15.गौरव,अभिमान-3
17.विष्णु,नारायण-4
20.वाहन,गाड़ी,जहाज-2
21.होशियार,दक्ष-3
23.उचित,सही-3
25.जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26.करिश्मा,करतब-4
29.भर्त्सना,धिक्कार-3
31.गुलाम,परतंत्र-4
32.बेल,लतिका-2
34.आश्चर्य-4
35.नांद,टप-2
37.मग्नता-3
39.मछली-2
40.कुशलपूर्वक,सुरक्षित-4
41.मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे

1.विधेयक,देयक-2
2.विजयादशमी-4
3.जीत,विजय-2
4.जुड़वा-3
5.शव,मृत शरीर-2
6.बंधु,सजातीय,भाई-4
7.एक आंख वाला-2
9.मौजूदा,आधुनिक-4
10.मदमस्त-4
12.धुन,लय,सुर-2
14.इच्छा,कामना-2
16.सुर साधना-3
18.भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19.छुट्टी,अवकाश-2
21.अच्छे कुल का-3
22.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.यम,मृत्यु का देवता-4
25.अपमिश्रण, खोट-4
27.निशा,रात्रि-2
28.कहासुनी,कलह-4
30.तल्ला,पैंदा-2
31.गुलामी,पराश्रित-4
33.शिक्षा(उर्दू-3)
34.अदा करना,चुकाना-2
36.एक सवारी गाड़ी-2
38.झुका हुआ-2
39.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली -2029 का हल

प	व	न	कु	मा	र		म	क	ब	रा
ला	न		त		स	ली	का		स	त
य		प	र	वा	ना		न	न		दि
न	का	र	ना			क		म	हा	न
वा		ख		स	ह	ल	ज		ज	
दी	वा	ना	प	न		प	र	व	री	श
	जि		र	स	ले	ना		न		री
ग	ब	न		नी			अ	वा	न्त	र
ज		शा	न		आ	ब	नू	स		र
रा	ज		ज	टा	यु		रू		क	क्ष
ज	ल	च	र		ध	मों	प	दे	श	क

एकात्म मानव दर्शन भारतीय संस्कृति का जीवन दर्शनः थावरचंद गहलोत

एजेंसी

मैसूर। कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय का 'एकात्म मानव दर्शन' केवल एक दार्शनिक अवधारणा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, विचार और जीवन शैली की मूल आधारशिला है। उन्होंने इसे भारतीय संस्कृति का जीवन दर्शन बताते हुए कहा कि यह विचारधारा व्यक्ति, समाज और प्रकृति के बीच समन्वय स्थापित करने का मार्ग दिखाती है। राज्यपाल मैसूर स्थित कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय में प्रज्ञा प्रवाह कर्नाटक द्वारा आयोजित 'एकात्म मानव दर्शनः भारत का विश्वदृष्टिकोण' विषयक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत अपनी प्राचीन सभ्यता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के कारण विश्व में विशिष्ट स्थान रखता है। अनेक महान व्यक्तित्वों ने इस विरासत को सहेजा और समाज के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत प्रदान किए। उन्होंने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने लगभग 60 वर्ष पूर्व अपने चिंतन के माध्यम से एकात्म मानव दर्शन की अवधारणा प्रस्तुत की, जो व्यक्ति के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने कहा कि इस दर्शन का केंद्र मनुष्य है, जो शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का समन्वित स्वरूप है।

विकास की दौड़ के बीच वन्यजीव सुरक्षा पर कार्रवाई आवश्यकः हर्ष वर्धन श्रृंगला

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य हर्ष वर्धन श्रृंगला ने संसद में मानव और वन्यजीवों के सह-अस्तित्व के लिए एक व्यापक और संवेदनशील दृष्टिकोण का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत के विकास में उसके नागरिकों और उसकी प्राकृतिक विरासत, दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक ऐसा देश होने के नाते जो वैश्विक जैव विविधता प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है और 'ग्लोबल बिग कैट अलायंस' की मेजबानी कर रहा है, भारत की यह जिम्मेदारी है कि वह यह साबित करे कि विकास और पारिस्थितिक संतुलन साथ-साथ चल सकते हैं। श्रृंगला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस कथन को याद किया, जिसमें उन्होंने संरक्षण को राष्ट्र की संस्कृति का एक अभिन्न अंग बताया है। उन्होंने कहा कि असम में हाल ही में एक ट्रेन की चपेट में आने से सात हाथियों की मौत की घटना एक कड़वी याद दिलाती है कि विकास की कीमत जान नहीं हो सकती और उन्होंने पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में अधिक संवेदनशील योजना बनाने का आह्वान किया। उन्होंने 'काजीरंगा मॉडल' की ओर इशारा किया जहां बुनियादी ढांचे के विकास को जारी रखते हुए वन्यजीवों की आवाजाही को बहाल करने के लिए ऊंचे गलियारे विकसित किए जा रहे हैं।

कार्बन उत्सर्जन में 2035 तक 47 प्रतिशत कटौती का लक्ष्य, केंद्र ने नए एनडीसी को दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वैश्विक पर्यावरण से जुड़ा एक प्रमुख नीतिगत फैसला लिया है। सरकार ने 2026 पेरिस समझौते के तहत भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को औपचारिक मंजूरी दे दी है। यह फैसला वैश्विक मंच पर भारत की कार्बन उत्सर्जन कम करने की प्रतिबद्धताओं को स्पष्ट करता है और भविष्य में ग्रीन एनर्जी तथा सतत विकास से जुड़ी कॉर्पोरेट रणनीतियों को एक नई दिशा देगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पत्रकारों को बताया कि पेरिस एग्रीमेंट के तहत भारत ने अपने जलवायु लक्ष्यों को और मजबूत करते हुए 2031-2035 अवधि के लिए राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को मंजूरी दी है। सरकार के इस फैसले के तहत भारत अब 2035 तक 2005 के स्तर की तुलना में जीडीपी की उत्सर्जन तीव्रता में 47 प्रतिशत तक कमी लाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ेगा। इसके साथ ही देश में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देते हुए 2035 तक 60 प्रतिशत बिजली उत्पादन क्षमता गैर-जीवाश्म स्रोतों से हासिल करने का भी लक्ष्य रखा गया है। कार्बन उत्सर्जन को संतुलित करने के लिए वन और वृक्ष कवर के जरिए 3.5 से 4.0 अरब टन अतिरिक्त कार्बन सिंक बनाने की योजना है।

वैश्विक संकट के बीच कृषि मंत्री की बैठक,फार्मर आईडी' प्रोजेक्ट को तेजी से लागू करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली। वैश्विक अस्थिरता के बीच केंद्र सरकार ने कृषि क्षेत्र को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह ने अपने आवास पर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की, जिसमें किसानों के हितों की सुरक्षा और आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि मौजूदा वैश्विक हालात को देखते हुए किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार का फोकस इस बात पर है कि देश में खाद, बीज और अन्य कृषि संसाधनों की उपलब्धता बनी रहे और किसानों को समय पर सभी सुविधाएं मिलती रहें। कृषि मंत्री ने उर्वरकों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने 'फार्मर आईडी' प्रोजेक्ट को तेजी से लागू करने पर विशेष जोर दिया, ताकि वितरण प्रणाली पारदर्शी बने और सही लाभ सही किसान तक पहुंचे। इस दिशा में जल्द ही राज्यों के मुख्यमंत्रियों और कृषि मंत्रियों के साथ समन्वय बैठक भी की जाएगी।

बैठक में साफ किया गया कि वैश्विक संकट का फायदा उठाकर खाद और बीज की कालाबाजारी या जमाखोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। राज्यों को भी निर्देश दिए जाएंगे कि वे निगरानी बढ़ाएं और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करें। कृषि मंत्री ने बीज उत्पादन से जुड़े पहलुओं की समीक्षा करते हुए बीज सुखाने के लिए आवश्यक गैस और एग्रो-केमिकल्स की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भाजपा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की तीसरी सूची की जारी

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के मद्देनजर अपनी तैयारियों को धार देते हुए उम्मीदवारों की तीसरी सूची आधिकारिक रूप से जारी कर दी। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह द्वारा हस्ताक्षरित इस प्रेस विज्ञप्ति में कुल 19 विधानसभा क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगाई गई है। इस सूची में अनुभवी नेताओं के साथ-साथ पेशेवर और महिला उम्मीदवारों को भी प्रमुखता दी गई है, जिससे राज्य के विभिन्न जिलों में चुनावी समीकरणों को साधने की कोशिश की गई है। उत्तर बंगाल के महत्वपूर्ण क्षेत्रों से शुरुआत करते हुए भाजपा ने कूचबिहार दक्षिण (4) से रथीन्द्र

नाथ बोस को चुनावी मैदान में उतारा है। वहीं, अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित राजगंज सीट (18) से दिनेश सरकार (हराधन सरकार) और हेमताबाद (33) से हरिपद बर्मन पर भरोसा जताया गया है। सीमावर्ती इलाकों की बात करें तो इस्लामपुर (29) से चित्रजीत रॉय और मालदा जिले की महत्वपूर्ण इंग्लिश बाजार (51) सीट से अमलन भादुरी को उम्मीदवार बनाया गया है। नदिया और उत्तर 24 परगना जिलों में क्रमशः शांतिपुर (86) से स्वपन दास और पानीहाटी (111) से रत्ना देबनाथ चुनाव लड़ेंगी।

हुगली और हावड़ा बेल्ट में पार्टी ने काफी विचार-मंथन के बाद नाम तय किए हैं। हावड़ा मध्य (171) से बिप्लब मंडल और उत्तरपाड़ा (185) से दीपांजन चक्रवर्ती को उम्मीदवार बनाया गया है। हुगली जिले की चर्चित सीटों में सिंगूर (188) से डॉ. अरूप कुमार दास, चन्दननगर (189) से दीपांजन कुमार गुहा, चुंचुड़ा (190) से सुबीर नाग और हरिपाल (196) से मधुमिता घोष के नामों की घोषणा की गई है।

ट्रेनों में 78 प्रतिशत सीटें सामान्य और स्लीपर वर्ग की : वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेल में लगभग 78 प्रतिशत सीटें सामान्य और गैर-एसी स्लीपर वर्ग की हैं, जिससे आम और मध्यम वर्ग के यात्रियों को बड़ी राहत मिल रही है। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने यह जानकारी देते हुए बताया कि रेलवे की कुल लगभग 69 लाख सीटों में से करीब 54 लाख सीटें गैर-एसी (सामान्य और स्लीपर) वर्ग की हैं, जबकि लगभग 22 प्रतिशत (15 लाख) सीटें एसी श्रेणी में हैं।

रेल मंत्री ने कहा कि ट्रेनों के डिब्बों की संरचना में भी आम यात्रियों को प्राथमिकता दी गई है। वर्तमान में लगभग 70 प्रतिशत डिब्बे गैर-एसी (सामान्य और स्लीपर) हैं, जिनकी संख्या करीब 62 हजार है, जबकि एसी डिब्बों की संख्या लगभग 27 हजार है। उन्होंने बताया कि यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारतीय रेल ने पिछले पांच वर्षों (2021-22 से फरवरी 2026 तक) में 1024 नई ट्रेनें शुरू की हैं, 907 ट्रेनों का विस्तार किया है, 168 ट्रेनों के फेरे बढ़ाए हैं और 4651 अतिरिक्त डिब्बे जोड़े हैं।

मंत्री ने कहा कि कम आय और मध्यम वर्ग के यात्रियों को सस्ती यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 17,000 गैर-एसी डिब्बों के निर्माण का कार्य भी तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सामान्य वर्ग में यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2022-23 में 553 करोड़ यात्रियों के मुकाबले 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 651 करोड़ हो गई है, जो इस वर्ग की बढ़ती मांग को दर्शाता है।

वंदे भारत ट्रेन में भोजन की शिकायत पर आईआरसीटीसी पर 10 लाख का जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने 15 मार्च को ट्रेन संख्या 21896 (पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस) में भोजन की गुणवत्ता को लेकर यात्री द्वारा की गई शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कड़ी कार्रवाई की है। मंत्रालय के अनुसार, इस मामले में भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही संबंधित सेवा प्रदाता पर 50 लाख रुपये का दंड लगाते हुए उसका अनुबंध समाप्त करने के आदेश दिए गए हैं।

रेल मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यात्रियों की सुरक्षा, स्वच्छता और गुणवत्ता उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इस प्रकार की लापरवाही को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि ट्रेन संख्या 21896 वंदे भारत एक्सप्रेस पटना से टाटानगर के बीच चलने वाली एक आधुनिक सेमी-हाई स्पीड ट्रेन है, जो लगभग 450 किलोमीटर की दूरी तय करती है और इसमें ऑनबोर्ड कैटरिंग की सुविधा उपलब्ध रहती है। बताया गया है कि 15 मार्च को यात्रा के दौरान एक

यात्री ने परोसे गए भोजन की गुणवत्ता को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत मिलने के बाद रेलवे ने मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की।

रेलवे सूत्रों के अनुसार, प्रीमियम ट्रेनों में भोजन की गुणवत्ता को लेकर समय-समय पर शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे मामलों में रेलवे द्वारा निगरानी बढ़ाने, सेवा मानकों को सख्ती से लागू करने और जवाबदेही तय करने के लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। रेल मंत्रालय ने कहा कि यात्रियों को बेहतर और सुरक्षित सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए गुणवत्ता नियंत्रण को और सख्त किया जाएगा तथा भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक सुधार किए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ में पापाराव सहित 87 लाख के इनामी 18 नक्सलियों का आत्मसमर्पण

एजेंसी

जगदलपुर। बस्तर संभाग मुख्यालय, जगदलपुर के पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर, लालबाग में पूना मारगेमः पुनर्वास से पुनर्जीवन पहल की दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के अंतर्गत नक्सली पापाराव सहित 87 लाख के इनामी 18 नक्सली कैडर ने आत्मसमर्पण कर दिया।आत्मसमर्पण करने वालों में प्रमुख रुप सें एसजेडसीएम पापाराव, डीवीसीएम अनिल ताती, डीवीसीएम प्रकाश माड़वी जैसे शीर्ष नक्सली कैडर, सहित कुल 18 माओवादी शामिल हैं।

नक्सलियों ने समाज के वरिष्ठ जनों, पुलिस, केंद्रीय सुरक्षा बलों तथा जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों टीम बीजापुर के सदस्यगण की उपस्थिति में मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। आत्मसमर्पित नक्सलियों के पास से 8 नग एके-47 रायफल, 1 नग इंसास रायफल, 4 नग .303 रायफल, 1 नग 9 एमएम पिस्टल, 2 नग सिंगलशॉट, 1 नग बीजीएल लांचर कुल 18 हथियार एवं 12 लाख रूपये नकद बरामद किया गया।

मुख्यधारा में लौट आये हैं। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने पूना मारगेम-पुनर्वास से पुनर्जीवन'' अभियान के माध्यम से बचे हुए गिने-चुने शेष कैडर्स से अपील की है कि हिंसा

छोंडकर हथियार त्यागकर मुख्यधारा में लौंटे। शासन उनके सुरक्षित, सम्मानजनक और उज्जवल भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उल्लेखनीय है कि बस्तर संभागांतर्गत 1 जनवरी 2024 से लेकर 25 मार्च 2026 तक की अवधि में कुल 2756 नक्सली

अब बुंदेलखंड की धरती पर भी फर्राटे भरेंगे चीते, बुंदेलखंड बनेगा चीतों का नया बसेरा : मुख्यमंत्री

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जैव विविधता हमारी विरासत है। इस समृद्ध करना हमारा कर्तव्य है। बुंदेलखंड को चीतों का नया बसेरा बनाया जाएगा। बुंदेलखंड की धरती पर भी चीते फर्राटें भरेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सागर जिले के वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिज़र्व (नौरादेही) में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस मौके पर संरक्षित प्रजाति के कछुओं को जल में विमुक्त कर जैव विविधता संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने चीतों के पुनर्वास के लिए बनने वाले विशेष बाड़े (बोमा) का भूमिपूजन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार जंगलों और जल स्रोतों को समृद्ध बनाकर वन्य प्राणियों एवं जलीय जीवों के संरक्षण के लिए सतत् प्रयास कर रही है। उन्होंने विशेष रूप से साफ पानी वाली नदियों में कछुओं की विभिन्न

प्रजातियों के संरक्षण और संवर्धन पर जोर देते हुए कहा कि इससे हमारे पारिस्थितिकीय संतुलन को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नौरादेही टाइगर रिजर्व को भविष्य में एक और बड़ी पहचान मिलने जा रही है। आने वाले समय में यह क्षेत्र मध्य प्रदेश में चीतों का तीसरा सुरक्षित आवास बनेगा। इससे मध्य प्रदेश के वन्य-जीव पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही हमारी जैविक सम्पदा और भी समृद्ध होगी। उन्होंने कहा कि प्रकृति और विकास के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में हमारी सरकार यह महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने जन्म दिवस पर चीता पुनर्वास के लिए सॉफ्ट रिलीज बोमा (बाड़े) का भूमिपूजन किया। उन्होंने जलीय जीवों की समृद्धि के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दिखाते हुए यहां चंबल नदी और भोपाल से लाए गए 14 कछुए भी मुक्त विचरण के लिये बामनेर नदी में छोड़े। यह मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा नेशनल टाइगर रिजर्व है, जिसकी सीमाएं सतपुड़ा, कान्हा और पेंच राष्ट्रीय उद्यान से मिलती हैं। नौरादेही टाइगर रिजर्व में कई प्रकार के वन्यजीवों की प्रजातियों के लिए अनुकूल वातावरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। जंगल की सुंदरता हमारे वन्य जीवों से होती है। राज्य सरकार जीवोदया के संकल्प से कार्य कर रही है। जलचर, थलचर और नभचर सभी प्राणियों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बीते समय घड़ियाल और 25 कछुए कूनो-पालपुर में छोड़े थे और पांच गिद्धों को भी मुक्तावास में छोड़ा था।

28-29 मार्च को नहीं होगी संसद की बैठक, 27 मार्च को वित्त विधेयक पर होगी चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदन दिनभर की कार्यवाही के बाद गुरुवार तक स्थगित कर दिए गए। गुरुवार को रामनवमी की छुट्टी के कारण संसद में अवकाश होगा। इसके साथ ही 28 और 29 मार्च को प्रस्तावित बैठक को भी रद्द कर दिया गया। पहले छुट्टियों के कारण शनिवार और रविवार को भी सदन की बैठक बुलाने का फैसला किया गया था। रिजिजू ने बताया कि यह निर्णय 'चल रहे हालात' को ध्यान में रखते हुए लिया गया। उन्होंने आगे कहा कि गुरुवार, 26 मार्च को राम नवमी के कारण संसद में अवकाश रहेगा। शुक्रवार, 27 मार्च को राज्यसभा में वित्त विधेयक, 2026 पर चर्चा होने की संभावना है। यह विधेयक पहले ही लोकसभा में पारित हो चुका है। राज्यसभा वित्तीय मामलों पर ध्यान केंद्रित करेगी। सरकारी कामकाज को प्राथमिकता देने के लिए शुक्रवार को होने वाले गैर-सरकारी कामकाज को भी स्थगित कर दिया गया है।

सबसे पहले नहीं, सबसे सही बताने की होड़ में रहें पत्रकारः वासुदेव देवनानी

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पत्रकारों से सरकार और समाज के बीच सेतु बन सत्य, निष्पक्षता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने युवा पत्रकारों से कहा कि वे 'सबसे पहले नहीं, सबसे सही बताने की होड़ में रहें।'

देवनानी जयपुर में हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने पत्रकारों से विश्व के समक्ष आसन्न वर्तमान संकट में अपनी जिम्मेदारियों को समझने और राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ पत्रकारिता धर्म निभाने की अपील की। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित इस समारोह की अध्यक्षता राजस्थान के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने की। राज्य के उप मुख्यमंत्री एवं उच्च-तकनीकी शिक्षा मंत्री डॉ प्रेम चंद बैरवा समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। समारोह में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्दकिशोर पाण्डेय सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।समारोह को संबोधित करते हुए

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल डिग्री प्राप्त करने का अवसर नहीं बल्कि देश और समाज का भावी पत्रकारों के प्रति विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता एक पेशा नहीं, बल्कि सत्य और समाज के प्रति समर्पण का माध्यम है। उन्होंने युवा पत्रकारों का आह्वान किया गया कि वे 'सबसे पहले' खबर देने की बजाय 'सबसे सही' खबर बताने को प्राथमिकता दें। लोकतंत्र का सशक्त स्तंभ है मीडियाः देवनानी ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, जो सरकार और समाज के बीच सेतु का कार्य करता है। उन्होंने 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में प्रेस ने सेंसरशिप के विरोध में अपने संपादकीय कॉलम को काले बॉर्डर में खाली छोड़कर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा का साहसिक उदाहरण प्रस्तुत किया था। बाद में इसमें लोकतन्त्र को ही विजय मिली। उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'आप अपनी कलम की ताकत को पहचानिए, क्योंकि यह केवल शब्द नहीं लिखती, बल्कि इतिहास रचती है। 'डिजिटल युग में बढ़ी जिम्मेदारीः वर्तमान डिजिटल युग का उल्लेख करते हुए श्री देवनानी ने कहा कि आज सूचना का प्रवाह अत्यंत तेज हो गया है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दौर में पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। हालांकि, इसके साथ 'फेक न्यूज़' और 'दुष्प्रचार' और 'मिथ्या प्रचार' जैसी गंभीर चुनौतियां भी सामने आई हैं। ऐसे में मीडिया की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने कहा कि एक गलत खबर समाज के विश्वास को गहरा आघात पहुंचाती है।

सिंहस्थ-2028 को विश्व-स्तरीय आयोजन बनाने के लिए सरकार संकल्पबद्धः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शाम अपने जन्म-दिन पर आकाशवाणी उज्जैन से संदेश देते हुए सिंहस्थ-2028 को विश्व-स्तरीय आयोजन के साथ भव्य और अद्वितीय बनाने की सरकार की संकल्पबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि सरकार समृद्ध और विकसित मध्य प्रदेश बनाने के लिये प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य कर रही है। आज बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन के आकाशवाणी केंद्र से आप सभी के साथ जुड़ते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश आज विकास के उस सोपान पर है, जहाँ हमारी सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक प्रगति एक साथ कदमताल कर रहे हैं। सम्राट विक्रमादित्य की न्यायप्रियता, दानवीरता और पराक्रम से प्रेरणा लेकर मध्य प्रदेश सरकार सुशासन के नए आयाम स्थापित कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का संदेश प्रदेश के सभी 17 केन्द्रों से प्रसारित किया गया। संदेश को एक करोड़ से अधिक नागरिकों ने सुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सांस्कृतिक वैभव को साथ लेकर विकास के नए मापदंड स्थापित कर रही है। सनातन संस्कृति के वैभव

को वैश्विक पटल पर नई उंचाईयां प्रदान करने के लिए सरकार सिंहस्थ-2028 को एक विश्व स्तरीय आयोजन बनाने के संकल्प के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में नदियों को माँ का स्थान दिया गया है। यह हमारी सभ्यता की जीवनरेखा हैं। क्षिप्रा नदी को निर्मल, प्रवाहमान बनाकर रिवर फ्रंट विकसित करने, केन-बेतवा, पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजनाओं से जल संकट को जड़ से समाप्त करने के लिये सरकार हजारो करोड़ रुपयों की परियोजना पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान भाई प्रदेश की अर्थव्यवस्था की नींव है। मध्यप्रदेश वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाकर प्रत्येक खेत तक आधुनिक सिंचाई और कृषि यांत्रिकरण की सुविधा पहुंचाकर किसानों की आय में वृद्धि के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट, संभागीय स्तर पर स्थानीय इनवेस्टर्स समिट कर प्रदेश में औद्योगिक विकास और निवेश को प्रोत्साहन देकर हम 'आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश' की नींव रख रहे हैं। उज्जैन की विक्रम उद्योगपुरी सहित प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में निवेश के माध्यम से युवा शक्ति को स्टार्ट-अप और स्व-रोजगार के माध्यम से हम युवाओं को केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बना रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में मुझे गर्व है कि मध्य प्रदेश ने नई शिक्षा नीति (ह्रश्वक्र) को देश में सबसे पहले लागू कर हमारे विद्यार्थियों के लिए वैश्विक द्वार खोले हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार अंत्योदय के सिद्धांत पर चल कर वनवासी कल्याण और सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। वनवासी भाइयों के संस्कृतिक संरक्षण के लिए सरकार भगोरिया को राजकीय पर्व और लोक उत्सव के रुप में नई पहचान प्रदान कर रही है। वन मेले प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित कर वनोपज को बाजार और वनवासी भाईयों को आय के नवीन अवसर प्रदान कर रहें है।

संसद से पारित हुआ ट्रांसजेंडर व्यक्तियों (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्य सभा ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों से जुड़े कानून में संशोधन करने वाला ट्रांसजेंडर अधिकार संशोधन विधेयक 2026 पारित कर दिया। यह विधेयक लोकसभा में मंगलवार को पहले ही पारित किया जा चुका है। राज्यसभा में इसे ध्वनिमत से पारित किया गया। इस विधेयक पर चर्चा के दौरान द्रमुक सांसद तिरुची शिवा ने विरोध करते हुए इसे सेलेक्ट कमिटी में भेजने का प्रस्ताव रखा था, जिसे सदन ने खारिज कर दिया। चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने कहा कि यह विधेयक ट्रांसजेंडर समुदाय के अस्तित्व का नहीं, बल्कि भेदभाव का मुद्दा है। संविधान आज ट्रांसजेंडर समुदाय के साथ खड़ा है। वे सुप्रीम कोर्ट में हैं, पुलिस में हैं और खेलों में देश के लिए पदक जीत रहे हैं। फिर सरकार उन पर नए कानून क्यों थोप रही है? द्रमुक सांसद तिरुची शिवा ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि भले ही सरकार इसे बहुमत से पारित करा ले, लेकिन यह अंततः सुप्रीम कोर्ट में निरस्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह विधेयक 'यह संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 19 और 21 का उल्लंघन करता है, जिससे ट्रांसजेंडर समुदाय के स्वतंत्रता, गरिमा और स्व-निर्धारण के अधिकार प्रभावित होते हैं।' सांसद स्वाति मालिवाल ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के खिलाफ यौन उत्पीड़न में कम सजा का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जहां महिलाओं के मामले में न्यूनतम 10 साल की सजा है, वहीं ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए अधिकतम सजा केवल 2 साल है, जो गंभीर असमानता है।मालीवाल ने विधेयक के प्रावधानों पर भी सवाल उठाते हुए इसे सेलेक्ट कमेटी को भेजने और ट्रांसजेंडर समुदाय से व्यापक परामर्श की मांग की। सपा सांसद जया बच्चन ने कहा कि विधेयक से पहले ट्रांसजेंडर समुदाय का दोनों सदनों में प्रतिनिधित्व जरूरी है। बजट सत्र के दौरान विधेयक लाना 'संवेदनाहीन' कदम है। 'हम अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव की बात कर रहे हैं। यह सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक भेदभाव है। सरकार सिर्फ आगामी चुनावों के लिए वोट बैंक तैयार करना चाहती है? ' सांसद फौजिया खान ने कहा कि विधेयक में बदलाव से ट्रांसजेंडर अधिकारों का कमजोर करेगा जो चिंता का विषय है।

हम प्ले-ऑफ में पहुंचे हैं, लेकिन ट्रॉफ़ी जीतने पर ही असली सम्मान मिलेगा : संजीव गोयनका

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स टाटा आईपीएल 2026 में एक नई पहचान के साथ-साथ टीम और सपोर्ट स्टाफ़ में कुछ बड़े बदलावों के साथ आगे बढ़ना चाहेगी। जियो स्टार के 'आईपीएल टुडे लाइव ' पर बात करते हुए, एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका और क्रिकेट के ग्लोबल डायरेक्टर टॉम मूडी ने पिछले सीजन से टीम में हुए सुधारों और पहला टाइटल जीतने के दबाव पर अपने विचार साझा किए।

एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका ने उन एरिया के बारे में बताया जिनमें फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2026 सीजन में सुधार किया है। उन्होंने कहा, ÷अच्छी बात यह थी कि हमारे ज़्यादातर फ्रंटलाइन बॉलर के चोटिल होने के बावजूद हमने अपने पहले छह में से चार गेम जीते। कुछ बड़े कदम उठाए गए, एडेन मार्करम और मिशेल मार्श ने ओपनिंग की, जो उनकी आम पोजीशन नहीं है, और यह उन दोनों के लिए उनका सबसे अच्छा आईपीएल सीजन साबित हुआ। दिग्वेश राठी बिल्कुल नए खिलाड़ी के तौर पर आए और उन्होंने हमारे लिए अच्छा किया। हालांकि, हमें एहसास हुआ कि हमारे पास एक मजबूत बॉलिंग कोर की कमी है, और हमने इस बार एक घरेलू बॉलिंग यूनिट बनाकर इस पर ध्यान दिया है। आप हमेशा सुधार कर सकते हैं, सुधार का कोई अंत नहीं है। अब यह एक साथ आने और अकेले परफॉर्म करने की बात है। बहुत सारे लोग परफॉर्म कर रहे थे। इस साल, हम एक टीम के तौर पर परफॉर्म करना चाहते हैं।'

एलएसजी के लिए अपनी पहचान बनाने के लिए ट्रॉफी जीतना कैसे ज़रूरी होगा, इस पर उन्होंने कहा, ÷मुझे लगता है कि असली पहचान अभी भी बन रही है। किसी भी स्पोर्ट्स टीम के लिए, जब तक आप जीतते नहीं हैं, आपको ट्रॉफी उठाने जैसा सम्मान या प्यार नहीं मिलता है। हाँ, हम दो बार प्लेऑफ़ में पहुँचे हैं, लेकिन यह साफ़ तौर पर काफ़ी नहीं है। आप कुछ जीतते हैं, कुछ हारते हैं, लेकिन हमें अपनी पहली ट्रॉफी जीतनी है।÷

टॉम मूडी ने बताया कि सपोर्ट स्टाफ के लिए भारतीय घरेलू पेस-बॉलिंग अटैक एक फोकस एरिया क्यों था। उन्होंने कहा, ÷लखनऊ में मिस्टर गोयनका से लेकर पूरे सिस्टम तक सभी से बात करने के बाद, यह बहुत साफ़ है कि 2025 के लिए तैयारी उतनी अच्छी नहीं थी जितनी हो सकती थी। हमारे कई खिलाड़ी फिटनेस के मामले में कमज़ोर थे। अब हमारे पास जो स्क्वॉड और बैलेंस है, उसमें एक मज़बूत, हाई-क्वालिटी घरेलू फास्ट-बॉलिंग अटैक शामिल है, जिसे हमने ऑफ-सीज़न में मोहम्मद शमी के लिए ट्रेड करके स्मार्ट तरीके से जोड़ा है, जो उस ग्रुप को लीड कर सकते हैं और आगे का रास्ता दिखा सकते हैं। जिन सभी एरिया में हमें लगा कि सुधार की जरूरत है, उन पर ध्यान दिया गया है, जिसमें एक नई मेडिकल टीम लाना भी शामिल है। इस समय, हमारे सभी फास्ट बॉलर हमें सिलेक्शन में सिरदर्द दे रहे हैं, जो पहले

गेम में जाने से पहले आप बिल्कुल यही चाहते हैं।' एलएसजी के लिए ट्रॉफी जीतने के प्रेशर पर उन्होंने कहा, 'मुझे लंबे समय से प्रोफेशनल क्रिकेट से जुड़े रहने का मौका मिला है, और यही इस खेल का चार्म और चैलेंज दोनों है, प्रेशर को झेलना। जिस शांत कॉन्फिडेंस की हमने पहले बात की थी, वह इस विश्वास से आता है कि टीम इसके लिए तैयार है। आप आगे जो होने वाला है, उससे बेफिक्र हुए बिना ऐसा नहीं कर सकते। वे इसके लिए तैयार हैं।'

मीराबाई चानू ने CWG और Asiad के बीच वजन वर्ग में बदलाव की रणनीतिक योजना बनाई

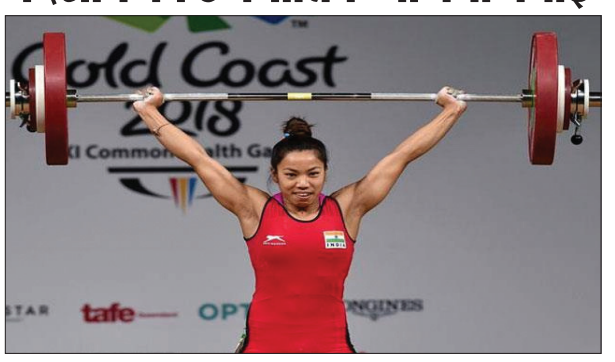

रायपुर (एजेंसी)। भारत की वेटलिफ्टिंग स्टार मीराबाई चानू ने बड़े अंतरराष्ट्रीय इवेंट्स के लिए वजन वर्गों को मैनेज करने की अपनी रणनीतिक अप्रोच का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि वह कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अपना वजन 48 किलोग्राम वर्ग में बनाए रखेंगी, लेकिन उसके तुरंत बाद उन्हें 49 किलोग्राम वर्ग में जाना होगा क्योंकि एशियन गेम्स दो महीने के अंदर ही होने वाले हैं।

एक दशक से भी ज्यादा समय से साइखोम मीराबाई चानू भारतीय वेटलिफ्टिंग का चेहरा रही हैं। इस दौरान उन्होंने कई शानदार मेडल जीते हैं जिनमें टोक्यो ओलंपिक्स का सिल्वर मेडल, तीन वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल और तीन कॉमनवेल्थ गेम्स में पोडियम फिनिश शामिल हैं। फिर भी मणिपुर की इस वेटलिफ्टर से एक उपलब्धि अभी भी दूर है और वो है एशियन गेम्स में मेडल जीतना। मीराबाई ने पहली बार 19 साल की उम्र में इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था और 2014 के इंचियोन एशियन गेम्स में नौवें स्थान पर रहीं थीं। बाद में पीठ की चोट के कारण उन्हें 2018 के जकार्ता एशियन गेम्स से हटना पड़ा था, जिससे उनकी तैयारियों में रुकावट आई थी।

मेडल के सबसे करीब वह 2022 के हांगझोऊ एशियन गेम्स में पहुंची थीं, जहां कूल्हे की चोट ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया था जबकि वह पोडियम फिनिश हासिल करने के बेहद करीब थीं। इस झटके के कारण उन्हें लगभग 5 महीने तक खेल से दूर रहना पड़ा था। 31 साल की इस खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए 2024 के पेरिस समर ओलंपिक्स के लिए क्वालिफाई किया, जहां वह लगातार दूसरा ओलंपिक मेडल जीतने से बाल-बाल चूक गईं। तब से उनका पूरा ध्यान आखिरकार एशियन गेम्स में मेडल न जीत पाने के सूखे को खत्म करने पर लगा हुआ है।

रोहित और डिकॉक की जोड़ी विरोधियों पर भारी पड़ेगी : बद्रीनाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस (एमआई) 29 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। इसमें एक बार फिर रोहित शर्मा और क्विंटन डिकॉक मुम्बई की पारी की शुरुआत करते हुए दिखेंगे। इसी को लेकर पूर्व बल्लेबाज सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने कहा है कि रोहित और डिकॉक की सलामी जोड़ी आईपीएल में विरोधी टीमों पर भारी पड़ेगी। डिकॉक को मुंबई ने आईपीएल 2026 के लिए हुई नीलामी में एक करोड़ रुपये के आधारमूल्य पर खरीदा था। डिकॉक ने मुम्बई की ओर से साल 2019 से 2021 तक खेल खेलते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। बद्रीनाथ ने कहा, 'रोहित अभी भी भारतीय टी20 टीम का हिस्सा बनने के लिए शानदार हैं। डिकॉक के साथ उसकी शुरुआती जोड़ी काफी अच्छी है।'

बद्रीनाथ ने कहा कि टीम को तिलक वर्मा को नंबर 3 पर ही उतारना चाहिये। उन्होंने यह भी कहा कि सूर्यकुमार यादव को नंबर 4 और कप्तान हार्दिक पांड्या को नंबर 5 पर ही उतारें। बद्रीनाथ ने कहा, तिलक ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के लिए नंबर 5 और 6 पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है पर अगर वह वहीं बल्लेबाजी करेंगे तो नंबर 3 पर किसे उतारा जाएगा। उसके बाद हार्दिक, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड और विल जैक्स जैसे विकल्प टीम के पास हैं। भारतीय न टीम ने रिंकू सिंह के नहीं होने की पर तिलक को नीचे बल्लेबाजी करने भेजा पर आईपीएल में तिलक को नंबर 3 पर ही उतारना चाहिये।

इस पूर्व क्रिकेटर नरे रोहित की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अभी भी इतने फिट है कि भारतीय टी20 टीम से खेल सकते है। रोहित ने टी20 प्रारुप से पहले ही संन्यास ले लिया है हालांकि वह आईपीएल में अब भी मुम्मई इंडियंस के लिए खेलते हैं।

आंकड़ों में आरसीबी पर भारी नजर आती है सनराइजर्स

बेंगलुरु (एजेंसी)। गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के अपने पहले मुकाबले में अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 28 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद से खेलेगी। इस मैच में हालांकि आरसीबी की राह आसन नहीं कही जा सकती। आंकड़ों पर नजर डालें तो आईपीएल इतिहास में इन दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 26 मुकाबले हुए हैं। जिसमें से 13 मैच सनराइजर्स हैदराबाद ने जबकि 11 मुकाबले आरसीबी ने जीते हैं। वहीं दो मैचों का परिणाम नहीं निकला। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने पिछली बार खिताबी जीता था जिससे टीम इस बार बनाये रखना चाहेगी। आरसीबी की टीम के पास अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और फिल साल्ट सहित कई अच्छे खिलाड़ी हैं। वहीं देवदत्त पडिक्कल मध्यक्रम में रनों

की जिम्मेदार संभालेंगे। इसके अलावा टिम डेविड और जितेश शर्मा ने भी आईपीएल 2025 में अपनी बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा था। रोमारियो शेफर्ड और क्रुणाल पांड्या से भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। वहीं वेंकटेश अय्यर के आने से टीम की बल्लेबाजी मजबूत हुई है पर टीम की कमजोरी उनकी तेज गेंदबाजी है। टीम के मुख्य तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मुकाबले नहीं खेलेंगे। ऐसे में स्विंग के लिए मशहूर भुवनेश्वर कुमार गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज यश दयाल भी इस बार टीम में नहीं हैं। ऐसे में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

वहीं दूसरी ओर, सनराइजर्स हैदराबाद एक बार फिर जमकर रन बनाना चाहेगी। उसके पास अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड और ईशान किशन जैसे अच्छे खिलाड़ी हैं। कप्तान पैट कमिंस के नहीं होने से ईशान शुरुआती मुकाबलों में कप्तानी संभालेंगे। वहीं हेनरिक क्लासन से भी टीम को आक्रामक बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी।

फिनिशर के तौर पर उसके पास अनिकेत वर्मा के अलावा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी हैं। लियाम लिविंगस्टन भी अपने को साबित करना चाहेंगे। सनराइजर्स की भी कमजोरी उसका गेंदबाजी आक्रमण है। मुख्य तेज गेंदबाज कमिंस के नहीं होने से गेंदबाजी की जिम्मेदारी ईशान मलिंगा, हर्षल पटेल और जयदेव उनादकट के पास रहेगी। वहीं स्पिन की जिम्मेदारी युवा स्पिनर जीशान अंसारी के पास रहेगी।

आरसीबी और राजस्थान के बिकने से बीसीसीआई को भी करोड़ों रुपये का फायदा

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 वां सत्र शुरु होने से पहले ही करोड़ों रुपये का फायदा हुआ है। बोर्ड को ये लाभ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) जैसी टीमों के बिकने से हुआ है। आरसीबी जहां 16660 करोड़ रुपए, वहीं आरआर 15290 करोड़ रुपए में बिकी। इस तरह दोनों टीम टीमों को मिला दिया जाये तो करार की रकम 31000 करोड़ रुपए तक पहुंच गयी है। जिससे बीसीसीआई को भी ट्रेड डील के तहत मोटी रकम मिली है। गौरतलब है कि आईपीएल में जब भी किसी टीम का मालिक बदलता है तो बीसीसीआई को ट्रेड डील के तहत 5-5 फीसदी कमीशन दिया जाता है। ऐसे में आरसीबी के बिकने से बीसीसीआई को 833 करोड़ और राजस्थान से करीब 750 करोड़ रुपए कमीशन के तहत मिले हैं। इससे क्रिकेट बोर्ड को बिना कुछ किये ही 1583 करोड़ रुपए मिले हैं। इस करार के अलावा बीसीसीआई को हर साल आईपीएल से करोड़ों का राजस्व मिलता है। आरसीबी को आदित्य बिरला ग्रुप, अमेरिकी खेल निवेशक डेविड ब्लिट्ज़र और अमेरिकी निजी इक्विटी फर्म ब्लैकस्टोन ने मिलकर खरीदा है। वहीं राजस्थान रॉयल्स को काल सोमानी के समूह ने खरीदा है। राजस्थान और आरसीबी की टीम आईपीएल में एक-एक बार की चैंपियन रही है। राजस्थान की टीम ने आईपीएल के पहले सत्र में साल 2008 में खिताब जीता था।

ऋतुराज बोले, सैमसन और मैं करेंगे सीएसके की पारी की शुरुआत

चेन्नई । आईपीएल टीम चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने कहा है कि इस सत्र में वह संजू सैमसन के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। गायकवाड़ के इस बयान के बाद टीम की सलामी जोड़ी को लेकर लगायी जा रही अटकलें भी समाप्त हो गयी हैं। सैमसन इस सत्र में रॉयल्स को छोड़कर सीएसके से जुड़ गये थे। ऋतुराज ने कहा कि तीसरे नंबर पर आयुष म्हात्रे उतरेंगे। सैमसन ने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन कर दिखाया है कि टी20 में वह पारी की शुरुआत के लिए काफी अच्छे हैं। सैमसन ने टी-20 विश्व कप 2026 में में भी काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 300 से अधिक रन बनाये थे। ऐसे में सीएसके को उनसे इसी प्रकार के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। वहीं गायकवाड़ आईपीएल के पिछले सत्र में केवल पांच मैच ही खेल सके थे। जिसमें उन्होंने 150 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 122 रन बनाए थे। ऐसे में वह इस बार अधिक से अधिक रन बनाने का प्रयास करेंगे। चेन्नई सुपरकिंग्स का प्रदर्शन आईपीएल 2025 में बेहद निराशाजनक रहा था। टीम 14 में से सिर्फ 4 ही मैच जीत सकी थी जबकि 10 मुकाबलों में टीम को हार झेलनी पड़ी थी। हालांकि, इस बार टीम ने कई युवा खिलाड़ियों को शामिल किया है जिससे उसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। आईपीएल मुकाबले इसी माह के अंत में खेले जाएंगे।

आईपीएल के इस सत्र में डिविलियर्स और उथप्पा को पीछे छोड़ सकते हैं राहुल

नई दिल्ली । इस माह के अंत में शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज केएल राहुल के पास एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम हासिल करने का अवसर रहेगा। राहुल इस सत्र में सबसे ज्यादा बाउंड्री लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल दक्षिण अफ्रीका के पूर्व स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स और अपने ही हमवतन रॉबिन उथप्पा को पीछे छोड़ सकते हैं। राहुल अभी 145 मैचों में 660 बाउंड्री के साथ नौवें नंबर पर हैं। राहुल ने 452 चौके और 208 छक्के लगाये हैं। राहुल को डिविलियर्स का रिकार्ड तोड़ने के लिए पांच और उथप्पा को पीछे छोड़ने चार बाउंड्री चाहिये। विलियर्स ने 184 आईपीएल मैचों में 664 बाउंड्री लगायी हैं। इस दौरान उन्होंने 413 चौके और 251 छक्के लगाये और दिल्ली व आरसीबी की ओर से खेला। वहीं उथप्पा ने 205 मुकाबलों में से 663 में बाउंड्री लगाई। उन्होंने 481 चौके और 182 छक्के लगाये। वह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) समेत पांच फ्रेंचाइजी में शामिल रहे। लीग में सबसे अधिक 1062 का रिकार्ड विराट कोहली का है जबकि 942 बाउंड्री के साथ ही रोहित शर्मा दूसरे नंबर पर है। 920 बाउंड्री के साथ शिखर धवन तीसरे जबकि 899 के साथ ही डेविड वार्नर पांचवे नंबर पर हैं।

आईपीएल से पहले नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों पर भड़के गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्वर ने लीग की शुरुआत से ठीक पहले नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों को आड़े हाथों लिया है। गावस्कर ने कहा कि इस प्रकार का रवैया ठीक नहीं है। इसके खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरुरत है। पिछले कुछ समय से लगातार देखने में आया है कि खिलाड़ी लीग से पहले कई प्राकर की बहानेबाजी कर हट जाते हैं जिससे टीम को नुकसान होता है। गावस्कर ने कहा कि टीम करोड़ों रुपये देकर जब इन खिलाड़ियों का अनुर्बाधित करती। इसके बाद टीम की रणनीत बनती है पर इनके नहीं खेलने से सब बेकार हो जाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार गावस्कर का कहना गलत नहीं है। टीम नीलामी में करोड़ों रुपये खर्च कर विदेशी खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ती

हैं, उनकी भूमिका तय करती हैं और उसी हिसाब से टीम का संयोजन बनाती हैं।

वहीं जब यही खिलाड़ी टूर्नामेंट के अहम समय पर गायब हो जाते हैं, उसके लिए सभी कुछ बेकार हो जाता है।

आमतौर पर चोट, वर्कलोड मैनेजमेंट, या फिर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए खिलाड़ी हटते हैं।यह अपने आप में गलत नहीं है। किसी भी खिलाड़ी का फिट रहना और लंबे समय तक खेलना प्राथमिकता होनी चाहिए पर ये सवाल यह है कि जब खिलाड़ी आईपीएल अनुबंध करते हैं तभी उन्हें सभी बातों का ध्यान रखना चाहिये।

यहां मामला 'उपलब्धता' से ज्यादा 'प्राथमिकता' का है। इससे आईपीएल की साख भी प्रभावित हो रही है। ऐसा लगता हैकि आईपीएल विदेशी खिलाड़ियों के लिए सिर्फ एक विकल्प बनकर रह गया है, जहां वे सुविधा के अनुसार खेलते हैं और असुविधा होते ही हट जाते हैं जिस स्वीकार नहीं किया जा सकता। ऐसे खिलाड़ियों को लीग से प्रतिबंधित कर दिया जान चाहिये। ऐसे में फ्रेंचाइजियां को अपने चयन में अधिक सतर्कता रखते हुए केवल उसी खिलाड़ी को शामिल करना चाहिये जो खेलन को लेकर गंभीर हो। खिलाड़ी की उपलब्धता और प्रतिबद्धता के ट्रैक रिकॉर्ड को भी चयन में पहली प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 सीजन से पहले स्टेडियम में की पूजा

चंडीगढ़। पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सीजन से पहले बुधवार को न्यू चंडीगढ़ के नए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पूजा की। आज यहां इस मौके पर टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग, स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले और विकेटकीपिंग कोच ब्रैड हैडिन मौजूद थे। टीम ने आने वाले सीजन के लिए आशीर्वाद मांगा। फ्रेंचाइजी एक रोमांचक अभियान के लिए पूरी तरह से तैयार है। पंजाब किंग्स अपने आईपीएल 2026 सीजन की शुरुआत 31 मार्च को अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटन्स के खिलाफ करेंगे।

अर्जुन तेंदुलकर पर टिप्पणी को लेकर अश्विन पर भड़े योगराज

मुम्बई । अर्जुन तेंदुलकर को लेकर दिये बयान को लेकर पूर्व स्पिनर आर अश्विन और पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह में ठन गयी है। अर्जुन आईपीएल के इस सत्र में मुंबई इंडियंस की जगह पर लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलेंगे। इसी को लेकर अश्विन की टिप्पणी आई है। जिसमें उन्होंने कहा है कि टीम में पहले से ही मयंक यादव, मोहसिन खान, आवेश खान और मोहम्मद शमी जैसे अच्छे तेज गेंदबाज हैं। ऐसे में अर्जुन के लिए अंतिम एकादश में जगह बनाना आसान नहीं होगा और उन्हें काफी प्रयास करना होगा। वहीं अश्विन के इस बयान से योगराज नाराज हो गये। उनका कहना है कि अश्विन की टिप्पणी गलत है। साथ ही कहा कि किसी भी खिलाड़ी की क्षमता पर इस तरह सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करना गलत है। योगराज ने यहां तक कह दिया कि अगर अर्जुन छह महीने में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज नहीं बनते, तो वह अपनी दाढ़ी कटवा लेंगे। योगराज ने साथ ही कहा कि अर्जुन को केवल गेंदबाज के रूप में देखना गलत है, बल्कि वह एक ऑलराउंडर के तौर पर अधिक प्रभावी साबित हो सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अर्जुन की फिटनेस और तकनीक को लेकर पहले भी चर्चा हो चुकी है और सही मार्गदर्शन मिलने पर वह बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। अर्जुन के लिए यह सीजन काफी अहम माना जा रहा है। मुंबई इंडियंस में सीमित अवसर मिलने के बाद लखनऊ ने उन्हें अवसर दिया है। अब टीम संयोजन और प्रदर्शन के आधार पर ही उनका भविष्य तय होगा।

मियामी ओपन 2026: सबालेंका और राइबाकिना के बीच सेमीफाइनल में होगी टक्कर

मियामी (एजेंसी)। मियामी में खेले जा रहे प्रतिष्ठित मियामी ओपन 2026 में महिला एकल वर्ग में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका और दुनिया की नंबर-2 खिलाड़ी एलेना राइबाकिना के बीच एक और हाई-वोल्टेज मुकाबला देखने को मिलेगा। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है।

डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका ने अमेरिका की हैली बैपटिस्ट को 6-4, 6-4 से हराया। वहीं राइबाकिना ने पांचवीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 2-6, 6-3, 6-4 से शिकस्त दी। पेगुला पिछले साल इसी टूर्नामेंट में सबालेंका से फाइनल हार चुकी थीं।

दोनों स्टार खिलाड़ी गुरुवार रात हार्ड रॉक स्टेडियम में फाइनल में जगह बनाने के लिए आमने-सामने होंगी।

सबालेंका और राइबाकिना के बीच हाल के मुकाबले बेहद रोमांचक रहे हैं। इस साल जनवरी में खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में राइबाकिना ने सबालेंका को हराया था, जो 2026 में सबालेंका की एकमात्र हार रही। हालांकि, सबालेंका ने इंडियन वेल्स ओपन के फाइनल में जीत दर्ज कर उसका बदला चुका लिया।

मैच के बाद सबालेंका ने कहा कि राइबाकिना के खिलाफ मुकाबले हमेशा कड़े और रोमांचक होते हैं और वह इस भिड़ंत को लेकर काफी उत्साहित हैं। सबालेंका अब 'सनशाइन डबल' (इंडियन वेल्स और मियामी ओपन जीतने) से सिर्फ दो जीत दूर हैं।

क्वार्टरफाइनल में सबालेंका को बैपटिस्ट से कड़ी चुनौती मिली, लेकिन अहम मौकों पर उन्होंने दबाव संभालते हुए जीत दर्ज की।

दूसरी ओर, राइबाकिना ने पेगुला के खिलाफ खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की। पहला सेट गंवाने के बाद उन्होंने लय पकड़ी और लगातार पांचवीं बार पेगुला को हराया।

पुरुष वर्ग में लेहेका की जीत

पुरुष एकल वर्ग में चेक गणराज्य के जिरी लेहेका ने स्पेन के क्वालीफायर मार्टिन लैंडालुसे को 7-6(7/1), 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

लेहेका को यह जीत आसान नहीं रही, क्योंकि लैंडालुसे ने पहले सेट में सभी ब्रेक प्वाइंट बचाए। हालांकि, टाईब्रेक में लेहेका ने दबदबा बनाया और दूसरे सेट के अंतिम गेम में ब्रेक हासिल कर मैच अपने नाम किया। अब लेहेका का मुकाबला अमेरिका के टॉमी पॉल और फ्रांस के आर्थर फिल्स के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

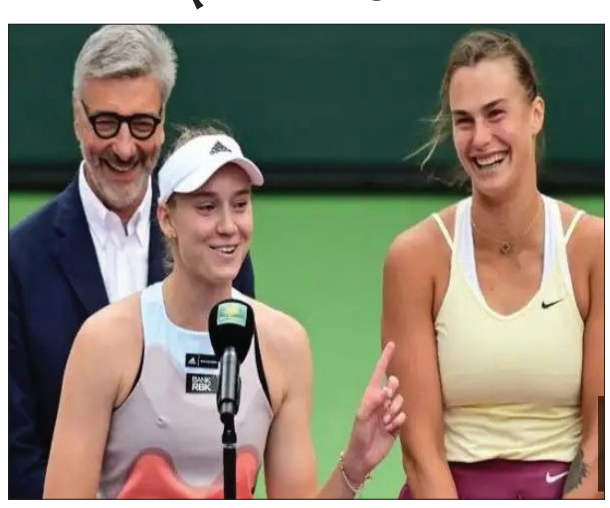

थॉमस और उबर कप बैडमिंटन में लक्ष्य और सिंधु पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिटंन स्टार लक्ष्य सेन अगले महीने होने वाले थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष टीम की कमान संभालेंगे। वहीं ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा उबर कप में महिला टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ ने 24 अप्रैल से तीन मई तक डेनमार्क के होर्सेंस में होने वाले थॉमस कप के लिए लक्ष्य के अलावा, किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को टीम में बरकरार रखा है। वहीं युवा आयुष शेट्टी को को भी पहली बार टीम में जगह दी है। पुरुष टीम में एमआर अर्जुन ध्रुव कपिला और किरण जॉर्ज को भी जगह मिली है। वहीं उबर कप में सिंधु, शीर्ष युगल जोड़ी गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली भारती की ओर से पदक की प्रबल दावेदार रहेंगी। भारतीय टीम पिछली बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी पर इस बार उसका लक्ष्य और बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उन्नति हुडा के साथ देविका सिहाग, इशारानी बरुआ और किशोरी तन्वी शर्मा जैसी युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी टीम में रहेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ के अनुसार खिलाड़ियों का चयन 10 मार्च तक की बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग के आधार पर किया गया है, जिसमें शीर्ष पांच एकल खिलाड़ी और शीर्ष दो युगल जोड़ियां शामिल हैं। टीम संयोजन को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।

कुंभकर्ण की भूमिका में नजर आएंगे फैसल मलिक

फिल्म 'रामायण' सबसे ज्यादा इंतजार किए जाने वाले प्रोजेक्ट्स में से एक है। इस फिल्म में रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश जैसे कई बेहतरीन कलाकार शामिल हैं। फिल्म को लेकर फैंस उत्साहित हैं। खबर है कि इस फिल्म से 'पंचायत' फेम फैसल मलिक भी जुड़ रहे हैं। वह इसमें अहम किरदार निभाएंगे।

'रामायण' में कुंभकर्ण की भूमिका के लिए फैसल मलिक को चुना गया है। इससे पहले, इस भूमिका के लिए बॉबी देओल का नाम सामने आया था। फैसल मलिक को सीरीज 'पंचायत' में प्रह्लादचा का किरदार निभाने के लिए जाना जाता है। हाल ही में उन्हें अनिल कपूर की फिल्म 'सूबेदार' में भी देखा गया था।

पहला शेड्यूल पूरा किया

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल पूरा कर लिया है। बताया जाता है कि वह मुंबई के प्राइम फोकस स्टूडियो में कुंभकर्ण के शुरुआती सीन के लिए यश के साथ शामिल हुए। सूत्र ने पोर्टल को बताया कि फैसल मलिक की लंबाई और उनकी अच्छी-खासी कद-काठी उन्हें इस रोल के लिए एकदम सही बनाती है। अब तक, फैसल मलिक को कास्ट किए जाने की कोई भी आधिकारिक पुष्टि न तो फिल्म बनाने वालों की तरफ से हुई है और न ही एक्टर की तरफ से।

रामायण की कास्ट

वैरायटी इंडिया ने हाल ही में जानकारी दी थी कि राघव जुयाल को रामायण में मेघनाद (जिसे इंद्रजीत भी कहा जाता है) का रोल निभाने के लिए चुना गया है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम का रोल निभा रहे हैं, वहीं साई पल्लवी देवी सीता के रूप में नजर आएंगी। यश इस फिल्म में रावण के रूप में दिखाई देंगे। सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण का रोल निभाएंगे। काजल अग्रवाल और रकुल प्रीत सिंह मंदोदरी और शूर्पणखा के रूप में नजर आएंगी।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। रामायण पार्ट वन इस दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है, जबकि इसका दूसरा भाग 2027 की दिवाली पर रिलीज होगा।

सपनों को उड़ान देने के लिए पंख जरूरी और ये पंख हमारे अपने होते हैं

सपनों को पूरा करने की दौड़ में कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में अगर किसी का सहारा मिले तो संघर्ष कुछ हद तक आसान लगने लगता है। यही बात बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने इंटरव्यू में कही। उन्होंने कहा कि टैलेंट के साथ-साथ अगर किसी का साथ मिल जाए तो इंसान कामयाबी हासिल कर सकता है। दिव्या दत्ता ने कहा, ''हर इंसान के अंदर टैलेंट जरूर होता है, लेकिन उसे पहचानने के लिए किसी अपने का साथ जरूरी होता है। जब किसी व्यक्ति को परिवार का साथ मिलता है तो उसका आत्मविश्वास और हौसला दोगुना हो जाता है। सपनों को उड़ान देने के लिए पंख चाहिए होते हैं, और ये पंख हमारा अपना परिवार और अपने ही लोग ही होते हैं।'' दिव्या दत्ता ने अपना अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा, ''मैंने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए लोगों को देखा है कि वे किस तरह अपनी पहचान बना रहे हैं। कोई गृहिणी अपने कुकिंग टैलेंट को दुनिया के सामने ला रही है, तो कोई ट्रैवल ब्लॉग के जरिए लोगों के बीच अपनी पहचान बना रहा है। इन सभी कहानियों में एक चीज समान है, और वो है अपने परिवार और करीबियों का साथ... इस साथ के जरिए उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत मिलती है।''

उन्होंने कहा, ''मैंने अक्सर देखा है कि लोग अपनी ही दुनिया में सिमटे रहते हैं और ये मानकर बैठे रहते हैं कि उनकी परेशानियां और संघर्ष सबसे बड़े हैं, लेकिन जब हम दूसरों की कहानियों को देखते हैं, तब पता चलता है कि हर किसी की अपनी-अपनी लड़ाई है, जिसे लड़कर वह आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में अगर किसी को थोड़ा सा भी सहारा मिल जाए तो वह बड़ी से बड़ी मुश्किल को पार कर सकता है।'' इस बातचीत में फिल्ममेकर सशांत शाह ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''आज के समय में सोशल मीडिया एक बड़ा प्लेटफॉर्म बन चुका है। यहां हर किसी के टैलेंट को मौका मिलता है, लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है कि टैलेंट को सही समर्थन भी मिले। अगर किसी के अंदर काबिलियत है तो उसे आगे लाने के लिए किसी का साथ मिलना बहुत जरूरी है।''

रोमांटिक अंदाज में वापसी करेंगे शाहरुख

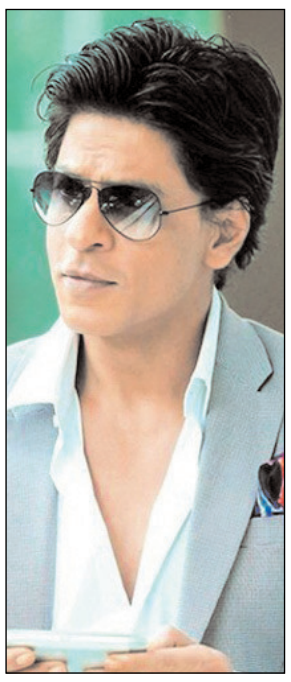

शाहरुख खान एक बार फिर बड़े पर्दे पर रोमांस का जादू बिखेरने की तैयारी में हैं। हाल ही में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 'किंग' के बाद किंग खान एक बिग बजट रोमांटिक फिल्म में नजर आ सकते हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म में उनका लुक काफी अलग और विंटेज स्टाइल का होगा, जो दर्शकों के लिए नया अनुभव लेकर आएगा। रिपोर्ट के मुताबिक यह फिल्म क्लासिक लव स्टोरी पर आधारित होगी, जिसमें इमोशंस और पुराने दौर की फीलिंग्स को मॉडर्न टच के साथ पेश किया जाएगा। मेकर्स इस प्रोजेक्ट को बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी कर रहे हैं, ताकि दर्शकों को एक भव्य सिनेमैटिक अनुभव मिल सके। रिपोर्ट के मुताबिक शाहरुख इस फिल्म में एक परिपक्व और गहराई वाले किरदार में दिखाई देंगे। उनका यह अवतार उनके पुराने रोमांटिक इमेज की याद दिलाएगा, जिसे दर्शकों ने 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है' और 'वीर-जारा' जैसी फिल्मों में खूब पसंद किया था।

श्रीलीला ने बताया क्यों छोड़ना चाहती थीं इंडस्ट्री

तेलुगु अभिनेत्री श्रीलीला इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में वो पवन कल्याण के साथ नजर आई हैं। इस बीच श्रीलीला ने ट्रोलिंग को लेकर बात की और बताया कि ट्रोलिंग से उन पर क्या प्रभाव पड़ता है। उन्होंने ये भी बताया कि आखिर क्यों उन्होंने फिल्में छोड़ने तक का प्लान भी बना लिया था?

पहले ट्रोलिंग करती थी परेशान

श्रीलीला ने ट्रोलिंग को लेकर बात की। उनसे पूछा गया कि क्या ट्रोलिंग उन्हें परेशान करती है? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि जब मैंने इस इंडस्ट्री में शुरुआत की थी, तब तो करती थी। मुझे बहुत बुरा लगता था, मैं रोती थी। मैंने अपनी मां से भी कहा था, मुझे नहीं लगता कि मैं यह कर पाऊंगी। क्या मुझे वापस स्कूल या कॉलेज जाना चाहिए? मैं बहुत संवेदनशील थी, लेकिन अब मुझे इसकी परवाह नहीं है। श्रीलीला ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि आजकल लोगों में अपनी बुद्धि होती है। इसलिए, निगेटिविटी देखने पर भी वे थोड़ा सोचते हैं। आजकल के लोगों में पहले से ज्यादा बुद्धि होती है। इसलिए वो ज्यादा ही सोचते हैं।

कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी श्रीलीला

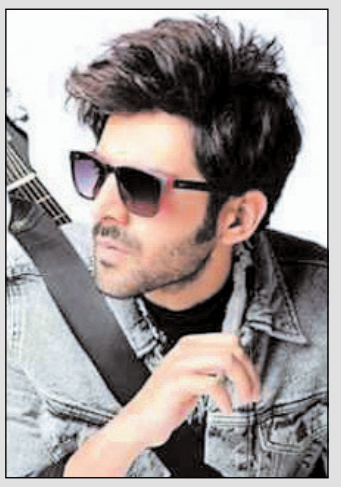

वर्कफ्रंट की बात करें 'उस्ताद भगत सिंह' के बाद श्रीलीला अब अनुराग बसु द्वारा निर्देशित अनाम फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म में वो कार्तिक आर्यन के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। यह एक म्यूजिकल लव स्टोरी है। पहले इसे 'आशिकी 3' बताया जा रहा था, हालांकि, बाद में मेकर्स ने साफ किया कि ये 'आशिकी 3' नहीं है। अब फिल्म का नाम 'तू मेरी जिंदगी है' बताया जा रहा है। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

'द इंडिया हाउस' से मेरा हिस्टोरिकल ड्रामा में काम करने का उनका सपना रहा है

अभिनेत्री सई मांजरेकर अपनी पैन इंडिया फिल्म 'द इंडिया हाउस' को लेकर काफी काफी उत्साहित हैं। 1905 में प्रेम और क्रांति की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में सई सती की भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर सई का कहना है कि एक हिस्टोरिकल ड्रामा में काम करने का उनका सपना रहा है, जो इस फिल्म के साथ पूरा हो रहा है।

बातचीत में एक्ट्रेस ने फिल्म को लेकर कहा कि किसी ऐतिहासिक फिल्म में अभिनय करना हमेशा से मेरा सपना रहा है। जब मुझे पता चला कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं, तभी से मैं एक ऐतिहासिक फिल्म में काम करना चाहती थी। इसलिए यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। 'द इंडिया हाउस' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास और अद्भुत अनुभव है। जब मैंने पहली बार इसकी कहानी सुनी, तो मुझे पता चल गया कि यह सिर्फ एक और फिल्म नहीं है, बल्कि एक ऐसी कहानी है जिसमें भावनाएं, इतिहास और उद्देश्य समाहित हैं।

अपने किरदार को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि मेरा किरदार सती का है, और यह एक खूबसूरत भूमिका है। वह दृढ़ इच्छाशक्ति वाली होने के साथ-साथ कोमल और दयालु भी हैं। अपने भीतर इस संतुलन को खोजना एक बेहद यादगार अनुभव रहा। मुझे याद है कि एक सीन के बीच में मैं अक्सर 'प्लीज' या 'धन्यवाद' जैसे शब्द बोल देती थी, जो हम अन्य जॉनर में आसानी से इस्तेमाल करते हैं। फिर मैं माफी मांगती और सीन दोबारा करती। उस दौर के बारे में जानना और लोगों के रहन-सहन, पहनावे और बोलने के तरीके को समझना एक दिलचस्प अनुभव रहा है। इतने समृद्ध इतिहास से घिरे हम्पी में शूटिंग करने से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला।

भाग्यशाली हूं राम चरण के साथ काम करने का मौका मिला

फिल्म की टीम के साथ काम करने के अनुभव को लेकर सई ने कहा कि राम चरण के पहले प्रोडक्शन में काम करना मेरे लिए सचमुच अनमोल है। वो साउथ इंडस्ट्री के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं। सिनेमा और इसमें शामिल हर व्यक्ति के प्रति उनका सम्मान इस फिल्म के हर पहलू में झलकता है। खिल सिद्धार्थ और अनुपम खेर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए एक बड़ा सीखने का अनुभव रहा है।

धुरंधर 2 के नए कलाकारों अपनी एक्टिंग से किया हैरान

'धुरंधर' की सफलता के बाद अब 'धुरंधर 2' सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। इस बार फिल्म को लेकर लोगों का उत्साह पहले पार्ट से भी ज्यादा देखने को मिल रहा है। दूसरे पार्ट में कहानी आगे बढ़ती है। यही कारण है कि इस बार फिल्म की कास्ट में कई नए कलाकार भी शामिल हुए हैं। जानते हैं 'धुरंधर 2' में शामिल हुए नए कलाकारों के बारे में।

दानिश इकबाल

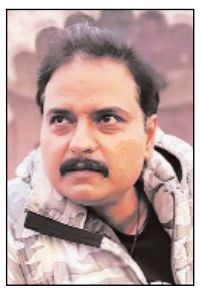

'धुरंधर' के बाद हर किसी को इंतजार था कि 'धुरंधर 2' में बड़े साहब कौन है? अब फिल्म की रिलीज के बाद इस बात से पर्दा हट चुका है। क्योंकि बड़े साहब के किरदार में दानिश इकबाल नजर आए हैं। फिल्म में उन्होंने जबरदस्त काम किया है और अपने किरदार से इंसाफ किया है।

यामी गौतम

ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि 'धुरंधर 2' में यामी गौतम भी नजर आ सकती हैं। अब 'धुरंधर 2' के रिलीज होने के बाद यामी गौतम का फिल्म कैमियो नजर आया है। 'धुरंधर : द रिवेंज' में यामी शाजिया बानो की भूमिका निभा रही हैं, जो एक नर्स है। हालांकि, इसके आगे बताना स्पॉइलर हो जाएगा। लेकिन इस स्पाई-थ्रिलर में यामी का कैमियो है।

उदयबीर संधू

यामी गौतम के अलावा 'धुरंधर 2' में अभिनेता उदयबीर संधू ने भी अहम भूमिका निभाई है। उदयबीर फिल्म में जसकीरत सिंह रांगी (रणवीर सिंह) के करीबी दोस्त गुरबाज सिंह का किरदार निभा रहे हैं। उन्हें प्यार से पिंडा कहा जाता है।

भाषा सुंबली

'द कश्मीर फाइल्स' से चर्चा में आईं अभिनेत्री भाषा सुंबली भी इस स्पाई-थ्रिलर में नजर आई हैं। उन्होंने 'धुरंधर 2' में एक वकील की भूमिका निभाई है। उनका किरदार बहुत लंबा तो नहीं, लेकिन महत्वपूर्ण जरूर है।

मधुरजीत सरघी

मधुरजीत सरघी जसकिरत सिंह रांगी यानी रणवीर सिंह की मां प्रभनीत कौर रांगी के किरदार में नजर आती हैं। वो इससे पहले टेलीविजन शो और कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

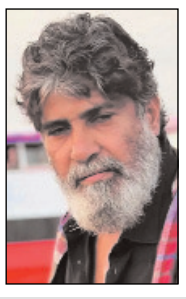

सुविंदर पाल

सुविंदर पाल ने ब्रिगेडियर जहांगीर का किरदार निभाया है। कोहरा फिल्म के लिए मशहूर इस अभिनेता को 'धुरंधर द रिवेंज' में अर्जुन रामपाल उर्फ मेजर इकबाल के पिता के रूप में देखा जा सकता है।

परवीर कौर

जसकीरत सिंह रांगी की बहन के किरदार में परवीर कौर नजर आई हैं। उन्होंने फिल्म में जसलीन कौर रांगी की भूमिका निभाई है। फिल्म में उनकी भूमिका अहम है।

हितिका बाली

अभिनेत्री हितिका बाली ने 'धुरंधर 2' में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वो फिल्म में जसकीरत सिंह रांगी की दूसरी बहन हरलीन कौर रांगी के रोल में नजर आई हैं।

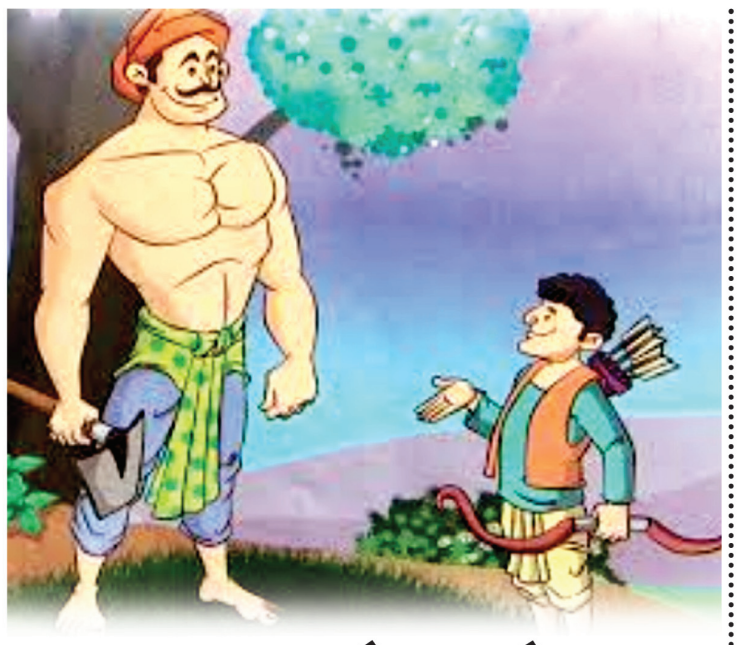

बादल में बौना

जंगल में एक पुराना महल था। उसके मुख्य द्वार के बाहर सोने का एक सांप बना हुआ था। सांप इतनी कुशलता से बनाया गया था कि जीवित लगता था। महल खंडहर बन गया था, पर सांप अभी भी चमकदार था। उधर से गुजरने वाले लोग सोने का सांप देखकर लालच में पड़ जाते। सोचते, 'सोने का सांप बेचकर तो बहुत पैसा कमाया जा सकता है।' लेकिन जो भी सांप की मूर्ति को उठाना चाहता, वह असफल रहता।

लोग कहते थे कि उन्होंने उस महल और सांप की मूर्ति को हमेशा वैसा ही देखा था। राह चलते लोग खंडहर हुए महल में रुकते, आराम करते और अपनी राह चले जाते। महल किसने बनाया और दरवाजे पर द्वारपाल के रूप में सांप की मूर्ति क्यों बनाई गई, यह बात निश्चित रूप से कोई नहीं कह सकता था। पूछने पर पास के गांव के बड़े-बूढ़े इस बारे में एक बहुत ही विचित्र कथा सुनाते थे।

कहीं एक औरत और उसका बेटा रहते थे। औरत मेहनत-मजदूरी करके अपना और अपने बेटे का पेट भरती थी। वह रोज काम पर चली जाती और बेटा घर पर रहता। बेटा अपना समय घर में अकेले बिताता। उसका नाम था जैक। वह बहुत दयालु था।

एक दिन जैक ने घर की दीवार से एक सांप को निकलते देखा। सांप धीरे-धीरे रेंगते हुए दूसरी तरफ अपने बिल में चला गया। जैक उस समय खाना खा रहा था। उसने थोड़ा सा खाना सांप के बिल के बाहर रख दिया। फिर इंतजार करने लगा कि सांप कब वहां से बाहर आता है।

उस दिन से जैक ने यह नियम बना लिया। जब भी भोजन करता, सांप के लिए उसका हिस्सा जरूर रख देता था। जैक की मां ने भी यह देखा। उसने पूछा, तो जैक ने सांप के बारे में बता दिया। सुनकर मां तो डरी, पर जैक ने कहा, मुझे सांप से जरा भी डर नहीं लगता। एक दिन जैक ने सुना, घर की मरम्मत की जाएगी और पुरानी दीवार को तोड़ दिया जाएगा। उसने मां से कहा, मां, दीवार को मत तोड़ो। इस तरह तो सांप बेचारा बेघर हो जाएगा।

मां ने जैक को बहुत समझाया, पर वह तो जिद पकड़ बैठा। मां ने उसकी बात मान ली। आखिर दीवार नहीं तोड़ी गई। दिन सप्ताहों में, सप्ताह महीनों में और महीने वर्षों में बदल गए। जैक सुंदर, सजीला युवक बन गया। कुछ समय बाद जैक की मां की मृत्यु हो गई। इसलिए जैक एकदम अकेला रह गया था।

एक दिन जैक दीवार के पास खड़ा था। तभी उसने एक आवाज सुनी, जैक, मैं तुम्हारा मित्र सांप हूं। अब तुम मेरे लिए कुछ मत रखना। मेरा अंत आ गया है। तुम बहुत अच्छे हो। मैं जाते समय तुम्हें एक मामूली भेंट देकर जाना चाहता हूं। जैक के देखते-देखते दीवार फट गई। उसमें से एक बांसुरी बाहर गिर गई। सांप ने कहा, यह जादुई बांसुरी संकट के समय तुम्हारी मदद करेगी। यह एक परी की है। वह इसे एक झील के किनारे भूल गई थी। मैं इसे किसी अच्छे आदमी को देना चाहता था। जैक ने बांसुरी ले ली। तभी वह दीवार गिर पड़ी। जैक ने देखा, मलबे के बीच मरा हुआ सांप पड़ा है।

जैक ने उसी दिन गांव छोड़ दिया। अब भला उसका कौन था वहां! वह हमेशा बांसुरी अपने साथ रखता था। बांसुरी की सुरीली आवाज से लोग मोहित हो जाते। जैसे बांसुरी में कोई जादू था। उसकी आवाज सुन बीमार लोग अच्छे हो जाते, दुष्टों का दिल दहलने लगता। जंगल में भटके हुए पशु लौट आते।

एक बार जैक किसी गांव के समीप से गुजर रहा था। रास्ते में उसने देखा, सब खेत जले हुए हैं। उसे आश्चर्य हुआ। उसने वहां रहने वालों से पूछा। पता चला, वहां जब-तब अंगारों की बारिश होती है।

मुखिया ने बताया, न जाने कहां से एक काला बादल आता है। उससे अंगारे बरसने लगते हैं। सारी फसल जल जाती है।

जैक मैदान में खड़ा होकर आकाश की ओर देखने लगा। तभी पश्चिम दिशा से काला बादल वहां आया। उससे अंगारे बरसने लगे। जैक ने तुरंत बांसुरी उठाई और बजाने लगा। बांसुरी की मीठी आवाज गूंज उठी। एकाएक अंगारे उछले और बादल में वापस समा गए, जैसे उन्हें किसी ने ऊपर की ओर उछाल दिया हो। सब पहले जैसा हो गया। इसके बाद बादल बड़ी जोर से गरजने लगा। फिर भयानक सूरत वाला एक बौना नीचे उतरा। उसने जैक से पूछा, यह बांसुरी कैसे बजाते हो? तुम्हारे बांसुरी बजाने से आज भारी गड़बड़ हो गई। अंगारे धरती से उछलकर ऊपर चले गए। आज तक तो ऐसा कभी नहीं हुआ था। तुम यह बांसुरी मुझे दे दो।

जैक समझ गया कि बौना उसकी बांसुरी छीनना चाहता है। वह पीछे हटकर जोर-जोर से बांसुरी बजाने लगा। बौना पागलों की तरह उछल-कूद करने लगा। वह बुरी तरह हांफ रहा था, बंद करो बांसुरी बजाना। मैं बहुत थक गया हूं।

जैक समझ गया कि बौना उसके चंगुल में आ चुका है। वह रुका नहीं, उसी तरह बांसुरी बजाता रहा। अब तो बौना गिड़गिड़ाने लगा, मैं तुम्हें एक जादुई सेब देता हूं। इसे जमीन पर फेंकोगे, तो तुम्हें एक उपहार मिलेगा। कहते-कहते उसने एक सेब जैक की तरफ लुढ़का दिया। जैक ने सेब को जोर से जमीन पर पटका, तो वहां एक शानदार महल दिखाई देने लगा। अब जैक ने कहा, तुम्हें मैं इस तरह नहीं छोड़ सकता। तुमने इन भोले गांव वालों को बहुत परेशान किया है। तुम वादा करो कि इन्हें फिर कभी परेशान नहीं करोगे?

मरता क्या न करता? बौने ने कहा, मैं आज के बाद कभी अंगारों की बारिश नहीं करूंगा। जैक ने बांसुरी बजाना बंद कर दिया। बौना बादल में बैठकर भाग गया। जैक उस जादुई महल में रहने लगा। अब उसे किसी चीज की कमी नहीं रही। उसने अपने मित्र सांप की याद में सोने का सांप बनवाकर महल के बाहर लगवा दिया।

इस घटना को बहुत समय बीत चुका है। न जैक रहा, न दूसरे लोग। पर जैक और सोने के सांप की कहानी आज भी जीवित है।

टॉपियरी मतलब घास पर सजी इमेजिनेशन

जब मामला आर्ट का हो तो कई सारे रंगों का दुनिया में बिखर जाना लाजमी है।

जितने सारे लोग इस धरती पर उतनी ही अलग-अलग उनकी कल्पनाएं और दिमाग की दौड़। और जब मामला आर्ट का हो तो कई सारे रंगों का दुनिया में बिखर जाना लाजमी है। जिन बन्दों की कारीगरी हम यहां तुम्हें बता रहे हैं वो काम करते हैं पेड़-पौधों की दुनिया से जुड़कर। ये लोग बनाते हैं ग्रास स्कल्पचर एक आर्ट फॉर्म जिसे टॉपियरी भी कहा जाता है। खास बात यह है कि इस आर्ट फॉर्म को बनने में कुछ महीने से लेकर सालों तक का भी समय लग सकता है।

पर्ल फ्रेयर

टॉपियारी की कला का यह महान आर्टिस्ट दुनिया भर में अपने काम के लिए जाना जाता है। पूरी दुनिया में प्रेम, शांति और सद्भाव फैलाने का विचार लेकर चलने वाले इस अफ्रीकन-अमेरिकन आर्टिस्ट की लगन, खूबसूरत आर्ट और कड़ी मेहनत को आज सभी सलाम करते हैं। यही कारण है कि आज दुनियाभर के टूरिस्ट इनका साउथ कैरोलिना वाला टॉपियारी गार्डन देखने आते हैं जहां 300 से भी ज्यादा प्रकार के पौधे हैं जिनका उपयोग विभिन्न आकारों को बनाने के लिए भी किया गया है। इस गार्डन में कुछ पौधे तो ऐसे भी हैं जिन्हे यूं ही पड़े खाद के ढेर में से उठाकर यहां लाया और रोपा गया है। आज ये बेकार पड़े पौधे खूबसूरत, कलात्मक आकृतियों में बदल चुके हैं। पर्ल के आर्ट पर एक डॉक्यूमेंट्री मूवी 'अ मैन नेम्ड पर्ल'' भी बनाई गई है जो लोगों को प्रकृति से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है।

मथिल्डे रोसेल

इस फ्रेंच आर्टिस्ट ने जिस सोच के साथ ग्रास आर्ट पर काम किया है वह दुनिया के हर इंसान के सोचने का विषय है। रोसेल ने रीसाइकल्ड मैटल की बॉडी में मिट्टी में गेंहूं के दाने डालकर उन्हें आकार दिया है। जब मैटल के ढांचे में नन्हे घासनुमा पौधे पनपते हैं तो ऐसा लगता है जैसे नए जीवन को आकार मिल रहा हो और फिर जब घास सूख जाती है तो मिट्टी का शरीर मिट्टी में ही मिल जाता है। यही कलाकार का विचार भी है। रोसेल चाहती हैं कि इस कला के जरिए वे लोगों को अपने पर्यावरण, प्रकृति और भोजन की महत्ता समझने में मदद कर सकें। इन आकृतियों को रोसेल ने एक्शन फॉर्म में भी बनाया है। इसलिए ये और भी जीवंत नजर आती हैं। ग्रास स्कल्पचर के अलावा रोसेल अन्य आर्ट फॉर्म पर भी काम करती हैं लेकिन उनकी 'लाइव्स ऑफ ग्रास'' की कलाकृतियों ने लोगों को बहुत प्रभावित किया है।

एक अनोखा पत्थर, जिसे पीटने पर आती है घंटी की आवाज

वैसे तो आपने कई अनोखे पत्थरों के बारे में सुना होगा। लेकिन मध्य प्रदेश के रतलाम में मां दुर्गा के मंदिर में एक ऐसा अनोखा पत्थर है, जिसको बजाने पर घंटी की तरह आवाज निकलती है। इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों के सुनकर लोग हैरत में पड़ जाते हैं। कई लोग इसे दैवीय चमत्कार भी मानते हैं। बता दें कि इस पत्थर पर किसी भी अन्य पत्थर के टकराने से धातु की तरह आवाज आती है। रतलाम से करीब 25 किलोमीटर की दूरी पर बेरछा गांव के पास प्राचीन पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर अंबे माता के मंदिर के तौर पर जाना जाता है। इस पहाड़ी पर मंदिर से कुछ ही दूरी पर एक अनोखा पत्थर भी है। इस पत्थर पर किसी अन्य पत्थर से पीटने पर धातु की तरह आवाज निकलती है। पत्थर से निकलने वाली ये आवाज घंटी की तरह सुनाई देती है, जिसे ग्रामीण चमत्कारी पत्थर मानते हैं। बता दें कि इस मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। इस मंदिर को सबसे पहले एक ग्रामीण ने देखा था। उस समय यहां आने के लिए रास्ता भी नहीं था। बाद में ग्रामीणों के द्वारा यहां आने के लिये एक कच्चा सकरा रास्ता बनाया गया ताकि मंदिर तक आवश्यक पूजा व अन्य सामग्री ले जाई जा सके। बेरछा गांव के पास स्थित इस प्राचीन मंदिर से थोड़ी ही दूरी पर एक विचित्र पत्थर है, जिसे बजाने पर उसमें से धातु की तरह टन टन की आवाज आती है। ये किसी चमत्कार से कम नहीं है। वैसे तो पूरी पहाड़ी पत्थरों से भरी हुई है, लेकिन उसमें सिर्फ एक ही पत्थर खास है।

धातु की तरह आवाज निकालने वाला यह पत्थर अब भी रहस्य बना हुआ है। कई ग्रामीण इस पत्थर को दैवीय चमत्कार मानते हुए पूजा भी शुरू कर दी है और यहां पर एक ध्वज भी लगा दिया गया है। यह अनोखा पत्थर अंबे माता के मंदिर से से करीब 700 मीटर की दूरी पर है, जहां पैदल भी जाया जा सकता है। इन दिनों इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों को सुनने के लिए लोगों की काफी भीड़ जुट रही है।

जापानी स्कूल्स जहां मैथ्स एक लैंग्वेज है

जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। यह एक खास बात है कि किसी भी देश के डेवलपमेंट के लिए उसके नागरिकों का पढ़ा-लिखा होना बहुत जरूरी है। इस बात को जापान के उदाहरण से समझा जा सकता है। जापान में प्रायमरी लेवल पर स्कूल जाने वाले बच्चों का पर्सेंटेज है 100। यानी यहां निरक्षर लोगों का पर्सेंटेज है 0। जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। स्कूल में सबको एक जैसा खाना दिया जाता है। यहां स्कूली लेवल पर छोटी क्लास से ही इस बात पर ध्यान दिया जाता है कि बच्चे का सबसे पसंदीदा काम क्या है और इसी बात को ध्यान में रखकर उसे आगे बढ़ने को प्रेरित किया जाता है। जैसे अगर बच्चा साइंस और मैथ्स की बजाय किसी तरह के आर्ट फॉर्म या काम को सीखना चाहता है, तो उसे बेसिक एज्युकेशन के साथ उस काम को ही सिखाया जाता है। फिर चाहे वो काम जूते बनाने का हो या लकड़ी से सुन्दर फर्नीचर बनाने का। किसी भी काम को छोटा नहीं माना जाता। इससे बच्चा अपना पसंदीदा काम सीख पाता है और देश को मिलता है एक अच्छा कारीगर।

जापान में बच्चों को मैथ्स और साइंस जैसे सब्जेक्ट्स भी लैंग्वेज और आर्ट की तरह पढ़ाए जाते हैं और बजाय मैथ्स को रटने के उसे खेल-खेल में सीखा जाता है। टीचर्स मानते हैं कि दूसरी लैंग्वेजेस की तरह ही मैथ्स को भी पढ़ा जा सकता है। यहां टीचर्स एक और टैक्नीक अपनाते हैं। वो है बच्चों को ही टीचर का रोल भी निभाने को कहना। इसके लिए मैथ्स के प्रॉब्लम्स को बोर्ड पर लिख कर बच्चों से सॉल्व करने को कहा जाता है। फिर जब कोई बच्चा उस प्रॉब्लम को सॉल्व कर लेता है तो उसे टीचर बनकर दूसरे स्टूडेंट को प्रॉब्लम सॉल्व करने में मदद को कहा जाता है। इस तरह क्लास का हर बच्चा खुद प्रॉब्लम सॉल्व करने की कोशिश कर पाता है और टीचर कोई भी समस्या आने पर बच्चों की मदद भी कर पाते हैं। जापानियों का मानना है कि आप जो पढ़ते हो उसे अगर किसी को पढ़ाते हो तो चीजों को ज्यादा अच्छे से याद रख पाते हो। पढ़ाई के साथ ही यहां देश के कल्चर, भाषा और इतिहास को भी उतनी ही गहराई से बच्चों तक पहुंचाया जाता है। स्कूल की पढ़ाई के साथ ही बच्चों को ड्रिल, स्वीमिंग आदि जैसी एक्टिविटीज अपनाना कम्पलसरी होता है। ताकि वो खुद को फिट और मजबूत बना सकें। यहां भूकम्प तथा अन्य इमरजेंसियों के हिसाब से बच्चों को बहुत कम उम्र से ही बचाव की ट्रेनिंग भी दी जाती है। यही नहीं बच्चे सिलाई, कुकिंग, ट्रेडिशनल आर्ट फॉर्म आदि भी स्कूल में रहकर सीखते हैं।

पेपर को करो रीसाइकल बनाओ कुछ बेहतर

जब भी रीसाइकलिंग की बात होती है सबसे पहला ध्यान पुराने, बेकार पेपर्स पर ही जाता है।

घर पर तुम भी अक्सर पुराने बेकार पड़े कागज से नाव बनाकर पानी में तैराया करते होंगे या फिर कागज का प्लेन बनाकर उड़ाया करते होंगे लेकिन क्या तुम्हारे दिमाग में इन पुराने पड़े न्यूजपेपर्स या मैगजीन्स को लेकर और कोई आइडिया आता है। क्योंकि जब भी रीसाइकलिंग की बात होती है सबसे पहला ध्यान पुराने, बेकार पेपर्स पर ही जाता है। आओ हम मिलकर बनाते हैं कुछ मजेदार चीजें जो दिखने में अच्छे लगेंगे और यूजफुल भी होंगे।

ये चीजें चाहिए

- न्यूज पेपर या मैगजीन
- चिपकाने के लिए ग्लू

फ्रेम विथ पेपर

तुम्हारे पास कोई पुराना फोटो फ्रेम पड़ा है तो पेपर की मदद से तुम उसे नया लुक दे सकते हो। न्यूजपेपर को मनचाही लंबाई में काटो और उसे फ्रेम के ऊपर एक-एक कर चिपकाते जाओ।

बनाओ पॉट को इंटरेस्टिंग

अपने सिंपल से प्लांट पॉट को पेपर के टुकड़ों से एक क्रिएटिव और नया रूप दे सकते हो। पेपर या मैगजीन को अपने पॉट के आकार के अनुसार काट लो और उसे पतले-पतले ट्यूब के रूप में पॉट के इर्द-गिर्द चिपकाते जाओ।

पेपर बैग

पेपर को दो या तीन लेयर की मोटाई में आपस में चिपका लो ताकि उसमें मजबूती आ जाए। इसके दोनों हिस्सों पर हल्की मोटी रस्सी या फिर खूबसूरत रिबन का इस्तेमाल कर सकते हो। इस इकोफ्रेंडली बैग को हल्के-फुलके सामानों को ले जाने के लिए उपयोग कर सकते हो।

जार की बढ़ाओ खूबसूरती

घर पर पड़े पुराने और बदरंग जार को पेपर के जरिए नए तरीके से प्रेजेंट कर सकते हो। इसके लिए तुम्हें पुरानी मैगजीन के कलरफुल पन्ने लेने होंगे ताकि जार अधिक खूबसूरत दिखे। मैगजीन के पन्नों को सही तरीके से मोड़ते हुए एक के ऊपर चिपकाते जाओ।

कॉफी मग होल्डर

पेपर को गोल-गोल घुमाते हुए मोड़ते जाओ और उनको आपस में चिपकाते जाओ। चाहो तो इसे कलर भी कर सकते हो। इसे तुम कॉफी होल्डर के लिए या डाइनिंग टेबल पर कोई गर्म चीज रखने के भी काम ला सकते हो।

दीवार सजाओ

अच्छी-सी डिजाइन में पेपर्स को काटो और उसे फ्रेम करके अपने ड्रॉइंग रूम में या फिर अपने रूम में दीवार पर डेकोरेट करने के लिए लगा सकते हो। चाहो तो कोई फ्लावर या फिर किसी अन्य शेप में पेपर या मैगजीन को काट सकते हो। कुछ ऐसा ही तुम दीवार घड़ी के साथ भी प्रयोग कर सकते हो। दीवार घड़ी के पिछले हिस्से पर पेपर को कोन के आकार का बनाकर लगा सकते हो।

ग्रीटिंग और कार्डबोर्ड का क्रिएटिव जादू

घर में खाली रखे मिठाई के डिब्बों या किसी सामान के साथ आए कार्डबोर्ड बॉक्स से भी बहुत अद्भुत चीजें बनाई जा सकती हैं। शादियों, त्योहारों और अन्य मौकों पर दिए जाने वाले इन्विटेशन कार्ड्स, ग्रीटिंग कार्ड्स और आर्ट एंड क्राफ्ट की दुकान पर मिलने वाली रंगबिरंगी पेपर शीट्स से आर्ट एंड क्राफ्ट के कई आइडियाज पनप सकते हैं। इसी तरह घर में खाली रखे मिठाई के डिब्बों या किसी सामान के साथ आए कार्डबोर्ड बॉक्स से भी बहुत अद्भुत चीजें बनाई जा सकती हैं। चलो इनमें से कुछ आइडियाज हम तुमसे शेयर करते हैं और चित्रों के माध्यम से भी तुम्हें आइडियाज देते हैं।

ग्रीटिंग्स और अन्य कार्ड्स

रंगबिरंगे ग्रीटिंग कार्ड्स या शादी और अन्य तरह के ओकेजन्स पर घर में आने वाले कार्ड्स अक्सर बहुत सुन्दर डिजाइन के साथ आते हैं। इनके रंग और डिजाइंस का उपयोग आसानी से सीनरी या वॉल पीस बनाने में किया जा सकता है। तुम चाहो तो इसके साथ कलर्ड पेपर शीट्स का भी उपयोग कर सकते हो। तो सबसे पहले एक बड़ी शीट लेकर उस पर अपनी कल्पना से किसी सीन की आउटलाइन खींचो। जैसे पेड़, फूल, आसमान, जानवर या अन्य चीजें। अब कार्ड्स के रंग के अनुसार और अपने सोचे सीन के अनुसार कार्ड्स में से अलगअलग आकार कैंची की मदद से काट लो। यहां एक बात का खास ध्यान रखना कि कैंची का उपयोग करते समय बहुत सावधानी रखो और हो सके तो किसी बड़े की मदद भी लो। अब काटे गए कार्ड पीसेस को शीट पर किसी भी एड्हेसिव की सहायता से चिपका दो। तुम चाहो तो किसी खास रंग के लिए एक्रेलिक कलर्स का भी उपयोग कर सकते हो और चाहो तो कलर्ड शीट भी यूज कर सकते हो। यही नहीं, चीजों को और भी क्रिएटिव बनाने के लिए ऊन या धागों, बटन्स या बीड्स जैसी चीजों को भी यूज कर सकते हो।

कार्डबोर्ड बॉक्सेस

मिठाई के डब्बे हों या किसी अन्य सामान के साथ आए गत्ते यानी कार्डबोर्ड के मजबूत बॉक्स। इनका प्रयोग भी एक आर्ट पीस बनाने के लिए किया जा सकता है। इसके लिए भी तुम्हें कुछ कलर पेपर, एक्रेलिक या वॉटर कलर, क्रेयॉन्स, कैंची और एड्हेसिव की जरूरत होगी। कैंची के लिए यहां भी वैसी ही सावधानी रखनी होगी। मिठाई के डिब्बों से तुम सोफे, गाड़ी, मोबाइल कवर, छोटी शेल्फ या घर आदि बना सकते हो तो कार्डबोर्ड के मजबूत टुकड़ों या पूरे बॉक्स से तुम अपने लिए मॉड्यूलर किचन से लेकर बड़ा ट्रक, बड़ी शेल्फ, फ्रिज, टीवी, ज्वैलरी बॉक्स, फर्नीचर, एक डॉल हाउस, छोटा-सा शहर आदि जैसी कई चीजें बना सकते हो। जरूरत बस अपनी कल्पना को रंग देने की है।